NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

लखनऊ से प्रकाशित

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

वर्ष: 13 अंक: 348 लखनऊ, रविवार 04 अगस्त 2024 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

पीड़ित परिवार के सदस्यों से मिलेगा भाजपा प्रतिनिधिमंडल, पार्टी नेतृत्व को सौंपेगा रिपोर्ट

संवाददाता।

लखनऊ सपा नेता और अयोध्या से सांसद अवधेश प्रसाद ने भी कहा कि सच्चाई का पता लगाया जाना चाहिए और किसी निर्दोष को नहीं फंसाया जाना चाहिए ।राज्यसभा सांसद बाबूराम निषाद और यूपी सरकार के मंत्री नरेंद्र कश्यप के नेतृत्व में भाजपा का एक प्रतिनिधिमंडल 12 वर्षीय लड़की के परिवार के सदस्यों से मिलने के लिए रविवार को अयोध्या पहुंचेगा, जिसके साथ समाजवादी पार्टी के एक सदस्य सहित दो लोगों द्वारा कथित तौर पर बलात्कार किया गया था। वे पूरे मामले की रिपोर्ट भी पार्टी नेतृत्व को सौंपेंगे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ ने शुक्रवार को पीड़ित परिवार से मुलाकात की थी। मुख्यमंत्री ने एक्स पर कहा, श्मैंने अयोध्या जिले के बीकापुर निर्वाचन क्षेत्र के विधायक डॉ. अमित सिंह चौहान के साथ अयोध्या के पीड़ित परिवार के सदस्यों से मुलाकात की ।श्श उन्होंने मुलाकात की एक तस्वीर साझा की, जिसमें परिवार के सदस्यों के चेहरे धुंधले थे। उन्होंने हिंदी में पोस्ट किया, ष्दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा, (और) उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। हम लड़की को न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सपा नेता और अयोध्या से सांसद अवधेश प्रसाद ने भी कहा कि सच्चाई का पता लगाया जाना चाहिए और किसी निर्दोष को नहीं फंसाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जहां तक घ्इस घटना की बात है तो यह बेहद दर्दनाक और शर्मनाक है। इस घटना में शामिल सभी लोगों की जांच होनी चाहिए, सच्चाई का पता लगाना चाहिए और जो भी दोषी हैं उनके खिलाफ पूरी ताकत से कार्रवाई होनी चाहिए. ..और जहां तक घ्पीड़िता का सवाल है, हमारी पार्टी पूरी तरह से पीड़िता के साथ खड़ी है। विधानसभा में बोलते हुए, आदित्यनाथ ने दावा किया कि मोइद खान समाजवादी पार्टी (सपा) से थे।

अयोध्या रेप केस मामले में तेज हुई सियासत, अखिलेश यादव ने की डीएनए टेस्ट की मांग की, मायावती भड़कीं

lokनnkrk

लखनऊ मायावती ने लिखा कि यूपी सरकार द्वारा अयोध्या गैंगरेप केस में आरोपी के विरुद्ध की जा रही सख्त कार्रवाई उचित, लेकिन सपा द्वारा यह कहना कि आरोपी का क्छ। टेस्ट होना चाहिये, इसे क्या समझा जाए। अयोध्या रेप केस मामले में सियासत तेज हो गई है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने डीएनए टेस्ट की मांग कर दी। वहीं, अखिलेश के इस मांग पर मायावती भड़क गई हैं। अखिलेश यादव ने एक्स पोस्ट में लिखा कि कुकृत्य के मामले में जिन पर भी आरोप लगा है उनका क्छ। जैन्ज कराकर इंसाफ का रास्ता निकाला जाए न कि केवल आरोप लगाकर सियासत

की जाए। उन्होंने कहा कि जो भी दोषी हो उसे कानून के हिसाब से पूरी सजा दी जाए, लेकिन अगर क्छ। जैन्ज के बाद आरोप झूठे साबित हों तो सरकार के संलिप्त अधिकारियों को भी न बख्शा जाए। यही न्याय की माँग है।वहीं, मायावती ने लिखा कि यूपी सरकार द्वारा अयोध्या गैंगरेप केस में आरोपी के विरुद्ध की जा रही सख्त कार्रवाई उचित, लेकिन सपा द्वारा यह कहना कि आरोपी का क्छ। टेस्ट होना चाहिये, इसे क्या समझा जाए। जबकि सपा को यह भी बताना चाहिए कि उनकी सरकार में ऐसे आरोपियों के खिलाफ कितने क्छ। टेस्ट हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि साथ ही, यूपी में अपराध नियंत्रण व कानून–व्यवस्था में भी खघसकर महिला सुरक्षा व उत्पीड़न आदि को लेकर बढ़ती चिन्ताओं के बीच अयोध्या व लखनऊ आदि की घटनाएं अति–दुखद व चिन्तित करने वाली। सरकार इनके निवारण के लिए जाति–बिरादरी एवं राजनीति से ऊपर उठकर सखघ्त कदम उठाए तो बेहतर। राज्यसभा सांसद बाबूराम निषाद और यूपी सरकार के मंत्री नरेंद्र कश्यप के नेतृत्व में भाजपा का एक प्रतिनिधिमंडल 12 वर्षीय लड़की के परिवार के सदस्यों से मिलने के लिए रविवार को अयोध्या पहुंचेगा, जिसके साथ समाजवादी पार्टी के एक सदस्य सहित दो लोगों द्वारा कथित तौर पर बलात्कार किया गया था। वे पूरे मामले की रिपोर्ट भी पार्टी नेतृत्व को सौंपेंगे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को पीड़ित परिवार से मुलाकात की थी। मुख्यमंत्री ने एक्स पर कहा, श्मैंने अयोध्या जिले के बीकापुर निर्वाचन क्षेत्र के विधायक डॉ. अमित सिंह चौहान के साथ अयोध्या के पीड़ित परिवार के सदस्यों से मुलाकात की ।श्श उन्होंने मुलाकात की एक तस्वीर साझा की, जिसमें परिवार के सदस्यों के चेहरे धुंधले थे।

मुस्लिम-यादव से कौन सी दुश्मनी? अयोध्या रेप केस पर आया सांसद अवधेश प्रसाद का बयान

संवाददाता।

लखनऊ सांसद ने कहा कि समाजवादी पार्टी कभी भी अपराधियों और लोगों के साथ अन्याय करने में शामिल लोगों के साथ खड़ी नहीं होती है। समाजवादी पार्टी (सपा) के अयोध्या सांसद अवधेश प्रसाद ने शनिवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर यादव और मुस्लिम समुदाय के लोगों के खिलाफ ष्शत्रुताष रखने का आरोप लगाया। प्रसाद की कड़ी टिप्पणी अयोध्या में स्थानीय प्रशासन द्वारा सपा नेता मोइन खान की बेकरी को ध्वस्त करने के बाद आई, जो जिले में 12 वर्षीय लड़की के साथ

सामूहिक बलात्कार मामले का मुख्य आरोपी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की बहुत पुरानी विचारधारा है और हम यह नहीं बता सकते कि मुसलमानों, यादवों से उनकी क्या दुश्मनी है। यह पुराना है। हालाँकि, सांसद ने कहा कि समाजवादी पार्टी कभी भी अपराधियों और लोगों के साथ अन्याय करने में शामिल लोगों के साथ खड़ी नहीं होती है। उन्होंने भाजपा से नाबालिग लड़की के बलात्कार का राजनीतिकरण नहीं करने का भी आग्रह किया। एएनआई से बात करते हुए, अवधेश प्रसाद ने आगे कहा कि समाजवादी पार्टी कभी भी अपराधियों के साथ खड़ी नहीं हुई है। समाजवादी पार्टी ने हमेशा अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़ी है... हमारे नेता (मुलायम सिंह यादव) ने फूलन देवी को देश की सर्वोच्च पंचायत में भेजा। भाजपा ऐसी भयावह, शर्मनाक घटना पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। इससे पहले शनिवार को खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने खान की बेकरी पर छापा मारकर बेकरी में बन रहे सामान को जब्त कर जांच के लिए भेज दिया था. बाद में बुलडोजर से बेकरी को ध्वस्त कर दिया गया। खान पर उसी बेकरी में लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार करने का आरोप है।

लगभग 50 लोगों के मरने की आशंका, राहत और बचाव कार्य जारी

कांग्रेस नेता ने बताया कि 2–3 दिन पहले श्रीखंड पर्वत चोटी पर बादल फट गया था।

एजेंसी।

हिमाचल प्रदेश के मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने शनिवार को कहा कि बादल फटने की घटनाओं से प्रभावित क्षेत्रों में लगभग 50 लोगों के मरने की आशंका है। सिंह ने कहा कि आधिकारिक संख्या आधिकारिक पुष्टि और खोज एवं बचाव अभियान पूरा होने के बाद ही घोषित की जा सकती है। मंत्री ने शनिवार को समाचार एजेंसी एएनआई को बताया कि इस समय सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता शवों को निकालना और राज्य के बाढ़ प्रभावित हिस्सों में कनेक्टिविटी बहाल करना है।कांग्रेस नेता ने बताया कि 2–3 दिन पहले श्रीखंड पर्वत चोटी पर बादल फट गया था। इसके चलते रामपुर और कुल्लू के इलाकों में भारी तबाही हुई है। सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भी इलाके का दौरा किया। उन्होंने भी स्थिति का जायजा लिया और अधिकारियों को जानकारी दी। हमने विभिन्न स्थानों पर बेली ब्रिज स्थापित करना शुरू कर दिया है। जगह–जगह पुलिस जवानों की तैनाती की जा रही है. प्रशासन सभी से समन्वय बना रहा है. एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, राज्य पुलिस, होम गार्ड के जवान मिलकर बचाव अभियान चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्राथमिकता शवों को निकालना है... इसके अलावा, सरकार प्रभावित क्षेत्रों में जल्द से जल्द कनेक्टिविटी बहाल करने के लिए सभी प्रयास कर रही है। इस संबंध में सीएम ने गृह मंत्री अमित शाह से भी बात की है. हमें केंद्र से भी समर्थन मिलना चाहिए, और हम सरकार से भी यही मांग कर रहे हैं...तत्काल राहत के रूप में, सीएम ने सभी प्रभावित परिवारों के लिए 50,000 रुपये की घोषणा की है। आने वाले समय में वे मरम्मत के लिए भी मदद देंगे। आशंका जताई जा रही है कि करीब 50 मौतें हुई हैं, लेकिन ऑपरेशन जारी रहने के कारण इसकी आधिकारिक पुष्टि हो सकती है।

बीजेपी और जेडीएस की मैसूर चलो पदयात्रा हुई शुरू, एचडी कुमारस्वामी ने कांग्रेस पर लगाया बड़ा आरोप

एजेंसी।

नई दिल्ली केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने शनिवार को कहा कि राज्य में सत्ता में आने के बाद से कांग्रेस शासित सरकार की कथित अवैध गतिविधियों के खिलाफ 10 दिवसीय श्मैसूर चलोश पदयात्रा शुरू की गई है। जेडीएस नेता ने कहा कि हम इस कार्यक्रम को मैसूरु में समाप्त करने जा रहे हैं।श यह इस (कांग्रेस) सरकार द्वारा की गई कई अवैध गतिविधियों के खिलाफ हैरू भ्रष्टाचार, भूमि कब्जा। उन्होंने कहा कि पदयात्रा के दौरान वे कर्नाटक के लोगों को बताएंगे कि यह सरकार कैसे सत्ता में आई। "उसके बाद, पहले दिन से, कैसे उन्होंने सरकारी खजाने से भी, यहां तक घ्कि अधिकारियों से भी पैसा हड़पना शुरू कर दिया।" एचडी कुमारस्वामी ने यह भी कहा कि वे यह सब अवैध हस्तांतरण कैसे कर रहे हैं। उन्होंने कैसे पैसा इकट्ठा किया है। हमने लोगों को इन सभी मुद्दों के बारे में सूचित करने के लिए कार्यक्रम शुरू किया। कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल–सेक्युलर (जेडीएस) के विपक्षी गठबंधन ने शनिवार को कथित एमयूडीए और वाल्मिकी निगम घोटालों को लेकर बेंगलुरु के केंगेरी से मैसूर तक अपनी 10 दिवसीय श्मैसूर चलोश पदयात्रा शुरू की ।शुक्रवार को कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कथित मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) घोटाले को लेकर भाजपा की पदयात्रा की आलोचना की और कहा कि वे एक गैर–मुद्दे को मुद्दा बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस उनसे पूछना चाहती है कि उन्होंने अपने कार्यकाल में क्या किया है। यह भाजपा की अब तक की सबसे निंदनीय सरकार थी। वे बिना बात के पदयात्रा कर रहे हैं, वे गैर–मुद्दे को मुद्दा बनाने की कोशिश कर रहे हैं। कर्नाटक के राज्यपाल ने 27 जुलाई को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को कारण बताओ नोटिस जारी किया। इससे पहले, सामाजिक कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया और नौ अन्य के खिलाफ मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण से मुआवजे का दावा करने के लिए कथित रूप से फर्जी दस्तावेज बनाने की शिकायत दर्ज की थी। शिकायत में सिद्धारमैया, उनकी पत्नी पार्वती, उनके बहनोई मलिकार्जुन स्वामी देवराज, जो एक जमींदार होने का दावा करते थे, और उनके परिवार पर गलत काम करने का आरोप लगाया गया है। आगे आरोप लगाया गया कि डन्क। ने फर्जी दस्तावेज बनाए और करोड़ों रुपये के प्लॉट हासिल किए। स्नेहमयी कृष्णा ने अपनी शिकायत में कई सवाल उठाए हैं।

इण्डियन प्रेस एसोसिएशन की बैठक – मुख्य एजेंडा पर चर्चा

गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, 2 अगस्त 2024 कृ इण्डियन प्रेस एसोसिएशन ने आज एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जिसमें कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। इस बैठक में प्रत्यक्ष रूप से प्प्। के कार्यकारणी सदस्य एवं अध्यक्ष श्री शील शुक्ला, संयुक्त सचिव डॉ. अशोक कुलश्रेष्ठ, सदस्य डॉ. प्रभात कुमार सिन्हा, सदस्य श्री बृजेश शुक्ला, उप सचिव डॉ. अभिषेक कुमार सिन्हा, एवं वर्चुअल बैठक में देशभर से पत्रकार, संपादक और मीडिया पेशेवरों को एकत्रित हुए, जिसमे मानद अध्यक्ष डॉ. वी. कुमार, सदस्य मि. मयंक गुप्ता, सह सचिव श्रीमती भक्ति मुग्दल, उपाध्यक्ष श्री वी. के. पांडेय, आदि सम्मिलित हुए।जिनमे कई मुद्दों पर विचार किया गया।

इण्डियन प्रेस एसोसिएशन की बैठक मे यह थे मुख्य एजेंडे-

1.आइपीए के व्हाट्सएप्प ग्रुप को ओनली एडमिन द्वारा संचालित करने पर विचार।
2. आइपीए के ग्रुप एडमिन के लिए एक उत्कृष्ट नियमावली की तैयारी करना।
3. सरकारी स्तर पर आइपीए की स्टेटस की जानकारी प्राप्त करना।
4. आइपीए की वेबसाइट बनवाने की प्लानिंग की गई।
5. उपसचिव के पद पर डॉ. अभिषेक कुमार सिन्हा को सपने का प्रस्ताव रखा गया।

इण्डियन प्रेस एसोसिएशन की बैठक मे पारित प्रस्ताव

1. सर्वसम्मती से सदस्ता शुल्क 500.00 निर्धारित किया गया।
2. सर्वसम्मती से उपसचिव के पद पर डॉ. अभिषेक कुमार सिन्हा को पदभार सौपा गया।
3. सर्वसम्मती से आइपीए की वेबसाइट बनाने की जिम्मेदारी शील शुक्ला जी ने ग्रहण किया.
4. सदस्यता अभियान के प्रमुख का भार डॉ. अशोक कुलश्रेष्ठ को दिया गया।
5. सर्वसम्मती से सदस्यता की निर्धारीत फीस का लेनदेन डॉ. अभिषेक कुमार सिन्हा के निजी खाते से संचालित करने का प्रस्ताव पारित किया गया।

6– बैठक में ये तय किया गया कि आईपीए के व्हाट्स ऐप ग्रुप को सिर्फ एडमिन द्वारा ही संचालित किया जाएगा। और एडमिन का अधिकार उन सभी को मिलेगा जो आज की बैठक फिजिकली ये वर्चुअली प्रतिभागी थे ।

7–आज की बैठक के प्रत्येक प्रतिभागी को तीन सदस्य एक माह के अंदर जोड़ना होगा।

8 – सदस्यता फॉर्म एवं आलेख नेक्स्ट मेसेज में उपलब्ध है।

सिद्धारमैया का ऐलान, वायनाड में पीड़ितों के लिए 100 घर का करवाएंगे निर्माण

एजेंसी।

कर्नाटक एक्स पर सिद्धारमैया की पोस्ट को साझा करते हुए, कांग्रेस नेता और वायनाड के पूर्व सांसद राहुल गांधी ने कहा कि वह वायनाड में इस कठिन समय के दौरान उनके उदार समर्थन के लिए कर्नाटक के लोगों और सरकार के प्रति बहुत आभारी हैं। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शनिवार को घोषणा की कि उनकी सरकार भूस्खलन प्रभावित वायनाड के पीड़ितों के लिए 100 घर बनाएगी। सोशल मीडिया पोस्ट श्एक्सश पर सिद्धारमैया ने कहा कि वायनाड में दुखद भूस्खलन के आलोक में, कर्नाटक केरल के साथ एकजुटता से खड़ा है। उन्होंने कहा कि मैंने सीएम पिनाराई विजयन को हमारे समर्थन का आश्वासन दिया है और घोषणा की है कि कर्नाटक पीड़ितों के लिए 100 घर बनाएगा। हम सब मिलकर आशा का पुनर्निर्माण और पुनर्स्थापन करेंगे। एक्स पर सिद्धारमैया की पोस्ट को साझा करते हुए, कांग्रेस

नेता और वायनाड के पूर्व सांसद राहुल गांधी ने कहा कि वह वायनाड में इस कठिन समय के दौरान उनके उदार समर्थन के लिए कर्नाटक के लोगों और सरकार के प्रति बहुत आभारी हैं। उन्होंने कहा कि दुखद भूस्खलन के पीड़ितों के लिए 100 घर बनाने की आपकी प्रतिबद्धता पुनर्वास प्रयासों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भारतीयों की करुणा और एकजुटता ही वह ताकत है जिसकी वायनाड को अभी जरूरत है। गांधी और उनकी बहन प्रियंका गांधी वाद्रा ने गुरुवार को वायनाड में भूस्खलन प्रभावित इलाके चूरलमाला का दौरा किया था। वाड्रा ने भी कर्नाटक के इस कदम के लिए मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को धन्यवाद दिया। उन्होंने लिखा कि करुणा और मानवता के इस भाव के लिए सिद्धारमैया जी और कर्नाटक के लोगों को धन्यवाद। इस बीच केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कहा कि 30 जुलाई को शुरू हुआ खोज और बचाव अभियान अंतिम चरण में पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि 206 लोग अब भी लापता हैं। भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में तलाश अभियान शनिवार को लगातार पांचवें दिन जारी है। मलबे में अभी भी फंसे लोगों की तलाश के लिए 1,300 से अधिक बचावकर्मियों, भारी मशीन और अत्याधुनिक उपकरणों को तैनात किया गया है।

बंगाल के मंत्री ने महिला वन अधिकारी को दी धमकी, बीजेपी ने पूछा- क्या ममता बनर्जी जेल में डालने की हिम्मत करेंगी?

एजेंसी।

पश्चिम बंगाल के मंत्री ने कथित तौर पर महिला अधिकारी से कहा, तुम एक सरकारी कर्मचारी हो, बोलते समय (मेरे सामने) अपना सिर झुका लोष् देखो एक सप्ताह के भीतर तुम्हारे साथ क्या होता है और मैं तुम्हें छड़ी से मारूंगा। भाजपा ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के मंत्री अखिल गिरि पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने वन क्षेत्रों में अवैध अतिक्रमण हटाने के लिए अपना कर्तव्य निभाने के लिए एक महिला वन अधिकारी को ष्धमकीष दी। एक सोशल मीडिया पोस्ट में, भाजपा पश्चिम बंगाल ने गिरी का महिला वन अधिकारी पर चिल्लाते हुए एक वीडियो साझा किया। पश्चिम बंगाल के मंत्री ने कथित तौर पर महिला अधिकारी से कहा,

ष्तुम एक सरकारी कर्मचारी हो, बोलते समय (मेरे सामने) अपना सिर झुका लोष् ष्देखो एक सप्ताह के भीतर तुम्हारे साथ क्या होता हैष और ष्मैं तुम्हें छड़ी से मारूंगा। भाजपा ने इस तरह के बयान का दावा किया है। भाजपा ने सवाल किया कि क्या ममता बनर्जी इस मंत्री को बाहर निकालने और सलाखों के पीछे डालने की हिम्मत करेंगी? क्या उनके खिलाफ सरकारी कर्मचारियों के काम में बाधा डालने और महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया जाएगा? आइए देखें कि क्या इस गुंडे को परोक्ष रूप से हत्या करने और एक महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने की धमकी देने के लिए जेल में डाला जाता है या नहीं। टीएमसी नेता कुणाल घोष ने गिरि के व्यवहार की निंदा करते हुए इसे ष्अवांछनीयष बताया, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि भाजपा को ष्इसके बारे में बोलने का कोई अधिकार नहीं है क्योंकि उन्होंने कई घिनौने काम किए हैं।

उपचुनाव ही हमारे लिए प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव का आधार बनेगा – अजय राय

लखनऊ(आरएनएस)। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक की शुरुआत करने से अजय राय ने नवनिर्वाचित सांसद तनुज पुनिया तथा राकेश राठौर को लोकसभा चुनाव में विजयी होने पर उनका स्वागत किया। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकमाएं देते हुए कहा कि यह आपकी सभी की कड़ी मेहनत का नतीजा है कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने प्रदेश की 6 सीटों पर जीत हासिल की। लेकिन हमें रूकना नहीं है बल्कि इससे कहीं ज्यादा और मेहनत करके प्रदेश में होने वाले उपचुनाव में इंडिया गठबंधन को जिताना है। कहा कि यह उपचुनाव ही हमारे लिए प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव का आधार बनेगा। इसलिए हम सभी को पूरी मेहनत के साथ अभी से 2027 की तैयारियों में लग जाना है तथा संगठन को और अधिक मजबूत करने की आवश्यकता है। बैठक के दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय ने कांग्रेस संगठन को और अधिक गतिशील बनाने के लिए पदाधिकारियों को निर्देशित किया तथा सख्ती से उनका पालन करने पर बल दिया। जिसके तहत उन्होंने प्रभारी सचिवों को उनके प्रभार क्षेत्र में अनिवार्य रूप से जाकर कार्य करने का आदेश दिया।उनहोने ध्शहर कमेटियों के भौतिक सत्यापन के लिए जिला कमेटी की बैठकों में प्रभारी महासचिवों तथा सचिवों को आवश्यक रूप से उपस्थित रहने के साथ ही आगामी 15 दिन के भीतर जिलेवार बैठक पूरी करने का निर्देश दिया इसके साथ जिलों में फ्रंटल संगठनोंध्विभागोंध्प्रकोष्ठों के चेयरमैनों के साथ बैठक कर फ्रंटल संगठनोंध्विभागों एवं प्रकोष्ठों की जिलाध्शहर कमेटी की रिपोर्ट प्रस्तुत करने तथा का आदेश दिया। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष ने जिलों और शहरों में प्रत्येक पदाधिकारी की जिम्मेदारी और जवाबदेही तय की। जिसके अन्तर्गत न्यूनतम पाँच उपाध्यक्ष नियुक्त करते हुए उनके कार्य निर्धारित किये तथा प्रत्येक विधानसभा पर महासचिव प्रभारी तथा प्रत्यके ब्लॉक पर सचिव प्रभारी बनाने पर बल दिया। शहरी क्षेत्र में बड़े पाँच वार्डों पर महासचिव हर बड़े दो वार्ड पर सचिव बनाने साथ ही प्रत्येक माह जिलाध्शहर कांग्रेस कमेटियों के अपनी समीक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा। पदाधिकारियों को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा निर्धारित किये गये कार्यक्रमों को पूर्ण कराकर उसकी रिपोर्ट प्रदेश कांग्रेस कमेटी को प्रेषित करने का निर्देश दिया। बैठक में श्री राय कहा कि सभी जिलों में जिलाध्शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों एवं सभी फ्रंटल संगठनोंध्विभागोंध्प्रकोष्ठों के जिलाध्शहर चेयरमैनों को मिलाकर एक समन्वय समिति बनायी जाये, जो प्रतिमाह अपनी प्रगति रिपोर्ट आपस में साझा करेंगे। पार्टी के प्रचार प्रसार को गति देने के लिए जिले में मीडिया एवं सोशल मीडिया की एक मजबूत टीम बनायी जाये, जिसकी प्रतिमाह जिलाध्शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों के साथ बैठक करने को आदेशित किया।

अयोध्या के भदरसा मामले में बिना डीएनए टेस्ट के भाजपा का आरोप दुराग्रह पूर्ण माना जाएगा –अखिलेश यादव

लखनऊ(आरएनएस) समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि अयोध्या के भदरसा मामले में बिना डीएनए टेस्ट के भाजपा का आरोप दुराग्रह पूर्ण माना जाएगा। कुकृत्य के मामले में जिन पर भी आरोप लगा है उनका डीएनए टेस्ट कराकर इंसाफ का रास्ता निकाला जाए न कि केवल आरोप लगाकर सियासत की जाए। जो भी दोषी हों उन्हें कानून के हिसाब से पूरी सजा दी जाए लेकिन अगर डीएनए टेस्ट के बाद आरोप झूठे साबित हों तो सरकार के संलिप्त अधिकारियों को भी न बख्शा जाए। उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए।

अखिलेश यादव ने मांग की है कि सरकार पीड़ित परिवार को तत्काल 20 लाख रूपये की सहायता प्रदान करे। अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था ध्वस्त है। हर दिन हत्या, लूट, दुष्कर्म की घटनाएं हो रही है। भाजपा सरकार घटनाओं को रोकने में विफल है। भाजपा सरकार असली अपराधियों को बचाती रही है। सत्ता के संरक्षण में भाजपा समर्थक भी तमाम अपराधों में संलिप्त पाये गए हैं। वैसे भी अपराधियों में भाजपा सरकार का खौफ नहीं रह गया है। वे भाजपा नेता की बेटी का अपहरण करने से भी नहीं डर रहे हैं। मुख्यमंत्री जी के प्रदेश में कानून व्यवस्था की बेहतरी के दावे झूठे साबित हो रहे हैं। निकम्मी भाजपा सरकार से लोग ऊब गए है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा अयोध्या की हार पचा नहीं पा रही है। भाजपा ने अयोध्या में पिछले सात सालों में जो भ्रष्टाचार और जमींनों की लूट की है, अयोध्या और प्रदेश की जनता ने उसी की सजा दी है। भाजपा इसी तरह से अन्याय अत्याचार करती रहेगी तो जनता लोकसभा चुनाव की तरह विधानसभा के उपचुनाव में भी भाजपा का सफाया करेगी? 2027 के विधानसभा चुनाव में भी प्रदेश की जनता भाजपा को सत्ता से बेदखल करके अन्याय का जवाब जरूर देगी। अखिलेश यादव ने कहा कि लोकसभा चुनाव हारने के बाद भाजपा बौखलाई हुई है। घटना कहीं हों बिना जांच पड़ताल के समाजवादी पार्टी को बदनाम करने की नीयत से आरोप लगाना राजनीतिक विद्वेष से प्रेरित है। लखनऊ की घटना में भी समाजवादी पार्टी को बदनाम करने की नापाक और असफल कोशिश की गई थी जबकि समाजवादी पार्टी ने उस घटना की पहले ही निंदा की थी। उसमें तीन दर्जन नामों की चर्चा हैं भाजपा में हिम्मत है

यूपी के 21.60 लाख युवाओं को पीएमकेवीवाई के तहत मिला प्रशिक्षण

योजना के तहत 16.87 लाख प्रशिक्षणार्थियों को अब तक दिया जा चुका है प्रमाण पत्र

लखनऊ(आरएनएस) युवाओं का कौशल निखारकर उनकी योग्यतानुसार उन्हें रोजगार से जोड़ने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जुलाई 2015 में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) की शुरुआत की थी। उत्तर प्रदेश में सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में इस योजना के अंतर्गत 9 वर्षों में अब तक 21 लाख से ज्यादा युवाओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है, जिसमें से करीब 17 लाख युवाओं ने अपना सर्टिफिकेशन भी प्राप्त कर लिया है। उल्लेखनीय है कि इस योजना के तहत देश में अब तक 1.50 करोड़ युवाओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है। योजना के अंतर्गत तीन माह, 6 माह और एक साल के लिए रजिस्ट्रेशन होता है। कोर्स पूरा करने के बाद सर्टिफिकेट प्रदान किया जाता है। यह प्रमाणपत्र पूरे देश में मान्य होता है।

प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उधमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश में युवाओं के कौशल को निखारने के लिए अनेक कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना भी इसका एक हिस्सा है। इस योजना के अंतर्गत अब तक प्रदेश में 21.60 लाख युवाओं को प्रशिक्षित किया गया है, जिसमें 16.87 लाख को प्रमाण पत्र भी मिल चुका है। उन्होंने कहा कि इस योजना के माध्यम से युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए प्रदेश सरकार के प्रयासों से अब तक 205 रोजगार मेले आयोजित किए गए हैं, जिनमें 64,589 उम्मीदवारों का चयन सुनिश्चित हुआ है। प्रदेश में इस योजना के कार्यान्वयन के लिए कुल 179.91 करोड़ रुपए की धनराशि वितरित की जा चुकी है।

योजना के तहत शॉर्ट टर्म ट्रेनिंग (एसटीटी) कंपोनेंट के तहत प्रमाण पत्र पाने वाले 8.93 लाख प्रशिक्षणार्थियों में से 3.39 लाख प्रशिक्षणार्थी स्किल इंडिया डिजिटल के रूप में दर्ज किए गए हैं। योजना के लेटेस्ट वर्जन पीएमकेवीवाई 4.0 के अंतर्गत औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई), एआईसीटीई संबद्ध कॉलेजों, जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस), पीएमकेके, एसएससी, सीबीएसई स्कूल, नीलिट, एसडीआई रायबरेली, सिपेट, डीआईएवी, हरिदकॉन प्रशिक्षण केंद्रों (सीपीएसयू), केंद्रीय विद्यालय (केवी), छावनी बोर्ड, जेएनवी आदि में स्थापित 1367 स्किल इंडिया सेंटर्स के माध्यम से 4.61 लाख उम्मीदवारों को नामांकित किया गया है। न्यू एज जॉब रोल्स वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों में इनरोलमेंट में काफी तेजी से इजाफा देखा जा रहा है। कुल 73,516 उम्मीदवारों ने सोलर पीवी इंस्टॉलर (सूर्यमित्र), टेकनीशियन 5जी – एक्टिव नेटवर्क इंस्टालेशन, सोलर पीवी इंस्टॉलर – इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स मशीन मेंटीनेंस एग्जिक्यूटिव, सोलर एलईडी टेक्नीशियंस, आदि में नामांकन कराया है।

पर्यटन विभाग 05 करोड़ रूपये से करायेगा लखनऊ–रायबरेली सीमा पर स्थित प्राचीन भवरेशवर महादेव मंदिर का सौंदर्यीकरण

लखनऊ(आरएनएस)रू उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा प्रदेश भर के धार्मिक स्थलों का जीर्णोद्धार कराया जा रहा है। इसी क्रम में उ0प्र0 पर्यटन विभाग मोहनलालगंज क्षेत्र के अंतर्गत लखनऊ–रायबरेली सीमा पर सई नदी के तट पर सुदौली स्थित प्राचीन भवरेशवर महादेव मंदिर का 05 करोड़ रुपये की लागत से पर्यटन विकास एवं सौंदर्यीकरण कार्य कराएगा।यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने दी। उन्होंने बताया कि विभाग 05 करोड़ रुपये से मोहनलालगंज स्थित प्राचीन भवरेशवर महादेव मंदिर के सौंदर्यीकरण के साथ मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के लिए पीने का पानी, बेंच, शेड व अन्य पर्यटन सुविधाओं का विकास भी किया कराएगा। रायबरेली व उन्नाव जनपद की सीमा पर सई नदी के तट पर भवरेश्वर मंदिर का पौराणिक काल से ही अपना महत्व रहा है। प्राचीन शिव मंदिरों में विख्यात यह मंदिर पुरातन काल से ही लोगों की आस्था का केंद्र रहा है। मान्यताओं के अनुसार यहाँ आने वाले भक्तों की मनोकामना भगवान शिव अवश्य पूरी करते हैं। इसीलिए यहां पर वर्ष के 12 महीने भक्तों का तांता लगा रहता है। वहीं सावन महीने में रायबरेली, लखनऊ और उन्नाव समेत आसपास के जनपदों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु भगवान शिव के दर्शन के लिए आते हैं।पर्यटन और संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 'प्रदेश के सभी 75 जिलों के प्राचीन और धार्मिक मान्यताओं वाले मंदिरों के जीर्णोद्धार के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। सदियों पुराने मंदिरों को 'स्वच्छ और भव्य पूजा स्थल' में बदलना प्रदेश सरकार और पर्यटन विभाग की प्राथमिकताओं में से एक है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश को विश्व पर्यटन के मानचित्र पर लाने के लिए सतत प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए पर्यटन स्थलों के साथ धार्मिक स्थलों का विकास भी कराया जा रहा है। साथ ही पर्यटन सुविधाओं में और वृद्धि की जा रही है। उन्होंने बताया कि इसी प्रकार राजधानी के कई अन्य धार्मिक एवं ऐतिहासिक महत्व के इमारतों एवं मंदिरों आदि का सौन्दर्यीकरण और पर्यटन सुविधा बेहतर करने का कार्य कराया जा रहा है।

पूर्व मुख्यमंत्री बाबू बनारसी दास की 39वीं पुण्यतिथि पर डा0 अखिलेश दास गुप्ता फाउंडेशन के तत्वावधान में दी गई भावभीनी श्र)ांजलि

लखनऊ(आरएनएस) । उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बाबू बनारसी दास गुप्ता की 39 वीं पुण्यतिथि के मौके पर डॉ0 अखिलेश दास गुप्ता फाउंडेशन के तत्वावधान में बाबू जी के परिजनों समर्थकों व अनुयायियों की मौजूदगी में 55, पुराना किला स्थित कोठी में उनके चित्र पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। बी0बी0डी0 परिवार के सदस्यों ने बाबूजी को याद करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें याद किया और उनके बताये रास्ते पर चलने का संकल्प लिया। शिक्षा एवं खेल जगत के प्रमुख लोगों ने भी बाबू बनारसी दास की पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है।स अवसर पर बी0बी0डी0 ग्रुप की चेयरपर्सन अलका दास ने बाबू बनारसी दास गुप्ताकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए नमन किया। इसके अलावा बीबीडी ग्रुप के निदेशकआर0के0 अग्रवाल ने अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए बाबूजी के बताये रास्ते पर चलने का संकल्प लिया। पुण्यतिथि के मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री बाबू बनारसी दासके पौत्र, अध्यक्ष बी0बी0डी0 ग्रुप, उ0प्र0 बैडमिन्टन एसोसिएशन, उ0प्र0 ओलम्पिक संघ एवं उपाध्यक्ष बैडमिंटन एसोसिएशन आफ इण्डिया विराज सागर दास ने स्मृतियों को याद करते हुए कहा कि 28 फरवरी 1979 को बाबू जी उ0प्र0 के मुख्यमंत्री बने और 18 फरवरी 1980 तक उन्होंने प्रदेश की बागडोर संभाली। इस छोटे से कार्यकाल में उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में, राज्य के कर्मचारियों, कानून व्यवस्था, सहकारिता, भाषा व कौमी एकता की जो अनूठी मिसाल कायम की वह आज भी प्रासंगिक है। बी0बी0डी0 परिवार उनके बताए रास्ते पर चलते हुए उनके सपनों को साकार करने की दिशा में अग्रसर है। इस अवसर पर लखनऊ छावनी परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष अरुण गुप्ता, कैलाश पाण्डेय, अशोक सिंह, डॉ0 रेहान अहमद खान, सुशील दुबे, सुबोध श्रीवास्तव, अचल मेहरोत्रा, पूर्व पार्षद डॉ0 पी. एस जायसवाल, चंद्र प्रकाश गोयल, राजीव बाजपेयी पूर्व पार्षद, निहाल खान, कमल वाल्मीकि, रिषभ गुप्ता, खलीलुर्रहमान पप्पू, आयुष वाल्मीकि, चौ0 वीर सिंह बाल्मीकि, श्रीमती वन्दना राज अवस्थी, उमा गुप्ता, शान बख्शी, सीमा चौधरी, आशा मौर्या, प्रिया गुप्ता, चन्द्रा रावत, उमा गुप्ता, ऊषा वाल्मीकि, अतीक अंसारी, सर्वेश
अवस्थी, सुनील यादव, महेश राठौर, अनूप कनौजिया, धीरज गुप्ता, नृपेन्द्र सिंह, नसीम खान आदि ने भी बाबू जी को नमन करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है।

स्वतंत्रता दिवस की तैयारी को लेकर जश्न ए आजादी ट्रस्ट की बैठक संपन्न

लखनऊ(आरएनएस)। स्वतंत्रता दिवस की तैयारी को लेकर जश्न ए आजादी ट्रस्ट की एक महत्वपूर्ण बैठक होटल फैशन टी वी में सम्पन्न हुई।बैठक की अध्यक्षता ट्रस्ट की चेयरपर्सन रजिया नवाज ने की तथा संचालन वामिक खान ने किया।बैठक में सर्व सम्मति से तय किया गया कि पिछले साल की तरह इस बार की एक सप्ताह तक आजादी का जश्न मनाया जायेगा।बैठक को संबोधित करते हुए ट्रस्ट की चेयर पर्सन रजिया नवाज ने कहा कि स्वंतत्रता दिवस हमारे देश का सबसे बड़ा त्यौहार है बस इसी भावना के साथ आजादी का महा उत्सव हम सब मिलकर धूम धाम से मनाएंगे।बैठक में ट्रस्ट के संस्थापक सदस्य मुर्तुजा अली,अब्दुल वहीद और जुबैर अहमद ने कहा की 15 अगस्त से एक हफ्ते पहले ही हम सब लखनऊ में विभिन्न आयोजन करके आजादी का जश्न मानने की शुरूवात करेंगे।उन्होंने बताया कि हिन्दू,मुसलिम, सिख,ईसाई,जैन, बौद्ध,आदि सभी एक साथ मिलकर आजादी के इस महा उत्सव में शामिल होंगे।साथ ही 15 अगस्त के झंडारोहण में सभी धर्मों के धर्म –गुरु शामिल होकर एकता और अखंडता का संदेश देंगे और राष्ट्रीय पर्व पर देश की खुशहाली और अमन शांति की दुआ भी करेंगे।इस बैठक में ट्रस्ट के अध्यक्ष मुरलीधर आहूजा,महामंत्री निगहत खान,चेयर पर्सन रजिया नवाज, कोषाध्यक्ष वामिक खान,संस्थापक सदस्य अब्दुल वहीद,मुर्तुजा अली,जुबैर अहमद योगगुरु के डी मिश्रा,कुदरत उल्ला खान,वेद व्रत बाजपेई,संजय सिंह,रईस अहमद,महेश दीक्षित, अब्दुल नसीर नासिर,रियाज भाई,प्रिंस आर्या,विमल चौधरी आदि मौजूद थे।

पी0जी0कालेज लखनऊ की प्रबन्ध समिति के जिम्मेदारों के विरू) दण्डात्तमक कठोर कार्यवाही की मांग'

लखनऊ, । शिया कालेज के प्राचार्य, प्रबंधतंत्र की अनियमित्ता, भ्रष्टाचार के विरूद्ध आज लखनऊ प्रेस क्लब में एक पत्रकार वार्ता हुई जिसको एम. मिर्जा, पूर्व कुलपति, ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती ने सम्बोधित किया। पूर्व कुलपति एम. मिर्जा ने आरोप लगाते हुए कहा कि शिया पी0जी0 कालेज, लखनऊ के प्राचार्य व प्रबन्ध समिति के प्रबन्धक अब्बास मुर्तजा शमसी द्वारा सशपथ झूठा बयान देकर प्रोफेसर माहरूख मिर्जा को उनकी 31 वर्ष की निष्ठापूर्वक की गयी सेवाओं पर एक गहरा दाग लगाते हुये उनको सेवा से पदच्युत कराने का घोर षडयन्त्र व अपराध यह कहते हुये किया है कि ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविधालय, लखनऊ में प्रोफेसर माहरूख मिर्जा के आचार्य के आवेदन प्रारूप को प्राचार्य डा0 मुसईयब शमशाद नकवी तत्कालीन प्राचार्य ने लिखित पत्र में कहा है कि आवेदन प्रारूप पर मेरे हस्ताक्षर नही है और पुष्टि हेतु अपने सगे छोटे भाई डा0 तैयब शमशाद नकवी (प्रोफेसर, जन्तु विज्ञान, शिया पी0जी0 कालेज, लखनऊ) ने उपस्थित होकर सशपथ बयान दिया कि प्रोफेसर माहरूख मिर्जा के आवेदन फार्म पर प्रोफेसर एम0 एस0 नकवी के हस्ताक्षर नही है और अपने बयान में यह भी कहा कि मैं शत प्रतिशत सुनिश्चित हूँ। इस झूठे और षडयन्त्रकारी सशपथ बयान में जो जो व्यक्ति दोषी पाये जाये उन पर तत्काल दण्डात्मक कार्यवाही की जाये।इसी प्रकार वर्तमान प्रबन्ध–तन्त्र के प्रबन्धक अब्बास मुर्तजा शमसी ने तत्समय के प्रबन्धक हसन सज्जाद मूसवी द्वारा निर्गत किये गये अनापत्ति प्रमाणपत्र को सशपथ यह कहते हुये झूठा बयान दिया गया कि प्राफेसर माहरूख मिर्जा द्वारा प्रस्तुत अनापत्ति प्रमाणपत्र हमारे शिया पी0जी0 कालेज के अभिलेख में नही है और यह अनापत्ति प्रमाणपत्र शिया पी0जी0 कालेज से निर्गत नही हुआ हैं। सशपथ बयान में अब्बास मुर्तुजा शम्सी, प्रबन्धक, शिया पी0 जी0 कालेज, लखनऊ ने बताया कि मैं शिया पी0जी0 कालेज लखनऊ का प्रबन्धक वर्ष 2016 से हूँ। मेरे पूछे जाने पर कि आपने किस तिथि को कार्यभार ग्रहण किया इस पर जबाव में उन्होने स्पष्ट रूप से कहा कि मुझे कार्यभार ग्रहण करने की तिथि याद नही है। अब्बास मुर्तुजा शम्सी, प्रबन्धक शिया पी0जी0 कालेज होते हुये यह भी सशपथ दिनांक 16–6–2023 को यह भी झूठ बोला कि वर्तमान समय में शिया पी0जी0 कालेज प्रबन्ध समिति या बोर्ड के विरूद्ध कोई मामला लम्बित नहीं हैं जबकि इनके झूठ बोलने वाली तिथि को माननीय उच्चतम न्यायालय में शिया पी0जी0 कालेज प्रबन्धा समिति से संबंधित बोर्ड के विरूद्ध मामला लम्बित था।

राजकीय आईटीआई लखनऊ में कैम्पस ड्राइव का आयोजन 7 अगस्त को

लखनऊ(आरएनएस) राज कुमार यादव, प्रधानाचार्य ने जानकारी दी है कि मुख्यमंत्री मिशन रोजगार योजना के तहत आईटीआई पास बेरोजगार युवाओं के लिए एक कैम्पस ड्राइव का आयोजन 7 अगस्त 2024 को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, अलीगंज, लखनऊ में किया जाएगा। इस कैम्पस ड्राइव का आयोजन मारूति सुजुकी इंडिया लिमिटेड, खरखोडा, सोनीपत, हरियाणा द्वारा किया जा रहा है। एम. ए. खान, ट्रेनिंग काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर ने बताया कि इस ड्राइव में भाग लेने के लिए उम्मीदवारों की शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल में कम से कम 40 प्रतिशत अंक होनी चाहिए। इसके अलावा, उम्मीदवारों को आईटीआई ट्रेड फिटर, डीजल मैकेनिक, मशीनिस्ट, टर्नर, मैकेनिक मोटर व्हीकल, पेंटर, वेल्डर, ट्रैक्टर मैकेनिक, टेक्निशियन ऑटो मोटिव मैन्युफैक्चरिंग, मैकेनिक ऑटो बॉडी पेंटिंग, मैकेनिक ऑटो बॉडी रिपेयर, पीपीओ, शीट मेटल वर्कर, टूल एंड डाई मेकर, ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरिंग आदि में उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। आयु सीमा न्यूनतम 18 वर्ष और अधिकतम 26 वर्ष है। वेतन 25,000 से 30,000 रुपये प्रति माह रहेगा और अन्य सुविधाएं भी कंपनी द्वारा प्रदान की जाएंगी। ध्यान देने वाली बात यह है कि मेले में केवल पुरुष अभ्यर्थी ही भाग ले सकेंगे। कुल 500 पदों पर चयन किया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थी 7 अगस्त 2024 को प्रातः 10 बजे अपने बायोडाटा और सभी शैक्षिक प्रमाण–पत्रों के साथ राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, अलीगंज, लखनऊ के प्लेसमेंट हॉल में उपस्थित हो सकते हैं।

राजकीय और निजी आईटीआई में प्रवेश 4 अगस्त 2024 तक छात्र किसी भी अफवाह में न आए, समय से करे आवेदन

लखनऊ(आरएनएस)रू उत्तर प्रदेश राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद्, अलीगंज, लखनऊ ने प्रदेश के राजकीय और निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में प्रवेश सत्र 2024 के लिए पंजीकरण की तिथियों को लेकर एक महत्वपूर्ण सूचना जारी की है। परिषद ने बताया है कि पंजीकरण की तिथि 10 जुलाई 2024 से 4 अगस्त 2024 तक निर्धारित की गई है, और इस अवधि में किसी भी प्रकार का विस्तार नहीं किया गया है। संयुक्त निदेशक राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद सत्यकांत ने बताया कि हाल ही में सोशल मीडिया, विशेषकर व्हाट्सएप पर एक फर्जी सूचना प्रसारित की जा रही है, जिसमें दावा किया गया है कि पंजीकरण की तिथि बढ़ा दी गई है। इस फर्जी सूचना में एक न्यूज पेपर कटिंग भी शामिल की गई है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि ऐसी कोई सूचना या कार्यालय ज्ञापन राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद्, उत्तर प्रदेश, अलीगंज, लखनऊ द्वारा जारी नहीं किया गया है।छात्रों और अभिभावकों से आग्रह किया गया है कि वे केवल आधिकारिक स्रोतों पर ही विश्वास करें और किसी भी प्रकार की अफवाहों से बचें। प्रवेश पंजीकरण की अंतिम तिथि 4 अगस्त 2024 है और इसमें कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। छात्रों को सूचित किया गया है कि वे समय पर अपना पंजीकरण सुनिश्चित करें और किसी भी प्रकार की भ्रामक जानकारी पर ध्यान न दें।

श्रीकृष्ण बाल लीलाएं और गोवर्द्धन पूजा की सुनाई कथा

चित्रकूट(आरएनएस)। श्रीमद् भागवत कथा के पांचवें दिन कथा व्यास ने भगवान श्रीकृष्ण बाल उत्सव, गोवर्द्धन पूजा की कथा सुनाई। भजन संगीत सुन श्रोतागण मंत्रमुग्ध रहे।शनिवार को मुख्यालय के तरौंहा स्थित रामलीला मैदान में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के पंचम दिवस कथा व्यास बदरी प्रपन्नाचार्य ने बताया कि श्रीकृष्ण भगवान की बाल लीला केवल कहानी नहीं जीवन जीने की कला है। भगवान की हर लीला में अध्यात्म छिपा है। मिट्टी खाकर भगवान ने मिट्टी तत्व को शुद्ध किया। अग्निपान करके अग्नि तत्व को शुद्ध किया। काली नाग को नाथ कर जल तत्व को शुद्ध किया। जल ही जीवन है यह सूत्र भगवान ने दिया। प्रकृति की सुरक्षा गोवर्धन पूजा की कहानी से सीखा जा सकता है। पर्यावरण सुरक्षित है तो संसार सुरक्षित है। कथा व्यास ने कहा कि भगवान ने अपनी बाल लीला में गो संवर्धन का काम किया। कहा कि बालक के 16 संस्कार किए जाते हैं। भगवान श्रीकृष्ण को मधुरास्तक बेहद प्रिय है। भगवान के पर्दा खोलने और बंद करने के पहले मधुरास्तक कहना चाहिए। बच्चे के जन्म के छठवें दिन भाग्य लिखा जाता है। ऐसे में माता–पिता को इस दिन प्रार्थना करना चाहिए कि बालक का भविष्य अच्छा हो। भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के पूर्व योग माया ने कंस के छाती में लात मारकर कह गई कि तुम्हे मारने वाला पैदा हो गया है तो कंस ने पूतना को भेजकर कहा कि जो इस समय बच्चे पैदा हुए सबको मारकर आओ। इस पर भगवान श्रीकृष्ण ने सभी बच्चों की जान बचाते हुए सबसे पहले अपने पास बुला लिया। पूतना राक्षसी ने गोपियो का वेश धारण कर अंदर चली गई और यशोदा से प्रभु श्रीकृष्ण को खिलाने के लिए ले लिया। पूतना अपने स्तन पर विष लगाकर श्रीकृष्ण को पिलाना चाहा, लेकिन श्रीकृष्ण ने उसके प्राणों का पान किया। आरती के पश्चात श्रोतागणों के मध्य प्रसाद वितरित किया गया। इस मौके पर मुख्य यजमान पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष नीलम करवरिया, राष्ट्रीय रामायण मेला के कार्यकारी अध्यक्ष प्रशांत करवरिया, पवन करवरिया, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय करवरिया, वेदरतन करवरिया, राजेश भारद्वाज, अमरनाथ द्विवेदी आदि श्रोतागण मौजूद रहे।

-डीएम-एसपी ने संपूर्ण समाधान में समस्याएं सुन अधिकारियों को दिए निर्देश

चित्रकूट(आरएनएस)। डम्एम शिवशरणप्पा जीएन व एसपी अरुण कुमार सिंह की उपस्थिति में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन तहसील सभागार मऊ में सम्पन्न हुआ।डीएम ने संपूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त समस्याओं के निस्तारण रजिस्टर का परीक्षण करते हुए निस्तारण आख्या को देखा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन समस्याओं का निस्तारण किया जा रहा है उस समस्या के निस्तारण से समस्याग्रस्त व्यक्ति को भी अवगत कराया जाए। ताकि वह निस्तारण से संतुष्ट हो सके। कहा कि शासन से निर्धारित समयसीमा के अंदर समस्याओं का त्वरित निस्तारण गुणवत्तापूर्ण कराना सुनिश्चित करें। इस मौके पर 245 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। जिसमें 22 प्रार्थना पत्रों का मौके पर निस्तारण किया गया। जिलाधिकारी तथा पुलिस अधीक्षक ने चकरोड अतिक्रमण तथा भूमि संबंधी मामलों पर उप जिलाधिकारी मऊ से कहा कि राजस्व, चकबंदी एवं पुलिस की संयुक्त टीम बनाकर चकरोड की भूमि, अतिक्रमण एवं भूमि संबंधी मामलों को प्राथमिकता पर कब्जा मुक्त कराया जाये। इस दौरान एसडीएम मऊ राकेश कुमार पाठक, तहसीलदार विजय कुमार यादव, जिला पंचायत राज अधिकारी इन्द्र नारायण सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी पंकज कुमार मिश्रा, बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी मनोहर लाल, समाज कल्याण अधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह भदौरिया, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी सुभाष चंद्र, अधिशासी अभियंता जल संस्थान डीके सत्संगी, अग्रणी जिला प्रबंधक इंडियन बैंक अनुराग शर्मा, जिला उद्यान अधिकारी प्रतिभा पांडेय, सहायक निदेशक मत्स्य भानु चंद्रा सहित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

मानिकपुर तहसील में सुनी गई समस्याएं

चित्रकूट(आरएनएस)। एडीएम उमेश चन्द्र निगम एवं एएसपी चक्रपाणि त्रिपाठी की अध्यक्षता में तहसील सभागार मानिकपुर में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान आए हुए फरियादियों की शिकायतों को सुनकर सम्बन्धित को शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए गए। भूमि विवाद से सम्बन्धित प्रकरण में राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम को मौके जाकर जांचकर निस्तारण कराने के लिए कहा गया है। इस दौरान एसडीएम मानिकपुर पंकज वर्मा, तहसीलदार पंकज तिवारी, नाबय तहसीलदार पारुल सिंह, प्रभारी निरीक्षक मानिकपुर दुर्गविजय सिंह, प्रभारी निरीक्षक मारकुण्डी शिवआसरे, थानाध्यक्ष बहिलपुरवा राम सिंह आदि मौजूद रहे।

18 सौ रुपए अर्थदंड की सुनाई सजा

चित्रकूट(आरएनएस)। सहायक अभियोजन अधिकारी हरिओम सिंह ने बताया कि न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम अंजलिका प्रियदर्शनी ने थाना राजापुर में पंजीकृत मुकदमे के अभियुक्त जयप्रकाश सिंह पुत्र नन्दकिशोर सिंह निवासी कालिन्दी पुरम राजरुपपुर जनपद प्रयागराज हाल पता अर्जुनपुर खंडेहा थाना मऊ को दोष सिद्ध होने पर 18 सौ रुपए के अर्थदण्ड से दंडित किया है।

मऊ एसडीएम कार्यालय का किया उद्घाटन

चित्रकूट(आरएनएस)। डीएम शिवशरणप्पा जीएन एवं एसपी अरुण कुमार सिंह ने शनिवार को तहसील मऊ प्रांगण में सौंदर्यीकरण कराए गए उप जिलाधिकारी मऊ के कार्यालय का शुभारंभ फीता काटकर एवं गणेश जी के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलित कर किया। एसडीएम राकेश कुमार पाठक ने बताया कि पहले इस भवन में नगर पंचायत मऊ का कार्यालय संचालित था। जिनका नया भवन बनने के बाद शिफ्ट हो गया है।

धर्म एकता व शान्ति से रहने की प्रेरणा देता है- देश-विदेश से पधारे विचारकों का मत

लखनऊ, 3 अगस्त। सी.एम.एस. कानपुर रोड ऑडिटोरियम में आयोजित किए जा रहे तीन दिवसीय 'इण्टरनेशनल इण्टरफेथ कान्फ्रेन्स के दूसरे दिन आज विभिन्न देशों से पधारे विचारकों, दार्शनिकों, धर्माचार्यों, शिक्षाविद्दों व न्यायविद्दों ने अपने सारगर्भित विचारों द्वारा यह संदेश दिया कि धर्म एकता व शान्ति से रहने की प्रेरणा देता है। विश्व के सभी धर्मों का उद्देश्य विश्व एकता व मानव

मात्र में प्रेम का संचार करना है। इण्टरफेथ सम्मेलन में विभिन्न ध र्मावलम्बियों की एक मंच पर उपस्थिति ने सर्वधर्म समभाव का अनूठा आलोक बिखेरा। सम्मेलन के दूसरे दिन का शुभारम्भ आज स्कूल प्रार्थना एवं सर्वधर्म प्रार्थना से हुआ। इस अवसर पर सी.एम. एस. प्रबन्धक प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने देश-विदेश से पधारे विद्वजनों व धर्माचायों को शाल ओढ़ाकर व स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर अपने उद्बोधन में प्रो. किंगडन ने कहा कि यह सम्मेलन सी.एम.एस. संस्थापक स्वं. डा. जगदीश गाँधी जी की प्रेरणा से आयोजित हो रहा है, जिनका सर्वधर्म समभाव की भावना पर गहरा विश्वास था। इण्टरनेशनल इन्टरफेथ कान्फ्रेन्स की संयोजिका एवं सी.एम.एस. अशर्फाबाद कैम्पस की प्रधानाचार्या श्रीमती तृप्ति द्विवेदी ने कहा कि यह सम्मेलन विश्व के विभिन्न ध र्मों के बीच संवाद कायम कर समाज में एकता, शान्ति व सौहार्द का वातावरण स्थापित करने में प्रयास है।

सम्मेलन के अन्तर्गत दूसरे दिन की परिचर्चा का शुभारम्भ 'इम्पार्टेन्स ऑफ इण्टरफेथ डायलॉग' विषय पर पैनल डिस्कशन से हुआ।सम्मेलन में आज जिन प्रमुख हस्तियों ने अपने सारगर्भित विचारों से धर्म के मर्म को उजागर किया, उनमें भृगु पीठाधीश्वर पूज्य गोस्वामी सुशील जी महाराज, राष्ट्रीय संयोजक, भारतीय सर्वध र्म संसद, मौलाना ए आर शाहीन काजमी, जनरल सेक्रेटरी, वर्ल्ड पीस आर्गनाइजेशन, नई दिल्ली, आचार्य विवेक मुनि जी महाराज, फाउण्डर, आचार्य सुशील मुनि मिशन, फादर सेबेस्टियन कोलीथानम, डायरेक्टर, कुष्ठ नियंत्रण एवं उन्मूलन समिति, श्री मराजबान नारीमन जायवाल, जोरास्ट्रियन पारसी सोसाइटी आदि प्रमुख हैं।

शहर को हरा भरा एवं बढ़ते प्रदूषण को कम करने के लिए ममता चौरिटेबल ट्रस्ट द्वारा वृक्षारोपण अभियान का आयोजन।

आज लखनऊ के कैंट क्षेत्र के राजेन्द्र नगर, सुभाष पार्क, तिलक नगर, नाका एवं भरतपुरी में ममता चौरिटेबल ट्रस्ट द्वारा

आयोजित "एक पेड़ मॉ के नाम" वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें ममता चौरिटेबल ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी राजीव मिश्रा ने वृक्षारोपण का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में ट्रस्ट के ट्रस्टी राजीव मिश्रा द्वारा एक पेड़ मॉ के नाम वृक्ष का वृक्षरोपण करते हुए सम्पूर्ण शहर को हराभरा एवं प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए शहर के विभिन्न स्थानो पर वृक्षारोपण किया।

राजीव मिश्रा द्वारा कहा गया कि शहर में बढ़ते प्रदूषण को कम करने के लिए पेड़ लगाना ही एक मात्र उपाय है पेड़ लगाना ही हमारा उद्देश्य नही होना चाहिए बल्कि पेडों की सेवा करना भी हमारा लक्ष्य है।

राजीव मिश्रा द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित जनमानस को वृक्ष वितरित किया गया। वृक्ष हमारे जीवन का आधार है इसलिए प्रत्येक परिवार एवं व्यक्ति को यह संकल्प लेना चाहिए कि वह कम से कम एक वृक्ष अवश्य लगाएं क्योंकि हरे वृक्ष हमें जीवनदायिनी आक्सीजन प्रदान करते हैं और प्रदूषण से भी मुक्ति दिलाते है।

इस अवसर पर पूर्व मंडल अध्यक्ष जितेन्द्र राजपूत , मनोज श्रीवास्तव, अरविन्द अवस्थी, मंडल अध्यक्ष लवकुश त्रिवेदी, कार्यालय प्रभारी अवध क्षेत्र भाजपा अखिलेश त्रिपाठी, पार्षद राजीव बाजपेई सहित अन्य वरिष्ठजन, कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे।

कल कला स्रोत आर्ट गैलरी में अंतरराष्ट्रीय कला प्रदशर्नी का उद्घाटन

आर्ट फैमिली द्वारा अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी ''ट्वार्डस नेचर'' के नाम से कल 4 अगस्त 2024 को कला स्रोत आर्ट गैलरी में 6 बजे सायं को होगा उद्घाटन। जिसमें 26 कलाकारों ने भाग लिया है, इसमें काफी कलाकार बंगलादेश के भी शामिल हैं।

इस प्रदर्शनी का उद्घाटन माननीय डा. वी.पी.शर्मा– चीफ साइंटिस्ट एवं प्रोफेसर ए.सी.एस.आई.आर तथा प्रसिद्ध वैज्ञानिक माननीय डा. चंद्र मोहन नौटियाल के कर कमलों द्वारा किया जायेगा

छात्र-छात्राओं से संबंधित मिश्रा सिंह समिति की रिपोर्ट प्राचार्य को सौंपी

अयोध्या(आरएनएस)। का.सु. साकेत महाविद्यालय अयोध्या के छात्र–छात्राओं की समस्याओं के निस्तारण हेतु प्राचार्य प्रो. अभय कुमार सिंह द्वारा समितियां गठित की गई थीं। समितियो के संयोजक प्रो अशोक कुमार मिश्र, मुख्य नियंता एवं प्रो अमूल्य कुमार सिंह, छात्र कल्याण अधिकारी रहे। इन समितियां में प्रो आशीष प्रताप सिंह, डा पूनम जोशी, डा नागेंद्र प्रताप सिंह सहित शिक्षकों के अलावा छात्र–छात्राएं सदस्य के रूप में नामित किए गए थे। प्रो मिश्र के संयोजकत्व समिति ने महाविद्यालय में शौचालय ,खड़ंजा ,पेयजल व जर्जर भवन एवं प्रो अमूल्य कुमार सिंह की समिति में टेबलेट वितरण, शुल्क वापसी व छात्रावास की कब्जा मुक्ति से संबंधित समस्याओं पर स्थल निरीक्षण कर विस्तृत आख्या एवं अनुशंसाएं की है ।

'नासा' के अन्तर्राष्ट्रीय अन्तरिक्ष स्टेशन हेतु शुभांशु शुक्ला का चयन

लखनऊ, 3 अगस्त। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, अलीगंज प्रथम कैम्पस के छात्र शुभांशु शुक्ला ने एक बार फिर अपनी असाधारण उपलब्धि से लखनऊ के गौरव में चार–चांद लगाये हैं और 'नासा' के अन्तर्राष्ट्रीय अन्तरिक्ष स्टेशन पर जाने वाले भारतीय नागरिक के तौर पर पूरे देश को गर्व से भर दिया है। विदित हो कि भारत–अमेरिकी स्पेस मिशन हेतु शुभांशु को मुख्य पायलट के तौर पर चयनित किया गया है, जिसकी घोषणा अभी हाल ही में 'इसरो' द्वारा की गई। इससे पहले शुभांशु को गगनयान मिशन हेतु भी चयनित किया जा चुका है।सी.एम.एस. प्रबन्धक, प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने सी.एम.एस. छात्र की अभूतपूर्व उपलब्धि पर हार्दिक प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि अभी कुछ दिन पहले ही 29 मई को शुभांशु सी.एम.एस. अलीगंज प्रथम कैम्पस में पधारे थे, इसी विद्यालय परिसर में शुभांशु ने एक छात्र के रूप में अपने भावी जीवन के सपनों को संजोया था। प्रो. किंगडन ने कहा कि अपनी आश्चर्यजनक उपलब्धि से शुभांशु ने न केवल अपने स्कूल को गौरवान्वित किया है अपितु विश्व पटल पर लखनऊ का नाम रोशन किया है। प्रो. किंगडन ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

शुभांशु को इसरो और अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के संयुक्त अंतरिक्ष मिशन के लिए चुना गया है। इस प्रकार, शुभांशु ने भारत के दूसरे अंतरिक्ष यात्री के तौर पर देश का नाम रोशन किया है। अन्तरिक्ष यात्री के तौर पर शुभांशु की ट्रेनिंग इसी सप्ताह शुरू हो रही है एवं जल्दी ही शुभांशु अन्तर्राष्ट्रीय अन्तरिक्ष स्टेशन की यात्रा पर रवाना होंगे, जहाँ व वैज्ञानिक अनुसंधान एवं प्रोद्योगिकी संबंधी प्रयोग करेंगे। शुभांशु की सम्पूर्ण प्राथमिक शिक्षा सी.एम.एस. से ही पूरी हुई है, जिसके उपरान्त 2006 में भारतीय वायु सेना में एक लड़ाकू पायलट के रूप में चयन हुआ। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुभांशु को 'एस्ट्रोनॉट्स विंग्स' सम्मान से नवाजा गया है।

विद्युत समस्याओं को लेकर सड़कों पर उतरा कांग्रेसियों का हुजूम

दो तरह के कानून चलाने वाले अफसरों पर हो सस्पेंड करने की कार्रवाई-अभिषेक सिंह राणा

सुल्तानपुर (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आवाहन पर जनपद के कांग्रेसियों ने जनपद में हो रही अघोषित विद्युत कटौती व नहरों में पानी न छोड़े जाने तथा अन्य ज्वलंत शील समस्याओं को लेकर सड़क पर उतरकर नारेबाजी करते हुए जमकर विरोध प्रदर्शन किया। घण्टों कलेक्ट्रेट गेट पर धरना देने के बाद जिलाधिकारी के माध्यम से महामहिम राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौंपा। आपको बताते चले कि कांग्रेस जिला अध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा के नेतृत्व में शहर अध्यक्ष शकील अंसारी की मौजूदगी में जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय से सैकड़ो की संख्या में कांग्रेसी जुलूस के रूप में सड़क पर उतर गए और नारेबाजी करते हुए लालडिग्गी चौराहा, सुपरमार्केट, डाकखाना चौराहा होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे, जहां उन्होंने जनपद में हो रही अघोषित विद्युत कटौती, नहरो में सिंचाई के लिए पानी न उपलब्ध होने, विद्युत विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार व जनपद की कानून व्यवस्था को लेकर जमकर नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। जिलाधिकारी कार्यालय के गेट पर जिलाधिकारी प्रतिनिधि के तौर पर पहुंचे एसडीएम सदर व अतिरिक्त मजिस्ट्रेट के माध्यम से महामहिम राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन भेजा गया। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि जनपद के समस्त गांवों में 20 घंटे शहर व टाउन एरिया मे 24 घंटे विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। जिले के समस्त गांवों में ट्रांसफार्मर खराब होने पर 6 घंटे तथा शहर व टाउन एरिया में दो घंटे में बदलकर आपूर्ति बहाल की जाए। जनपद के विद्युत उपभोक्ताओं के इलेक्ट्रॉनिक मीटर में आ रहे अधिक विद्युत विल की शिकायत पर गुणवत्ता परख निस्तारण तीन दिवस में किया जाए। जनपद के समस्त नहरों में पानी छोड़ा जाए और प्रत्येक माइनर की सफाई कराकर पानी टेल तक पहुंचाने हेतु व्यवस्था सुनिश्चित किया जाए। जनपद में दोहरी कानून व्यवस्था के मापदंड बंद किए जाएं, कानून सबके लिए समान होना चाहिए। भाजपा नेताओं के लिए अलग और अन्य दलों के लिए अलग कानून व्यवस्था इसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा, ऐसा करने वाले पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड किया जाए। इन्हीं मांगों के साथ कांग्रेसियों ने जिला अधिकारी के प्रतिनिधि के रूप में पहुंचे एसडीएम सदर टीपी सिंह व अतिरिक्त मजिस्ट्रेट उत्तम तिवारी के माध्यम से महामहिम राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन भेजा गया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने कहा कि जनपद के समस्त विभागों के अधिकारी पूरी तरह से लापरवाही बरत रहे हैं, किसानो की धान की रोपाई व सिचाई का यह अति महत्वपूर्ण समय चल रहा है ऐसे में नहरों से पानी टेल तक नहीं पहुंचा रहा है, जिससे किसान अधिक परेशान है। इलेक्ट्रॉनिक व प्रिंट मीडिया में खबरें प्रकाशित होने के बावजूद भी सम्बन्धित अधिकारी इसे नजर अंदाज कर रहे। वहीं उन्होंने कहा कि गांव से लेकर शहर तक विद्युत व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है जनपद में अघोषित विद्युत कटौती का रिकॉर्ड बन चुका है, ऐसे में व्यवसाय करने वाले व्यापारियों के उद्योग धंधे भी प्रभावित हो रहे हैं।

नरेंद्र कुमार निषाद बने जिला महासचिव

बदरूद्दीनपुर में हुई मोस्ट भर्दैयां ब्लश्वक कमेटी की मीटिंग

सुलतानपुर। बदरूद्दीनपुर में भर्दैयां के मोस्ट ब्लॉक संयोजक सत्यदेव पाल के नेतृत्व में मीटिंग की गई, जिसमें मोस्ट पदाधिकारियों व मोस्ट रक्षक दल के सदस्यों तथा मोस्ट से जुड़ने के लिए इच्छुक लोगों के साथ मोस्ट डायरेक्टर शिक्षक श्यामलाल निषाद "गुरूजी", प्रदेश प्रमुख जीशान अहमद, प्रदेश सह संयोजक अमृतलाल निषाद, सचिव रविकांत निषाद आदि वरिष्ठ मोस्ट पदाधिकारियों द्वारा मोस्ट समाज के हित में काम करने का संकल्प लिया।उक्त अवसर पर नरेंद्र कुमार निषाद को जिला महासचिव, कंचन कुमार निषाद को ब्लाक सह संयोजक और रविन्द्र निषाद को मोस्ट रक्षक दल में चयनित किया गया। इस अवसर मोस्ट ब्लाक प्रमुख धर्मेंद्र निषाद, शिवम, संदीप निषाद, राकेश कुमार, वंशीलाल, महंथ लाल, चन्द्रभान, पूर्व प्रधान हरिराम निषाद, रेखाई निषाद, राधेश्याम, राम मिलन निषाद, संदीप निषाद सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

सीएचसी मिल्कीपुर अधीक्षक पर गिरी गाज

-सीएचसी गेट पर पर शिशु जन्म लेने के मामले में अधीक्षक हटाए गए

-अधीक्षक से छिना प्रभार, संविदा स्टाफ नर्स का सीएससी से हुआ स्थानांतरण

मिल्कीपुर–अयोध्या(आरएनएस)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिल्कीपुर पर स्वास्थ्य कर्मियों की बड़ी लापरवाही के चलते प्रसूता को अस्पताल गेट पर ही नवजात शिशु को जन्म देने के मामले में मुख्य चिकित्सा अधिकारी अयोध्या के नाराजगी की गाज सीएचसी अधीक्षक पर गिर गई है। सीएमओ ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिल्कीपुर के अधीक्षक डॉ प्रदीप कुमार को उनके पद से हटाते हुए उन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सराय धनेठी पर चिकित्सा अधिकारी पद पर स्थानांतरित कर दिया है। इसके साथ ही कार्यों में लापरवाही करने वाली बेअंदाज संविदा कर्मी स्टाफ नर्स रेशू सिंह को भी अस्पताल से हटाते हुए उसका स्थानांतरण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुनवा रुदौली के लिए कर दिया है। बताते चलें कि मिल्कीपुर ब्लाक क्षेत्र अंतर्गत उछाह पाली गांव निवासी विमलेश पत्नी राकेश कुमार को बृहस्पतिवार को प्रसव पीड़ा होने पर परिजन उसे लेकर दिन में करीब 2:00 बजे सीएचसी मिल्कीपुर पहुंचे थे। तब से प्रसूता का इलाज करना तो दूर संविदा स्टाफ नर्स द्वारा उसे हाथ तक नहीं लगाया गया। शाम लगभग 6 बजे जब प्रसूता विमलेश की तबीयत बिगड़ने लगी तो आनन–फानन में संविदा स्टाफ नर्स रिशु सिंह द्वारा रेफर कागज प्रसूता को थमाने के बाद उसे अस्पताल से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया था। प्रसूता विमलेश अस्पताल से निकल कर गेट पर पहुंची तभी उसने जमीन पर खुले में नवजात शिशु को जन्म दे दिया। वाकया देख स्थानीय लोगों द्वारा विरोध किया गया, तो संविदा स्टाफ नर्स ने दाई व अन्य कर्मियों को भेजकर जच्चा–बच्चा दोनों को डिलीवरी रूम में लाया गया। मामले को विभिन्न समाचार पत्रों सहित सोशल मीडिया पर प्रमुखता से उजागर किए जाने के बाद सीएमओ डॉ संजय जैन द्वारा मामले का संज्ञान लिया गया और उन्होंने प्रकरण में दोषी संविदा स्टाफ नर्स रिशु सिंह को अस्पताल से हटाने का आदेश दे दिया जबकि सीएचसी अधीक्षक डॉ प्रदीप कुमार से उनका अधीक्षक पद छीन लिया। सीएमओ श्री जैन ने तात्कालिक एवं वैकल्पिक व्यवस्था के तहत डॉ पंकज कुमार श्रीवास्तव प्रभारी चिकित्सा अधिकारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सराय धनेठी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिल्कीपुर में अधीक्षक पद पर तैनाती के आदेश दे दिया है। वहीं क्षेत्र में संविदा स्टाफ नर्स को हटाए जाने की जानकारी मिलते ही लोगों में खुशी का माहौल छा गया है। क्षेत्रवासी लोगों का कहना है कि उक्त स्टाफ नर्स अत्यंत बेअंदाज एवं झगड़ालू प्रवृत्ति की है।

शिक्षा मित्र संगठन द्वारा दिवंगत शिक्षामित्र के परिवार को सौंपी गयी आर्थिक सहयोग राशि

सुलतानपुर (आरएनएस)। आदर्श शिक्षा मित्र संगठन जयसिंहपुर सुलतानपुर के तत्वाध ान में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी उपेन्द्र गुप्ता, राकेश रंजना सिंह समाज सेवी, अशोक सिंह गौरा जिलाध्यक्ष अटेवा, संगठन के जिलाध्यक्ष दिनेश चन्द्रा, व संरक्षक के.सी. मिश्रा, आशुतोष यादव जिलाध्यक्ष अनुदेशक संघ, सहित उपस्थिति लोगो ने मृतक के चित्र पर पुष्प चढ़ाकर श्रद्ध दांजलि अर्पित की। शिक्षामित्र ऐसोशियेशन के माध्यम से शिक्षको, शिक्षामित्रो व अनुदेशको से एकत्रित की गयी 318000 (तीन लाख अठारह हजार रूपये (151000 चेक व 167000 पूर्व मे) धनराशि स्व.प्रयाग दत्त तिवारी की धर्म पत्नी शैल

कुमारी को दिया गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने कहा कि इस दुख की घड़ी मे हम पीड़ित परिवार के साथ है। उन्होने कहा कि शिक्षा मित्र संगठन द्वारा किया गया कार्य बहुत ही पुनीत है। राम शिरोमणि वर्मा अध्यक्ष मोतिगरपुर ने कहा कि संगठन पीड़ित परिवार की हमेशा मदद करता रहेगा। प्रदीप यादव महामंत्री ने कहा कि अन्य परिवारिक लाभ दिलाने का आश्वाशन दिया।विदित हो कि स्व. प्रयाग दत्त तिवारी ब्लाक अध्यक्ष (56वर्ष) शि.मि. प्रा वि. बसायकपुर वि.क्षे. जयसिंहपुर जनपद–सुलतानपुर मे कार्यरत थे। वे लगातार 18 वर्षो से निर्विवाद रूप से ब्लाक अध्यक्ष के दायित्वो का निर्वहन किया। जिनका विगत 17 जून 2024 को सड़क दुर्घटना मे निधन हो गया था । वे अपने पीछे पत्नी, दो पुत्र छोड़ गये ।इस दुखद अवसर पर संगठन के जिलाध्यक्ष दिनेश चंद्रा,संरक्षक के सी मिश्रा, प्रदीप यादव महामंत्री, दीपेन्द्र सिंह अध्यक्ष प्रा.शिक्षक संघ जयसिंहपुर, शिव नारायण वर्मा,जीत बहादुर वर्मा द्वारा आयोजन करते हुए आऐ हुए आगन्तुको का आभार प्रकट किया। यह जानकारी जिला मीडिया प्रभारी सुतीक्षण तिवारी ने दी है।

केएनआई, इग्नू अध्ययन केंद्र में अब एडमिशन 14 अगस्त तक

सुल्तानपुर। कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान, सुल्तानपुर स्थित इग्नू अध्ययन केन्द्र संख्या 2710 में सत्र जुलाई 2024 के लिए विभिन्न सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रमों में नव प्रवेश के लिये अंतिम अवसर देते हुए प्रवेश की अंतिम तिथि 14 अगस्त तक बढ़ा दी गयी है। यह जानकारी इग्नू अध्ययन केंद्र के समन्वयक डॉ शक्ति सिंह नें दी। इन्होंने बताया कि प्रवेश कही से भी ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से इग्नू वेबसाइट पर जाकर लिया जा सकता है। इग्नू से प्राप्त डिग्री की मान्यता पूरे विश्व में है। संस्थागत कोर्सेज या सर्विस के साथ भी यह मान्य है। पूरे देश में इग्नू के परीक्षा केंद्र हैं, जिससे विद्यार्थी कहीं भी परीक्षा दे सकता हैं। डॉ सिंह ने कहा कि प्रवेश के उपरांत विश्वसनीय और स्तरीय पाठ्य सामग्री इग्नू के द्वारा उपलब्ध कराई जाती है। इस दूरस्थ शिक्षा व्यवस्था में एस.सी. और एस.टी. छात्रों को निशुल्क प्रवेश की व्यवस्था दी गई है।

रेप के आरोपी मोईद खान की जमीदोज बेकरी व पीड़िता से मिलने के महिला अस्पताल पहुंचे संजय निषाद

अयोध्या(आरएनएस)। अयोध या के भदरसा में नाबालिग लड़की के साथ रेप के मामले में मुख्य आरोपी समाजवादी पार्टी के नेता मोईद खान के घर पर बुलडोजर चल गया है। राजस्व विभाग ने आरोपी की संपत्ति की पैमाइश की थी। खाद्य सुरक्षा उपायुक्त ने बेकरी सील की और बेकरी का लाइसेंस भी रद्द कर दिया गया है। वहीं पीड़ित परिजन को धमकाने के आरोप में भी एफआईआर दर्ज कराई गई है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी इस मुद्दे को विधानसभा में उठाने के बाद पीड़ित परिजन के साथ मुलाकात भी की थी।

12 वर्षीय बालिका के साथ दुष्कर्म के आरोपी समाजवादी पार्टी के भदरसा नगर अध्यक्ष मोईद खान की बेकरी को दो बुलडोजरों की मदद से सिर्फ डेढ़ घंटे के भीतर जमींदोज कर दिया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए जाने के बाद शनिवार को सुबह 11:00 बजे इस बेकरी को ध्वस्त करने के लिए बुलडोजर पहुंचा। यहां पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन अनिरुद्ध प्रताप सिंह और अयोध या विकास प्राधिकरण के सचिव सत्येंद्र सिंह के साथ एसडीएम सोहावल अशोक सैनी की मौजूदगी में भारी पुलिस फोर्स को लेकर कार्रवाई शुरू की गई। सुबह पहले बुलडोजर ने बेकरी की दीवार के एक हिस्से को ध्वस्त ही किया था कि वह तालाब की कच्ची मिट्टी में फंस गया। इसके बाद कार्रवाई रुक गई। प्राधि करण की ओर से दूसरा बुलडोजर मंगाया गया। करीब एक घंटे बाद दोपहर 12:00 बजे दूसरा बुलडोजर पहुंचा।इसके बाद बेकरी को ध्वस्त करने की प्रक्रिया फिर से शुरू हुई। थोड़ी ही देर में एक और बुलडोजर भी आ गया। इसके बाद दो बुलडोजरों ने मिलकर दोपहर 1:30 बजे तक पूरी बेकरी को जमींदोज कर दिया। बेकरी के भवन के साथ इसकी दीवारें भी गिरा दी गईं। इसके बाद तालाब के दूसरे हिस्से में आरोपी सपा नेता की ओर से दीवार घेर कर किए गए कब्जे को भी धराशाई कर दिया गया। आरोपी के घर को भी ढहाया जाएगा। आरोपी मोईद खान की बेकरी पर शनिवार को सहायक खाद्य आयुक्त मानिकचंद सिंह ने छापामारी की कार्रवाई की। इस दौरान बेकरी में बन रहे खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए। इसके बाद बेकरी को सील कर दिया गया है। सहायक आयुक्त मानिक चंद ने बताया कि बेकरी का लाइसेंस रद्द करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। बेकरी काफी बड़े भूखंड पर कब्जा करके बनवाई गई थी। भूखंड के एक हिस्से में बेकरी थी जबकि बड़े हिस्से में फसल बोई गई है।इससे पहले, अयोध्या जिले के पूराकलंदर थाना क्षेत्र में बालिका से दुष्कर्म के आरोपी से सुलह–समझौता करने का दबाव बनाते हुए धमकी देने के मामले में पुलिस ने भदरसा नगर पंचायत चौयरमैन व दो सपा नेताओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। दर्ज एफआईआर में पूराकलंदर थाना क्षेत्र के भरतकुंड पिपरा निवासी रामसेवक दास ने बताया कि चेयरमैन मोहम्मद राशिद, सपा नेता जय सिंह राणा व एक अन्य व्यक्ति के साथ जिला महिला चिकित्सालय पहुंचे और रात करीब 11 बजे प्राइवेट वार्ड में भर्ती रेप पीड़िता के परिजनों से मुकदमे में सुलह करने का दबाव बनाने लगे। इस मामले में आरोप है सपा के नेता नाबालिग रेप पीड़िता से सुलह नहीं करने पर धमकी देने के लिए अस्पताल गए थे। कोतवाली में दर्ज एफआईआर में कहा गया है कि सपा नेता और नगर पंचायत भदरसा के चेयरमैन मोहम्मद राशिद, सपा नेता जय सिंह राणा और एक अन्य ने रात 11 बजे अस्पताल जाकर धमकी दी।

संपादकीय

बजट पर चर्चा जाति के चक्रव्यूह में फंसा

भारत की संसदीय राजनीति की यह सबसे दुखद परिघटना है कि लोक सभा में बजट पर हो रही चर्चा जाति के चक्रव्यूह में फंस गई। विपक्ष के नेतागण शायद इस तथ्य से अनजान हैं कि भारतीय समाज में जाति संघर्ष बढ़ा तो देश की क्षेत्रीय अखंडता पर इसके नकारात्मक परिणाम पड़ सकते हैं।

संविधान निर्माता और चिंतक डॉ. अंबेडकर भारतीय समाज की इस बुराई को समझ गए थे। इसीलिए उन्होंने जातिविहीन समाज के निर्माण की कल्पना की थी। आगे चलकर समाजवादी नेता राममनोहर लोहिया ने भी जाति तोड़ो को लेकर लंबा अभियान चलाया था। लेकिन विडम्बना है कि बिहार के नेताओं के बाद अब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी को महाभारत में अजरुन को जिस तरह सिर्फ मछली की आंख दिखाई दे रही थी, उसी तरह जातिगत जनगणना दिखाई दे रही है।

भारतीय राजनीति और समाज का दुखद पहलू है कि आज हर जाति में वर्चस्ववादी नेता पैदा हो गए हैं। ऐसा नेता जाति स्वाभिमान हो गया है। इस तरह से कट्टर जातिवादी नेताओं का समाज और राजनीति में प्रभाव बढ़ता है तो पहले से ही जाति और धर्म में विभाजित समाज आगे चलकर और कितना विभाजित होगा, इसकी सहज कल्पना की जा सकती है। ठीक है कि जाति गणना सत्ता पाने की सीढ़ी बन सकती है लेकिन इससे सामाजिक विद्वेष बढ़ेगा और अंततरू प्रशासनिक व्यवस्था चरमरा जाएगी। डॉ. लोहिया का विास है कि श्इतिहास साक्षी है कि जिस काल में जाति के बंधन ढीले थे, उसने लगभग उसी काल में घुटने नहीं टके।य उनका मानना है कि यह गलत धारणा है कि अंदरूनी झगड़ों और छल–कपट के कारण न तो विदेशी हमले हुए और न भारत गुलाम हुआ। इसका सबसे बड़ा और एकमात्र कारण है जाति।1960 और 71 के दशक में डॉ. लोहिया के प्रयासों से समाज में जाति के बंधन कुछ ढीले पड़ने लगे थे। बाद में आरएसएस ने भी हिन्दू समाज की जातियों की एकता को मजबूत करने के लिए अभियान चलाया और आज भी संघ का यह प्रयास जारी है लेकिन लगता है कि जातिगत पहचान और स्वाभिमान का उभार तेजी से हो रहा है।राहुल गांधी इस उभार को और अधिक हवा देने लगे हैं। हालांकि राहुल के जातिगत जनगणना के बयान पर भाजपा नेता के इस जवाब का समर्थन नहीं किया जा सकता जिनकी अपनी जाति का पता नहीं है, वे जातिगत जनगणना की बात कर रहे हैं। सदन हो या सड़क जाति पूछना अमर्यादित आचरण के दायरे में ही आता है।

बिरला के प्रति पक्षपातपूर्ण रवैये का खुला आरोप

भारतीय लोकतंत्र की परंपरा काफी सराहनीय रही है। लोकतंत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच लगातार नोक–झोंक का चलना सामान्य व स्वाभाविक बात है।

लेकिन इस नोक–झोंक की सार्थकता तभी है जब वक्ताओं द्वारा मर्यादा में रह कर बात रखी जाए। जब तक संसदीय कार्यवाही का टीवी पर प्रसारण नहीं होता था, तब तक देश की जनता को पता ही नहीं चलता था कि उनके चुने हुए प्रतिनिधि ा संसद में कैसा व्यवहार कर रहे हैं? यह भी नहीं पता चलता था कि वे संसद में किन मुद्दों को उठा रहे हैं? अक्सर ऐसे मामले भी सामने आए हैं, जब सांसदों ने आर्थिक लाभ की एवज में बड़े औद्योगिक घरानों के हित में सवाल पूछे। वरिष्ठ पत्रकार ए सूर्यप्रकाश ने तीस वर्ष पहले ऐसे लेखों की श्रृंखला छापी थी जिसमें सांसदों के आचरण का खुलासा हुआ और देश ने पहली बार जाना, श्संसद में सवाल बिकते हैंश्। पर जब से टीवी पर संसदीय कार्यवाही का प्रसारण होने लगा तब से देशवासियों को भी देखने को मिला कि सांसद सदन में कैसा व्यवहार करते हैं।

बिना अतिश्योक्ति के कहा जा सकता है कि कुछ सांसद जिस भाषा का प्रयोग करने लगे हैं, उसने शालीनता की सीमाएं लांघ दी हैं। शोर–शराबा तो आम बात है। संसद में हुड़दंग भारत में ही देखने को नहीं मिलता। अनेक देशों से वीडियो आते रहते हैं, जिनमें सांसद हाथापाई करने और एक दूसरे पर कुर्सियां और माइक फेंकने तक में संकोच नहीं करते। सोचने वाली बात यह भी है कि भारतीय संसद की कार्यवाही पर देश की गरीब जनता का अरबों रुपया खर्च होता है। आकलन है कि संसद चलने का प्रति मिनट खर्च ढाई लाख रुपये से थोड़ा अधिक आता है। इसका सदुपयोग तब हो जब गंभीर चर्चा करके जनता की समस्याओं के हल निकाले जाएं। हमारी लोक सभा का इतिहास रहा है कि लोक सभा के अध्यक्षों ने यथासंभव निष्पक्षता से सदन की कार्यवाही का संचालन किया।

उल्लेखनीय है कि 15वीं लोक सभा के तत्कालीन अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी ने अपने ही दल के विरुद्ध निर्णय दिए थे जिसका खमियाजा भी उन्हें भुगतना पड़ा। उन्हें दल से निष्कासित कर दिया गया पर उन्होंने अपने पद की मर्यादा से समझौता नहीं किया। लेकिन पिछले दस वर्षो से लोक सभा के वर्तमान अध्यक्ष ओम बिरला लगातार विवादों में रहे हैं। उन पर सत्ता पक्ष के प्रति अनुचित झुकाव रखने का आरोप विपक्ष लगातार लगाता रहा है। 17वीं लोक सभा में तो हद ही हो गई जब सत्ता पक्ष के एक सांसद ने विपक्ष के सांसद को सदन की कार्यवाही के बीच अपमानजनक गालियां दीं। अध्यक्ष ने उनसे वैसा कड़ा व्यवहार नहीं किया जैसा वो लगातार विपक्ष के सांसदों के साथ करते आ रहे थे। तब तो और भी हद हो गई जब उन्होंने विपक्ष के 141 सांसदों को सदन से निष्कासित कर दिया। ऐसा आजाद भारत के इतिहास में पहली बार हुआ। हाल में टीवी चर्चा में उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से बातचीत में नामी वकील, सांसद और पूर्व कानून मंत्री कपिल सिब्बल ने बताया, श्देश के संविधान के अनुच्छेद 105, संसद के सदस्यों को संसद में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता होगी परंतु क्या सांसदों को ऐसा करने दिया जाता है? जबकि इसी अनुच्छेद में या पूरे संविधान में यह कहीं नहीं लिखा है कि किसी भी सांसद का, संसद सदन में, अपनी बारी पर बोलते समय, माइक बंद किया जा सकता है। यह भी कहीं नहीं लिखा है कि किसी सांसद को बोलते समय, यदि वह नियम व मर्यादा के अनुसार बोल रहा हो तो उसे टोका जा सकता। इतना ही नहीं, यह बात भी नहीं लिखी है कि यदि विपक्ष किसी मुद्दे पर सत्ता पक्ष का विरोध करे तो उसे टीवी पर नहीं दिखा सकते। परंतु आजकल ऐसा होता है और यदि लोक सभा अध्यक्ष इस बात को नकार देते हैं कि वे किसी का माइक बंद नहीं करते तो फिर कोई तो है जो माइक को बंद करता है। ऐसा है तो जांच होनी चाहिए कि ऐसा कौन कर रहा है और किसके निर्देश पर कर रहा है? 18वीं लोक सभा की शुरुआत ही ऐसी हुई है कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से लेकर अखिलेश यादव और अभिषेक बनर्जी तक अनेक दलों के सांसदों ने अध्यक्ष ओम बिरला के प्रति पक्षपातपूर्ण रवैये का खुला आरोप ही नहीं लगाया, बल्कि अपने आरोपों के समर्थन में प्रमाण भी प्रस्तुत किए हैं। ये न सिर्फ लोक सभा अध्यक्ष के पद की गरिमा के प्रतिकूल है, बल्कि ओम बिरला के निजी सम्मान को भी कम करता है। आवश्यकता इस बात की है कि ओम बिरला मुंशी प्रेमचंद की कालजयी रचना श्पंच परमेश्वरश्य को गंभीरता से पढ़ें जो शायद उन्होंने अपने स्कूली शिक्षा के दौरान पढ़ी होगी।

नकारात्मक राजनीति की पीठ पर सवार है विपक्ष

राहुल गांधी संसद में खड़े होकर जो मन में आता है, बोलते हैं। एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए जितनी जरूरत एक सशक्त सरकार की होती है, उतना ही सशक्त विपक्ष भी जरूरी होता है। विपक्ष लोकतंत्र के वास्तविक सार के संरक्षण और लोगों की आकांक्षाओं व अपेक्षाओं के प्रकटीकरण में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। किंतु, वर्तमान में भारत का विपक्ष झूठ और दुष्प्रचार की राजनीति में गले तक डूबा दिखाई देता है। एक जीवंत लोकतंत्र में विपक्ष एक निगरानीकर्ता के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो सरकार की शक्तियों पर नियंत्रण और संतुलन सुनिश्चित करता है। यह विभिन्न विचारों को व्यक्त करने, समाज के विभिन्न वर्गों का प्रतिनिधित्व करने और सरकार को उसके कार्यों के लिए जवाबदेह ठहराने में सहायक होता है। एक दशक तक लोकसभा में विपक्ष के नेता का पद रिक्त रहा, क्योंकि सदन में किसी भी पार्टी के पास सदन की कुल सदस्य संख्या के दसवें हिस्से के बराबर सदस्य नहीं थे, जो अब रायबरेली के सांसद राहुल गांधी द्वारा भरा गया है। लेकिन राहुल गांधी विपक्ष के नेता संसदीय सीमाओं, अनुशासन, परंपराओं और कर्तव्यों की लक्ष्मण रेखा प्रतिदिन लांघ रहे हैं। राहुल गांधी संसद में खड़े होकर जो मन में आता है, बोलते हैं। उनके भाषण का कोई सिरा आपस में जुड़ता नहीं है। असल में वो रटी रटाई स्क्रिप्ट को सदन में दोहराते हैं। वो सरकार पर निशाना साधने और उसकी साख को गिराने के एजेंडे को हर दिन आगे बढ़ाते हैं। चुनाव नतीजों के बाद से ही राहुल गांधी के संसद में दिये गये भाषणों और मीडिया के सामने की गयी बयानबाजी का विश्लेषण करें तो वो सीधे तौर पर देश के हर तबके और वर्ग में असंतोष पैदा करने में जुटे हैं। वो मोदी सरकार की साख पर बट्टा लगाने के मिशन में जुटे हैं। विपक्ष के नेता और विपक्ष की भूमिका के इतर वो हर वो काम कर रहे हैं, जो विशुद्ध तौर पर राजनीति का हिस्सा है। संसदीय व्यवस्था में विपक्ष की भूमिका की बात करें तो विपक्ष सरकार की नीतियों और कार्यों की जांच करता है, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होती है। उदाहरण के लिए, भारत में 2जी स्पेक्ट्रम मामले में विपक्ष द्वारा निभाई गई भूमिका ने भ्रष्टाचार और शासन के मुद्दों को उजागर किया। विपक्ष नीतिगत मामलों पर वैकल्पिक दृष्टिकोण भी प्रदान करता है। 2013 में विपक्ष के रूप में भाजपा ने तत्कालीन यूपीए सरकार की आर्थिक नीतियों की प्रभावी ढंग से आलोचना की, जिससे उसे महत्वपूर्ण चुनावी लाभ हुआ। वहीं विपक्ष विविध और अल्पसंख्यक विचारों का प्रतिनिधित्व करता है, जिससे बहुलवादी समाज सुनिश्चित होता है। डीएमके और एआईटीसी जैसी क्षेत्रीय पार्टियां राष्ट्रीय स्तर पर क्षेत्रीय हितों का प्रतिनिधित्व करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इन सबके अलावा विपक्ष विधायी प्रक्रियाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिससे अक्सर कानूनों में सुधार होता है। मौजूदा सरकार के तहत जीएसटी विधेयक में विपक्ष द्वारा सुझाए गए संशोधन इसका एक उदाहरण हैं।1960 के दशक के आरंभ से भूमि सुधार, औद्योगिक मजदूर वर्ग के अधिकार, बेरोजगारी, खाद्यान्न एवं उनका वितरण, जातीय मांगों और भाषाई अधिकारों जैसे विभिन्न मुद्दों पर पूरे भारत में शक्तिशाली आंदोलनों की शुरुआत हुई। तत्कालीन विपक्ष ने स्वयं को इन सामाजिक आंदोलनों से उल्लेखनीय रूप से संलग्न किया था। इतिहास में संसदीय विपक्ष ने भारत के संसदीय लोकतंत्र को रचनात्मकता और सकारात्मकता प्रदान की थी। वहीं इस बात में दो राय नहीं है कि कमजोर विपक्ष एक कमजोर या गैर–उत्तरदायी सरकार से कहीं अधिक खतरनाक होता है। और एक गैर–उत्तरदायी, अनुशासहीन और संसदीय परंपराओं को न मानने वाला विपक्ष देश को तबाही की रास्ते पर ले जाता है। 4 जून को लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद से ही विपक्ष ने इंडी गठबंधन के बैनर तले मोदी सरकार को हर छोटेकृ बड़े मुद्दे पर घेर रहा है। खासकर देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस संसदीय नियमों, लोकतंत्र की मर्यादाओं और परंपराओं को भूलकर लगातार तीन लोकसभा चुनाव में मिली हार की खीझ उतारती दिख रही है।पिछले तीन आम चुनाव में ये तो साबित हो चुका है कि सीधी लड़ाई में विपक्ष मोदी को शिकस्त देने में सक्षम नहीं है। विपक्ष के झूठ, दुष्प्रचार और गलत बयानबाजी के बावजूद देश के हर वर्ग का विश्वास मोदी के प्रति कायम है। ऐसे में इंडी गठबंधन ने झूठ, दुष्प्रचार और विवादित मुद्दे उछालने की रणनीति पर काम करना शुरू कर रखा है।2024 के लोकसभा चुनाव में इंडी गठबंधन ने दुष्प्रचार और झूठ का सहारा लिया है। मोदी तीसरी बार सत्ता में आएंगे तो संविधान बदल देंगे। भोली भाली जनता विपक्ष के दुष्प्रचार के दुष्चक्र में फंसी भी। इस चुनाव में विपक्ष की सीटें 2014 और 2019 के चुनाव की तुलना में बढ़ोत्तरी हुई। विपक्ष के झूठ और दुष्प्रचार के बावजूद मोदी के नेतृत्व में देश की जनता ने भारतीय जनता पार्टी की झोली में सबसे ज्यादा 240 सीटें डाली। जमीनी सच्चाई यह है कि तीसरी बार कांग्रेस विपक्ष में बैठने को मजबूर है। देश की जनता ने उसे सत्ता के लायक नहीं समझा। इस चुनाव में झूठ, षडयंत्र, दुष्प्रचार और पूरी ताकत लगाने के बावजूद विपक्ष सत्ता के करीब नहीं पहुंच पाया। लगातार तीन चुनाव में हार की खीझ, झुंझलाहट, हताशा और निराशा विपक्ष के नेताओं की बयानबाजी में साफ तौर पर झलकती है।विशेषकर गांधी की गतिविधियां, भाषण और बयानबाजी से ऐसा प्रतीत होता है कि वो देश में अराजकता पैदा करना चाहते हैं। राहुल गांधी कभी अग्निवीर और नीट परीक्षा की आड़ में युवाओं को, कभी किसानों को, कभी अल्पसंख्यक समुदायों को, कभी सरकारी कर्मचारियों को, कभी दलित और आदिवासियों के मन में सरकार, संवैधानिक संस्थाओं और व्यवस्था के प्रति रोष, असंतोष और घृणा भरने का काम कर रहे हैं। वो तो देश की जनता इतनी परिपक्व और समझदार है कि वो इनके कुत्सित इरादों ओर नीयत को समझती है। अगर जनता की समझदारी में थोड़ी भी कमी या अपरिपक्वता होती तो चार जून के बाद से अब तक देश में हिंसा और सांप्रदायिक तनाव की कई घटनाएं घट गयी होती। देश में अशांति, असुरक्षा और भय का वातावरण बन गया होता। देश की समझदार और परिपक्व जनता इस समझदारी, धैर्य और अनुशासन के लिये बधाई की पात्र है। राजनीतिक दल अपनी राजनीति चमकाने और आगे बढ़ाने के लिये विरोधी दल की आलोचना करते हैं। ये आम बात है। लेकिन विरोध नीतियों, नीयत और निर्णयों पर होना चाहिए। वहीं विरोध और आलोचना में सत्य, प्रामाणिकता और सकारात्मकता होनी चाहिए। आधे अधूरे तथ्यों, जानकारी और आंकड़ों के आधार पर एक दूसरे की आलोचना करना एक स्वस्थ लोकतंत्र में उचित नहीं ठहराया जा सकता। लेकिन अफसोस इस बात का है कि पिछले एक दशक से विपक्ष झूठ, दुष्प्रचार, फेक न्यूज फैलाने और झूठे नैरेटिव गढ़ने में व्यस्त है। उसके पास देश की समस्याओं के समाधान की कोई कार्ययोजना और नीति नहीं है। देश के विकास और जनकल्याण का कोई मॉडल और विजन उसके पास नहीं है। विपक्ष झूठ के सहारे सत्ता हासिल करना चाहता है। और देशवासियों की समस्याओं के समाधान के तौर पर रेवड़ी कल्चर का पिटारा उसके पास है।

बजट में महिलाओं को अच्छी योजनाओं का लाभ

हंसा मीना

किसी भी देश की अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करने एवं मजबूती के लिए शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार सरकार की प्राथमिकताओं में सबसे ऊपर होने चाहिए।

इसी को ध्यान में रखते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने सातवें बजट 24–25 में युवा शक्ति को प्रोत्साहित किया है। विशेष रूप से महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कौशल विकास पर सर्वाधिक ध्यान केंद्रित किया है।

लोक सभा चुनाव से पूर्व भाजपा ने महिलाओं से श्लखपति दीदीश्य के तहत आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का वादा किया था। मोदी के तीसरे कार्यकाल के प्रथम बजट में की गई महिला केंद्रित घोषणाओं में वह वादा पूर्ण होता नजर आ रहा है। प्रथम दृष्ट्या बजट रोजगारोन्मुखी प्रतीत हो रहा है क्योंकि इसमें सर्वाधिक ध्यान कौशल विकास पर दिया गया है। देश के श्रमबल में महिलाओं की भागीदारी 37 प्रतिशत है, इसे बढ़ाने के लिए वित्त मंत्री ने मुख्य रूप से तीन योजनाओं का प्रावधान बजट में किया है।

प्रथम–महिलाओं और लड़कियों के लिए कुल 3 लाख करोड़ रुपए का आवंटन, जो विभिन्न मंत्रालय मिलकर अगले एक वर्ष में खर्च करेंगे।

द्वितीय–महिला रोजगार को बढ़ावा देने के लिए सरकार स्किलिंग प्रोग्राम चलाएगी। इसके लिए इंडस्ट्री मॉडल पर काम होगा।

तृतीय–कार्यस्थल पर महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करना। इसके लिए महिला बाल विकास विभाग के बजट में 2.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। अब स्टार्टअप के लिए युवा महिलाओं को आसान मदद मिल सकेगी। प्रधानमंत्री इंटर्नशिप स्कीम के तहत सरकार पांच साल में टॉप कंपनियों में एक करोड़ युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिलाएगी। यहां एक साल में 5000 रु पए प्रति माह भत्ता मिलेगा। यह योजना कंपनियों के लिए स्वैच्छिक है। युवाओं को रोजगार के लिए यह बेहतरीन मौका है।

संपत्ति खरीदना व्यक्ति के जीवन का सबसे बड़ा सपना होता है, इस सपने में सहयोगी बनते हुए मोदी सरकार ने अपने पिछले कार्यकाल में गरीब परिवारों को रियायती दरों पर आवास की सुविधा प्रदान करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसी कड़ी में आगे की राह को और आसान बनाते हुए बजट में पहली बार प्रावधान किया गया है कि, प्रॉपर्टी खरीदने पर महिलाओं को स्टाम्प ड्यूटी देने पर राष्ट्रीय स्तर पर छूट प्रदान की जाएगी।

पिछले एक वर्ष में सोने–चांदी की कीमतों ने आसमान छू लिया था। इससे गरीब महिलाओं का आभूषण खरीदने का सपना धुंधला पडने लगा था। इस बार सात वस्तुओं पर कस्टम ड्यूटी घटाई गई है, जिनमें सोना–चांदी पर घटाई गई कस्टम ड्यूटी महिलाओं के लिए अधिक हितकर साबित होगी। बजट में आयातित सोना–चांदी पर कस्टम ड्यूटी 9 फीसद घटाई गई है जो पहले 15 फीसद थी। अब यह मात्र 6 फीसद लगेगी।

अब महिलाएं राहत की सांस ले पाएंगी और उनका आभूषण खरीदना पहले की अपेक्षा आसान हो जाएगा। बजट में महिलाओं को औद्योगिक जगत में ऊंची छलांग लगाने का अवसर प्रदान किया गया है। छोटे और मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) के विकास की गारंटी देकर महिलाओं को उद्यमी बनने का अवसर प्रदान किया है। लघु उद्योग विकास बैंक से छोटे उद्योगों को लोन मिलना आसान होगा। एमएसएमई को संकटकाल में बैंक ऋण सुविधा जारी रखने के लिए नई व्यवस्था की गई है, इससे इनके बंद होने का खतरा टलेगा। एमएसएमई क्लस्टरों को सेवाएं देने के लिए सिडबी की नई शाखाएं खोली गई हैं। एमएसएमई का व्यवसाय जारी रखने और एनपीए होने से बचाने के लिए संवर्धित निधि से गारंटी देखकर ऋण प्रदान किया जाएगा।

एनडीए सरकार को विगत कार्यकाल में महिला आरक्षण एवं महिला केंद्रित योजनाओं से अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी। चूंकि महिलाएं प्रत्यक्ष तौर इन योजनाओं से लाभान्वित हुई थीं। अतरू वर्तमान सरकार को उम्मीद है कि आगामी दिनों में कुछ राज्यों में होने वाले चुनावों में भी उन्हें इसका लाभ मिल सकता है। एनडीए सरकार ने महिलाओं को अच्छी योजनाओं का लाभ देकर अपना वोट बैंक तो सुरक्षित किया ही है साथ ही भावनात्मक रूप से जुड़ाव भी मजबूत किया है।

बजट में महिलाओं को जो लाभ दिया गया है उससे प्रतीत हो रहा है कि सरकार का जो वोट बैंक छिटका है, बजट उसे कवर करने का पूर्ण प्रयास करेगा। बजट में प्रत्येक वर्ग को प्रत्येक क्षेत्र में लाभ देने का प्रयास किया गया। बजट को रोजगारोन्मुखी एवं युवा सोच को प्रोत्साहित करने वाला कहना अतिश्योक्ति नहीं होगी। प्रकृति में श्सृजनच्य और बेहतरीन प्रबंधन की प्रतीक महिला परिवार का आधार स्तंभ होती है। यदि वह आर्थिक रूप से मजबूत है तो परिवार की नींव को दृढ़ता प्रदान करती है। इससे समाज को मजबूती मिलती है, और देश सुदृढ़ बनता है।

राहुल ही नहीं, कोई भी अपनी जाति बताने में शर्मसार क्यों हो

हिन्दुस्तान की राजनीति में क्या राहुल गांधी होना ही काफी है। वह जो सवाल सबसे पूछते हैं,वही सवाल जब उनसे कोई पूछ लेता है तो इसमें उनकी इनसर्ट कैसे हो जाती हैं। कहीं ऐसा तो नहीं वह अभी भी मध्यकालीन सामंतवादी सोच से बाहर नहीं निकल पाये हैं। यह सच है कि राहुल ऐसे परिवार से आते हैं जिसने आजादी के बाद दशकों तक सामंतवादी सोच के साथ देश पर राज किया है, जिनकी ताकत इतनी हुआ करती थी कि देश में इनकी मर्जी के बिना पत्ता भी नहीं हिलता था। इनके एक इशारे पर प्रदेश की सरकारों की तकदीर बनती बिगड़ती थी। मुख्यमंत्री और सरकारें रातोंरात बदल और गिरा दी जाती थीं। इनके द्वारा राजशाही तरीके से देश को आपातकाल में झोंक दिया जाता था,जिनके द्वारा अपने हिसाब से देश की आजादी का इतिहास लिखवाया गया,जिसको चाहा अपमानित किया गया और जिसे चाह सिर आंखों पर बैठा दिया गया। इसी लिये वीर सावरकर जैसे स्वतंत्र सेनानी को यह लोग अपमानित करते हैं।सुभाष चन्द्र बोस को परेशान किया गया। कांग्रेस आज भी इसी सोच के साथ जी रही है कि जो वह कहें वही पत्थर की लकीर है,उसे कोई काट नहीं सकता है। इससे ज्यादा दुख की बात यह है कि इंडिया गठबंधन के कुछ सहयोगी भी इससे इतिफाक रखते हैं, जिसमें आजकल समाजवादी पार्टी के दूसरी पीढ़ी के नेता पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव का नाम भी भी शीर्ष पर मौजूद है। मुलायम सिंह यादव जो ताउम्र कांग्रेस के खिलाफ लड़ते रहे,आपातकाल में जेल गये,उन्हीं के बेटे अखिलेश यादव तब उतेजित हो जाते हैं जब बीजेपी के नेता राहुल गांधी से उनकी जाति पूछ लेते हैं। वह सदन में चिल्लाने लगते हैं कि राहुल गांधी की जाति कैसे पूछी,जबकि राहुल–अखिलेश की जोड़ी अपनी राजनीति चमकाने के लिये समय–बेसमय किसी की भी जाति पूछकर उसका उपहास उड़ाने या उसके सहारे अपनी राजनीति चमकाने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। बहुत दिन नहीं हुए, जब यह दोनों नेता लोगों और विशेषकर अधिकारियों एवं मीडिया वालों की जाति पूछते थे, लेकिन जब लोकसभा में बीजेपी के एक नेता ने गोलमोल शब्दों में उनकी जाति पूछ ली तो वह उछल पड़े, जबकि राहुल का नाम लिये बिना बीजेपी के मंत्री अनुराग ठाकुर ने लोकसभा में तंज कसा था कि जिन्हें अपनी जाति का पता नहीं, वे उसके गणना की मांग कर रहे है। यह बात राहुल और उनकी टीम के सदस्यों को इनती बुरी लगी कि इन्होंने हंगाम खड़ा कर दिया। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के नेता संसद के भीतर और बाहर आपे से बाहर हो गए। इनमें कांग्रेस के वे नेता भी है, जो लोगों की जाति जानने की राहुल गांधी की अपरिपक्त राजनीति को उनका मास्टर स्ट्रोक बताया करते थे। सवाल यही है कि कोई अपरिक्त नेता जब हर तफर घूम–घूमकर सबकी जाति जानने की कोशिश करेगा तो फिर उसे अपनी भी जाति बताने के लिए तैयार रहना चाहिए,जैसा भाजपा नेता अनुराग ठाकुर ने राहुल गांधी की जाति के बारे में पूछा था। राहुल गांधी इस कटाक्ष को अपना अपमान बता रहे है। यह वही राहुल हैं, जो चंद दिन पहले लोकसभा में भाजपा नेताओं को दुर्योधन, शकुनी आदि बताते में लगे हुए थे।

आज का राशिफल

मेष राशि
आज का दिन खुशियों भरा रहेगा। लॉ के क्षेत्र से जुड़े स्टूडेंट के लिए आज का दिन बेहतकीन रहने वाला है। आज कहीं से एक केस आपके हाथ लग सकता है। उलझे सवालों के जवाब आज आपको मिल जायेगा।

वृष राशि
आज का दिन परिवारवालों के साथ बितेगा। परिवार के साथ बाहर घूमने का प्लान भी बन सकता है। आज अचानक आपके घर पर कोई रिश्तेदार आ सकते हैं।

मिथुन राशि
आज के दिन मन में नए दृ नए विचार आ सकते है। सरकारी एग्जाम की तैयारी करने वालों के लिए आज का दिन अच्छा है, मेहनत का फल अच्छा मिलेगा। दोस्तों के साथ बाहर हील स्टेशन पर जा सकते है। आज आपकी मुलाकात अचानक किसी दोस्त से हो सकती है। आज ऑफिस में आपके काम की प्रशंसा होगी।

कर्क राशि
आज का दिन ठीक–ठाक रहने वाला है। आज अपनी वाणी पर कंट्रोल रखने से आपको ही फायदा होगा। आज स्वास्थ्य के प्रति आप थोड़ी सावधानी रखें। बेहतक होगा कि आप बाहर के खाने को अवॉयड करें। इस राशि के लवमेट आज लॉन्ग ड्राइव पर जाने का प्लान बना सकते हैं। घर से बाहर जाने के पहले आप जरूरी सामान जरूर ले जाएं।

सिंह राशि
आज का दिन अनुकूल रहेगा। आज आनंद की प्राप्ति के लिए आपको अपने स्वभाव में थोड़ा परिवर्तन लाने की आवश्यकता है। निश्चित ही घर में खुशियों का आगमन होगा। पारिवारिक समस्याएं आज खुद–ब–खुद दूर हो जाएगी। आज के दिन कोई करीबी आपकी खुशियों को दोगुना कर देगा।

कन्या राशि
आज आपका रुझान आध्यात्म की तकफ रहेगा मंदिर जाने या किसी धार्मिक कार्यक्रम के आयोजन की योजना बना सकती है। दुश्मन आपको परेशान करने की पूरी कोशिश करेगें, लेकिन अपनी समझदारी से आप कार्यों को पूरा करने में सफल रहेंगे।

तुला राशि
आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज घरेलू चीजों को खरीदने पर आपके अधिक पैसे खर्च हो सकते है। आज आपको रोजगार के उचित अवसर प्राप्त होंगे। माता–पिता का आर्शीवाद आपको मंजिल तक पहुंचाने में मदद करेगा। राजनीति में आप सक्रीय भूमिका निभाएंगें।

वृश्चिक राशि
आपकी ऊर्जा का स्तक अच्छा रहेगा। बढ़े हुए ऊर्जा के साथ आप कोई काम करेंगे तो कम समय में पूरा हो जाएगा। व्यापार के लिए आज का दिन शानदार रहेगा, रोज की अपेक्षा ज्यादा सेल होगा। इस राशि केनवविवाहित आज किसी रेस्टोरेंट में डीनर करने जायेंगे। पुरानी जयजाद के क्रय– विक्रय से लाभ होगा। आज संतान के प्रति विश्वास बढ़ेगा।

धनु राशि
आज का दिन आपके लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। पढ़ाई में छात्रों के लिए यह समय जी–जान लगाकर पढ़ने का है। नया कोर्स ज्वॉइन करने के लिए आज का दिन अच्छा है।

मकर राशि
आज का दिन ठीकदृठाक रहेगा। जीवनसाथी के जीवन में बदलाव आने से खुशी का माहौल बनेगा। आज फर्नीचर खरीदने के लिए दिन शुभ है।

कुंभ राशि
आज का दिन शानदार रहने वाला है। आज ऑफिस के काम से यात्रा पर जाना पड़ सकता है, यात्रा लाभदायक सिद्ध होगी। यात्रा के दौरान किसी दूर के रिश्तेदार से आपकी मुलाकात हो सकती है। जिससे आपका मन प्रसन्न हो जाएगा। तो आज ले लीजिए।

मीन राशि
आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। बच्चों के बेहतक करियर के लिए आप किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह लेंगे। आज हो सके उधार के लेन–देन से बचें। आज आपको व्यापार में अचानक धनलाभ का अवसर प्राप्त हो सकता है।

पीएम पद पर रहा शख्स कैसे बना इजरायल का दुश्मन नं–1 US ने टेररिस्ट घोषित किया, इस्माइल हानिया की पूरी कुंडली 10 प्वाइंट

हमास का शाब्दिक अनुवाद उत्साह है। अरबी में इस्लामी प्रतिरोध आंदोलन का संक्षिप्त रूप है। इसका पूरा नाम इस्लामिक रेजीस्टेंस मूवमेंट है। समूह की स्थापना 1987 में गाजा में मिस्र में स्थित एक प्रमुख सुन्नी समूह मुस्लिम ब्रदरहुड की एक शाखा के रूप में की गई थी। फिलिस्तीनी शेख अहमद यासीन इसके पहले लीडर थे। इसी साल फिलिस्तीन में इंतिफादा या विद्रोह के दौरान इजराइल के कब्जे के खिलाफ व्यापक विरोध ा प्रदर्शन शुरू हुए थे। इंतिफादा का मतलब है झकझोर देना। इजरायली कब्जे के खिलाफ फिलिस्तीनियों के पहले इंतिफादा या विद्रोह के रूप में जाने जाने वाले दौरान उभरते हुए हमास ने तुरंत सशस्त्र प्रतिरोध के सिद्धांत को अपनाया और इजरायल के विनाश का आह्वान किया प्रध ाानमंत्री पद पर रहा हानिया कैसे बना मोस्ट मांटेड1. इस्माइल हनियेह का जन्म 1963 में गाजा के शाति शरणार्थी शिविर में हुआ था।2. 1980 के दशक के अंत में हमास में शामिल हुआ और तेजी से संगठन में अपनी पकड़ मजबूत कर ली। प्रमुखता में पहली वृद्धि हमास के संस्थापक और आध यात्मिक नेता शेख अहमद यासीन के करीबी सहयोगी के रूप में हुई थी। 3. इस्माइल हानिया गाजा शहर में इस्लामिक विश्वविद्यालय में एक छात्र कार्यकर्ता थे। वह फिलिस्तीनी संगठन में तब शामिल हुए जब 1987 में प्रथम फिलिस्तीनी इंतिफादा (विद्रोह) का गठन हुआ।4. उन्होंने 1980 और 1990 के दशक में इजरायली जेलों में कई सजाएं काटीं।5. अगले वर्ष गाजा लौटने से पहले 1992 में सैकड़ों अन्य लोगों के साथ गिरफ्तार किया गया और गाजा से लेबनान निर्वासित कर दिया गया। 6. इस्माइल हानिया ने हमास की लड़ने की क्षमता को बढ़ाने में आंशिक रूप से शिया मुस्लिम ईरान के साथ संबंधों को बढ़ावा देकर, एक प्रमुख हाथ था। 2017 में ईरान में एक उच्च स्तरीय हमास प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया जहां उन्होंने खमेनेई से मुलाकात की। 7. 2006 के विधायी चुनाव में हमास की जीत के बाद वह फिलिस्तीनी प्राधिकरण के प्रध ानमंत्री बने, लेकिन 2007 में राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने उन्हें पद से बर्खास्त कर दिया। 8. इस्माइल हनियेह अवरुद्ध गाजा पट्टी के यात्रा प्रतिबंध ों से बचकर तुर्की और कतर की राजधानी दोहा के बीच चले गए और उन्हें गाजा युद्धविराम वार्ता या ईरान के साथ बातचीत में वार्ताकार के रूप में कार्य करने की अनुमति दी गई। 9. उनके तीन बेटे – हजम, अमीर और मोहम्मद – 10 अप्रैल को मारे गए जब एक इजरायली हवाई हमले ने उनकी कार पर हमला कर दिया, जिसे वे चला रहे थे। इजराइल रक्षा बल (आईडीएफ) ने कहा कि ये लोग ष्मध य गाजा के क्षेत्र में आतंकवादी गतिविधि ा को अंजाम देने के रास्ते में थे। हमास ने कहा कि हनियाह ने हमले में अपने चार पोते–पोतियों को भी खो दिया। 10. इस्माइल हनियेह ने इस्राइली दावों का खंडन किया था कि उनके बेटे हमास लड़ाके थे।

कमला हैरिस का ट्रंप को बड़ा चैलेंज, क्या होगा रिपब्लिकन का जवाब ?

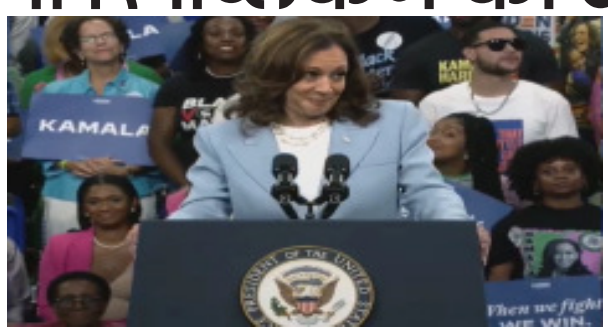

बाइडेन के सहयोगियों को उम्मीद थी कि राष्ट्रपति अपनी उम्र को लेकर बनी हुई चिंता को दूर करने के लिए प्रभावशाली प्रदर्शन कर दिखाएंगे। इसके लिए डिबेट में कई बदलाव भी करवाए गए। उनका यह सपना टूट गया। बाइडेन अपने फैसलों का बचाव करते दिखे। ट्रम्प प्रवासियों जैसे 30 अहम मुद्दों पर पूरे जोश से झूठ बोल गए।डेमोक्रेटिक पार्टी की कमला हैरिस ने एक्स पर एक पोस्ट किया है। डोनाल्ड ट्रंप को चुनौती दी गई है। कमला हैरिस ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि बहस पर पुनर्विचार किया जाएगा। डोनाल्ड ट्रंप के पास कहने के लिए कुछ नहीं है। आपको बता दें कि अमेरिका में जब भी राष्ट्रपति चुनाव होते हैं तो उसके पहले अलग अलग पार्टियों के उम्मीदवारों के बीच में डिबेट होती है। डोनाल्ड ट्रंप और जो बाइडेन के बीच में जुलाई के महीने में डिबेट हो चुकी है। जिसमें जो बाइडेन ट्रंप के मुकाबले कमतर नजर आए थे। बाइडेन के सहयोगियों को उम्मीद थी कि राष्ट्रपति अपनी उम्र को लेकर बनी हुई चिंता को दूर करने के लिए प्रभावशाली प्रदर्शन कर दिखाएंगे। इसके लिए डिबेट में कई बदलाव भी करवाए गए। उनका यह सपना टूट गया। बाइडेन अपने फैसलों का बचाव करते दिखे। ट्रम्प प्रवासियों जैसे 30 अहम मुद्दों पर पूरे जोश से झूठ बोल गए।अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने राष्ट्रपति पद की दौड़ में अपने कदम आगे बढ़ा दिए हैं। उन्होंने सार्वजनिक रूप से रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और उनके चल रहे साथी जेडी वेंस को डिबेट के स्टेज पर उनसे मिलने और उनकी चिंताओं को सीधे संबोधित करने की चुनौती दी है। उन्होंने रिपब्लिकन द्वारा अवरुद्ध किए गए सीमा सुरक्षा बिल को फिर से पेश करने का भी वादा किया और कीमतों में बढ़ोतरी और लागत कम करने के लिए प्रतिबद्धता जताई। जॉर्जिया में एक कार्यक्रम के दौरान हैरिस ने इस दौरान कहा कि तो, वह (ट्रम्प) बहस नहीं करेंगे। लेकिन ऐसा लगता है कि उनके और उनके साथी (जेडी वेंस) के पास मेरे बारे में कहने के लिए बहुत कुछ है। और वैसे, क्या आपको उनकी कुछ बातें बस नहीं लगतीं बिल्कुल अजीब? ठीक है, डोनाल्ड, मुझे उम्मीद है कि आप बहस के मंच पर मुझसे मिलने पर पुनर्विचार करेंगे, क्योंकि, जैसा कि कहा जाता है, श्अगर आपके पास कहने के लिए कुछ है, तो इसे मेरे चेहरे पर कहें। हैरिस ने आधिकारिक तौर पर 5 नवंबर के चुनावों के लिए अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि उनके मैदान में आने के बाद रेस की गति बदल गई है। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रम्प ने सितंबर में उस बहस से खुद को अलग कर लिया था जिसके लिए वह पहले सहमत हुए थे जब बिडेन दौड़ में थे। अभियान के अनुसार, एक प्रमुख युद्धक्षेत्र राज्य अटलांटा में उनकी रैली में लगभग 10,000 लोग शामिल हुए।कहा जाता है, श्अगर आपके पास कहने के लिए कुछ है, तो इसे मेरे चेहरे पर कहें।

हम न भूलते हैं, न माफ करते हैं...24 घंटे में इजरायल ने अपने 2 बड़े दुश्मनों को कैसे किया ढेर ?

ईरान की राजधानी तेहरान से हमास के राजनीतिक चीफ इस्माइल हानिया की मौत की खबर सामने आई। वहीं मजदल शम्स में बच्चों की हत्या और कई अन्य इजरायली नागरिकों की हत्या के लिए जिम्मेदार कमांडर पर बेरूत में टारगेटेड अटैक किया। बता दें कि पजेश्कियान अभी शपथ लेकर कुर्सी पर बैठे ही थे कि इतनी बड़ी घटना हो गई। हानिया ईरान के राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण के लिए तेहरान में मौजूद था। लगातार मोसाद और इजरायल की टीम उसे टारगेट कर रही थी। कहा जाता है कि इजरायल के दुश्मन पाताल में भी छुप जाते तो मोसाद उन्हें ढूढ़ लाती। म्यूनिख में ओलंपिक की घटना के बाद 1972 में ऑपरेशन रैथ ऑफ गॉड चलाया था। इजरायली एजेंट्स टारगेट को कुछ दिन पहले एक गुलदस्ता भेजते थे। इस गुलदस्ते के साथ एक कार्ड भी होता था, जिसमें लिखा होता था– श्हम न भूलते हैं, न माफ करते हैं। अब ऐसा ही कुछ कारनामा इजरायल की तरफ से एक बार फिर से किया गया है जिससे दुनिया भी हैरान है। पिछले दस महीने से इजरायल को जिस पल की तलाश थी, वो आ गई। 24 घंटे के अंदर इजरायल ने अपने दो बड़े दुश्मनों को ढेर कर दिया। ईरान की राजधानी तेहरान से हमास के राजनीतिक चीफ इस्माइल हानिया की मौत की खबर सामने आई। वहीं मजदल शम्स में बच्चों की हत्या और कई अन्य इजरायली नागरिकों की हत्या के लिए जिम्मेदार कमांडर पर बेरूत में टारगेटेड अटैक किया। बता दें कि पजेश्कियान अभी शपथ लेकर कुर्सी पर बैठे ही थे कि इतनी बड़ी घटना हो गई। हानिया ईरान के राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण के लिए तेहरान में मौजूद था। लगातार मोसाद और इजरायल की टीम उसे टारगेट कर रही थी। ईरान के अर्धसैनिक बल 'रिवोल्यूशनरी गार्ड' ने कहा कि वह हनियेह की हत्या की जांच कर रहा है। उसने यह नहीं बताया कि हत्या कैसे हुई और हनियेह को किसने मारा। फिलहाल किसी ने भी हत्या की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन इसका शक इजराइल पर है, जिसने सात अक्टूबर को देश में हुए अप्रत्याशित हमले को लेकर हनियेह और हमास के विभिन्न कमांडरों को मारने का संकल्प लिया था।इससे इतर इजराइल ने बेरूत पर एक दुर्लभ हमला किया, जिसमें उसने कहा कि एक शीर्ष हिजबुल्लाह कमांडर की मौत हो गई, जो कथित तौर पर एक सप्ताहांत रॉकेट हमले के पीछे था। हिजबुल्लाह ने तुरंत कमांडर की मौत की पुष्टि नहीं की। यह हमला लेबनानी आतंकवादी समूह के साथ बढ़ती शत्रुता के बीच हुआ। एक इजरायली अधि ाकारी ने कहा कि निशाना हिजबुल्लाह के शीर्ष सैन्य कमांडर फौद शुकुर थे, जिन पर अमेरिका लेबनान की राजधानी में 1983 के घातक समुद्री बमबारी की योजना बनाने और उसे शुरू करने का आरोप लगाता है। अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बात की क्योंकि वह मीडिया के साथ हड़ताल के विवरण पर चर्चा करने के लिए अधिकृत नहीं थे। शुकूर उन अन्य हमलों में भी संदिग्ध है जिनमें इजरायली नागरिक मारे गए थे। गाजा में युद्ध की पृष्ठभूमि में दोनों पक्षों ने पिछले 10 महीनों से लगभग दैनिक हमलों का आदान–प्रदान किया है, लेकिन उन्होंने पहले संघर्ष को निम्न स्तर पर रखा था जिससे पूर्ण युद्ध में बढ़ने की संभावना नहीं थी।

नीतिन गडकरी के साथ मंच पर दिखा शख्स, मोदी के दोस्त ने कुछ ही देर में ठोक दिया!

कुछ ही घंटे बाद खबर आई कि हमास के चीफ इस्माइल हानिया की मौत हो गई है। ईरान की राजधानी तेहरान में इस्माइल हानिया मारा गया है। ऐसा बताया जा रहा है कि एक घर में उसके बॉडीगार्ड के साथ उसकी हत्या की गई। इजरायल का सबसे बड़ा दुश्मन और हमास का चीफ इस्माइल हानिया मारा जा चुका है। कैसे मरा, किसने मारा आरोप प्रत्यारोप शुरू हो चुके हैं। लेकिन इन सब के बीच भारत में चर्चा इस तस्वीर की हो रही है। इन तस्वीरों में भारत के केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी भी नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही इस तस्वीर में नजर आया इजरायल का सबसे बड़ा दुश्मन इस्माइल हानिया। जो अब मारा जा चुका है। एक मंच पर एक साथ फोटो खिचवाते हुए नितिन गडकरी और इस्माइल हानिया की तस्वीर भारत में जमकर शेयर हो रही है। पूरी दुनिया जब इस्माइल हानिया की मौत को लेकर हैरान है तब ये तस्वीरें भी खूब शेयर की जा रही है। लेकिन आपको बता दें कि नितिन गडकरी न तो हमास चीफ से मिलने पहुंचे थे और न ही उनके साथ तस्वीरें खिंचवाने के लिए। दरअसल, नितिन गडकरी ईरान के नए राष्ट्रपति के शपथग्रहण समारोह में पहुंचे थे। कुछ ही घंटे बाद खबर आई कि हमास के चीफ इस्माइल हानिया की मौत हो गई है। ईरान की राजधानी तेहरान में इस्माइल हानिया मारा गया है। ऐसा बताया जा रहा है कि एक घर में उसके बॉडीगार्ड के साथ उसकी हत्या की गई। हत्या के पीछे कौन है ये वजह अभी तक साफ नहीं हो पाई है। किसने इस हत्याकांड को अंजाम दिया ये सब अभी साफ नहीं हो पाया है। इसके साथ ही शक की ऊंगलियां इजरायल की खुफिया एजेंसी मोसाद की तरफ भी उठ रही है। मोसाद और इजरायल की सरकार ने ये साफ कहा था कि अपने दुश्मनों और हमास के तमाम कमांडरों को वो ढेर करेगा। दिलचस्प बात ये है कि ईरान की राजधानी तेहरान में इस्माइल हानिया की हत्या की गई है। ईरान का हमास को समर्थन दे रहा है वहीं दूसरी ओर हिजबुल्ला को भी उसका समर्थन है। हानिया ने 2019 में गाजा पट्टी छोड़ दी थी और कतर में निर्वासन में रह रहा था। गाजा में हमास का शीर्ष नेता येह्या सिनवार है, जिसने सात अक्टूबर को इजराइल पर हमले की साजिश रची थी। इस हमले में 1,200 लोग मारे गए थे और करीब 250 लोगों को बंधक बना लिया गया था। अप्रैल में गाजा में इजराइल के हवाई हमले में हनियेह के तीन बेटे और चार पोते–पोती मारे गए थे। हनियेह की हत्या ऐसे वक्त में हुई है, जब अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन का प्रशासन हमास और इजराइल को एक अस्थायी संघर्ष विराम और बंधकों की रिहाई संबंधी समझौते पर राजी करने का प्रयास कर रहा है। अभी व्हाइट हाउस ने हनियेह की हत्या पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। इस बीच, इराक की 'पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्सेज' ने कहा कि दक्षिण–पश्चिम बगदाद में एक अड्डे पर मंगलवार रात को हुए हमले में कताइब हिजबुल्ला मिलिशिया के चार सदस्य मारे गए। पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्सेज, ईरान समर्थित मिलिशिया का एक गठबंधन है। समूह ने इस हमले के लिए अमेरिका को जिम्मेदार ठहराया है।

भारत मेजबान, 125 देश मेहमान, अगस्त के महीने में अब क्या बड़ा धमाका करने जा रहे हैं मोदी

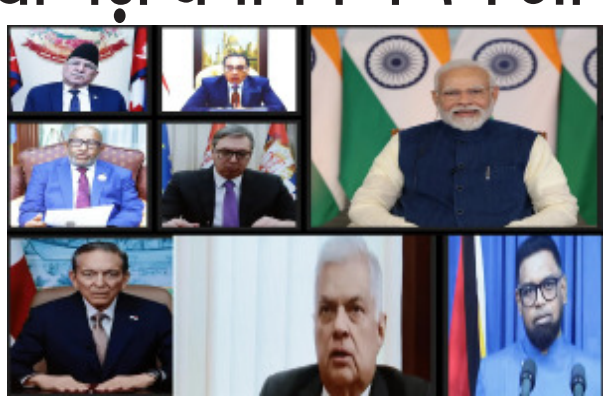

शिखर सम्मेलन का अगस्त 2024 संस्करण प्रधानमंत्री मोदी के थर्ड टर्म के तहत शिखर सम्मेलन का पहला ऐसा संस्करण होगा।

भारत अगले महीने 17 अगस्त के आसपास ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलन के तीसरे संस्करण की मेजबानी करेगा। शिखर सम्मेलन वर्चुअल मोड में होगा। इसकी अध्यक्षता मंत्री स्तर की बैठकों के साथ प्रध ाानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। वर्तमान में नई दिल्ली निमंत्रण भेज रही है और निमंत्रण प्राप्त होने की पुष्टि विभिन्न वैश्विक राजधानियों के सूत्रों की तरफ से की गई है। शिखर सम्मेलन का अगस्त 2024 संस्करण प्रधानमंत्री मोदी के थर्ड टर्म के तहत शिखर सम्मेलन का पहला ऐसा संस्करण होगा। क्या है ग्लोबल साउथ ग्लोबल साउथ शब्द का प्रयोग एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के विकासशील देशों के लिए किया जाता है। संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, यूरोप, रूस, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे आर्थिक रूप से विकसित देशों को ग्लोबल नॉर्थ कहा जाता है। कम आय वाले देशों का समूह ग्लोबल साउथ का तात्पर्य कम आय वाले देशों या अमीर उत्तरी देशों की तुलना में अपेक्षाकृत कम समाजिक आर्थिक और औद्योगिक विकास वाले देशों से है। ग्लोबल साउथ का देश होने के कई निहितार्थ हो सकते हैं, जिसमें उच्च शिशु मृत्यु दर और निम्न जीवन प्रत्याशा से लेकर निम्न शिक्षा दर, उच्च स्तर की गरीबी और विदेश में बेहतर जीवन की तलाश में प्रवास करने की उच्च प्रवृत्ति शामिल होती है। जनवरी 2023 में पहला, सितंबर में दूसरा सम्मेलन हुआ आयोजितआधिकारिक तौर पर श्ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलनश के रूप में जाना जाता है। शिखर सम्मेलन का पहला संस्करण भारत की ळ20 अध्यक्षता के वर्ष में जनवरी 2023 में हुआ था। ऐसे में इस शिखर सम्मेलन की मेजबानी करके भारत ग्लोबल साउथ के देशों को अपने दृष्टिकोण, चुनौतियों और प्राथमिकताओं को साझा करने के लिए कॉमन प्लेटफार्म प्रदान करने की योजना बना रहा है। शिखर सम्मेलन का दूसरा संस्करण दिल्ली में सितंबर के महीने में आयोजित जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन के बाद नवंबर 2023 में हुआ था।125 देशों की भागीदारी पहले शिखर सम्मेलन का थीम श्आवाज की एकता, उद्देश्य की एकताश और दूसरे शिखर सम्मेलन का विषय श्एक साथ, सभी के विकास के लिए, सभी के विश्वास के साथश था। शिखर सम्मेलन में 120 से अधि ाक देशों की भागीदारी देखी गई है और जलवायु परिवर्तन, सतत विकास, वैश्विक शासन और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। मंत्रिस्तरीय सत्र विदेश मंत्रियों, शिक्षा मंत्रियों, वित्त मंत्रियों, पर्यावरण मंत्रियों, ऊर्जा मंत्रियों, स्वास्थ्य मंत्रियों और वाणिज्यध व्यापार मंत्रियों के स्तर पर हुए।भारत क्या ग्लोबल साउथ का लीडर है? इनमें पीएम मोदी द्वारा ग्लोबल साउथ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का उद्घाटन करना भी शामिल है, जिसे श्दक्षिणश के नाम से जाना जाता है। ये ग्लोबल साउथ देशों के बीच मजबूत सहयोग बनाने के लिए एक इंटरफेस के रूप में काम करेगा। घोषणाओं में ग्लोबल साउथ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इनिशिएटिव का मंच, ग्लोबल साउथ स्कॉलरशिप प्रोग्राम, स्वास्थ्य क्षेत्र में सहयोग और ग्लोबल साउथ यंग डिप्लोमैट्स फोरम शामिल हैं।

कोचिंग सेंटर की होगी सीबीआई जांच, हाईकोर्ट ने किसे कहा– लगता है अपना दिमाग खो दिया

बेसमेंट में तीन छात्रों के डूबने के मामले में एक व्यवसायी मनुज कथूरिया को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस के अनुसार, कथूरिया ने अपनी एसयूवी को बाढ़ वाली सड़क पर चलाया, जिससे पानी बढ़ गया, कोचिंग सेंटर की इमारत के गेट टूट गए और बेसमेंट में पानी भर गया। दिल्ली हाई कोर्ट ने तीन सिविल सेवा अभ्यर्थियों की मौत की जांच पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि पुलिस ने एक राहगीर के खिलाफ कार्रवाई की, लेकिन पर्यवेक्षण के लिए जिम्मेदार दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के अधिकारियों के खिलाफ नहीं। ओल्ड राजिंदर नगर में एक कोचिंग सेंटर के बाढ़ वाले बेसमेंट में तीन छात्रों के डूबने के मामले में एक व्यवसायी मनुज कथूरिया को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस के अनुसार, कथूरिया ने अपनी एसयूवी को पानी वाली सड़क पर चलाया, जिससे पानी बढ़ गया, कोचिंग सेंटर की इमारत के गेट टूट गए और बेसमेंट में पानी भर गया। दिल्ली पुलिस ने राहगीर, एक ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है। जो पुलिस अधिकारी इसकी जांच कर रहे हैं, वे क्या कर रहे हैं? कोर्ट ने कहा कि एमसीडी का सिर्फ एक अधिकारी जेल गया है। दिन के अंत में किसी को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। आपको (एमसीडी को) जिम्मेदारी तय करने की जरूरत है। दुखद घटना की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय समिति के गठन की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए, कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन ने शहर के अपर्याप्त बुनियादी ढांचे की कड़ी आलोचना की।दिल्ली उच्च न्यायालय ने एमसीडी आयुक्त, पुलिस उपायुक्त और जांच अधि ाकारी को शुक्रवार को अदालत में पेश होने का निर्देश दिया। दिल्ली उच्च न्यायालय ने प्राधि ाकारियों को राजेंद्र नगर इलाके में सभी नालों के ऊपर किए गए सभी अवैध निर्माण को शुक्रवार तक हटाने का निर्देश दिया। दिल्ली उच्च न्यायालय ने किसी केंद्रीय एजेंसी को कोचिंग सेंटर में अभ्यर्थियों की मौत के मामले की जांच करने का निर्देश देने के संकेत दिए। कोचिंग सेंटर में तीन अभ्यर्थियों की मौत रू उच्च न्यायालय ने प्राधिकारियों पर तंज करते हुए कहा कि उन्हें बुनियादी ढांचे का निर्माण करने की जरूरत है, लेकिन वे दिवालिया हो गए हैं और वेतन भी नहीं दे पा रहे हैं। आप मुफ्त की सौगातें बांटने की संस्कृति चाहते हैं, कर नहीं वसूलना चाहतेय इसलिए ऐसा तो होना ही है। अदालत ने अब तक उठाए गए कदमों पर भी असंतोष व्यक्त किया, जैसे वरिष्ठ अधिकारियों को जवाबदेह ठहराए बिना कनिष्ठ अधि ाकारियों को बर्खास्त करना। न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला भी शामिल ने कहा कि कुछ समय पर, वरिष्ठ अधिकारियों को दौरा करना होगा और जिम्मेदारी स्वीकार करनी होगी। वे अपने एसी कार्यालय नहीं छोड़ रहे हैं। अदालत ने बुनियादी ढांचे को उन्नत करने की नगर निकाय की क्षमता पर भी सवाल उठाया। आपके नागरिक अधिकारी दिवालिया हैं। अगर आपके पास वेतन देने के लिए पैसे नहीं हैं, तो आप इन्फ्रा कैसे अपग्रेड करेंगे? हम पूरे परिदृश्य को देखना चाहते हैं, इसीलिए इस मामले की जाँच ब्ठप् या लोकपाल से कराने पर विचार किया जाएगा।

अमित शाह बोले– 23 जुलाई को दी गई थी समय पूर्व चेतावनी, केरल सरकार ने क्या किया ?

शाह ने कहा कि जो लोग सरकार की पूर्व चेतावनी प्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं उन्हें मैं बताना चाहता हूं कि सरकार ने पूर्व चेतावनी प्रणाली के लिए 2014 के बाद 2000 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। उन्होंने कहा कि इस घटना में जितने भी लोग हताहत हुए हैं और घायल हुए हैं, उन सभी के परिवारजनों के साथ मैं अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं।वायनाड भूस्खलन मारे गए लोगों के प्रति संवेदना जताते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा को बताया कि मैं देश के लिए कुछ स्पष्ट करना चाहता हूं। वे पूर्व चेतावनी की बात करते रहे।श मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि 23 जुलाई को, भारत सरकार ने केरल सरकार को पूर्व चेतावनी दी थी, जो घटना से 7 दिन पहले थी, और फिर 24 और 25 जुलाई को भी पूर्व चेतावनी दी गई थी। 26 जुलाई को चेतावनी दी गई थी कि 20 सेमी से अधिक भारी वर्षा होने की संभावना है और भूस्खलन की भी संभावना है, कीचड़ हो सकता है और इसमें लोगों की जान भी जा सकती है।शाह ने कहा कि जो लोग सरकार की पूर्व चेतावनी प्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं उन्हें मैं बताना चाहता हूं कि सरकार ने पूर्व चेतावनी प्रणाली के लिए 2014 के बाद 2000 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। उन्होंने कहा कि इस घटना में जितने भी लोग हताहत हुए हैं और घायल हुए हैं, उन सभी के परिवारजनों के साथ मैं अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा कि इस देश में कई राज्य सरकारें ऐसी हैं, जिन्होंने इस प्रकार की चेतावनी का उपयोग करके शून्य हताहत आपदा प्रबंधन किया है। ओडिशा में जब नवीन बाबू की सरकार थी, तो हमने 7 दिन पहले साइक्लोन का अलर्ट भेजा, सिर्फ एक व्यक्ति की मृत्यु हुई, वो भी गलती से। गुजरात सरकार को हमने 3 दिन पहले साइक्लोन का अलर्ट भेजा, एक पशु भी नहीं मरा।उन्होंने कहा कि मैं पूछना चाहता हूं कि केरल सरकार ने क्या किया? वहां से लोगों को शिफ्ट क्यों नहीं किया गया, कौन रोक रहा था। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी जी 2014 में प्रधानमंत्री बने, 2016 से पूर्व चेतावनी प्रणाली का प्रोजेक्ट चालू हुआ और 2023 तक दुनिया का सबसे आधुनिक पूर्व चेतावनी प्रणाली भारत में है।

खूबसूरती बढ़ाने के लिए करवा रही हैं वैम्पायर फेशियल? जान लीजिए इससे जुड़ी सभी जरूरी बातें

बॉलीवुड और हॉलीवुड की कई मशहूर अभिनेत्रियां इन दिनों अपनी त्वचा को जवान बनाए रखने के लिए वैम्पायर फेशियल करवा रही हैं।यह सुनने में अजीब लगता है, लेकिन इसके जरिए बढ़ती उम्र के लक्षणों को कम किया जा सकता है। इस फेशियल में त्वचा की देखभाल के लिए खून का इस्तेमाल किया जाता है।इसके कई चमत्कारी फायदे होते हैं, लेकिन इसके कुछ हानिकारक प्रभाव भी हो सकते हैं। आइए वैम्पायर फेशियल के विषय में विस्तार से जानते हैं।क्या होता है वैम्पायर फेशियल?वैम्पायर फेशियल को पीआरपी फेशियल भी कहा जाता है। यह एक कॉस्मेटिक प्रक्रिया है, जिसमें ग्राहक के शरीर से थोड़ी मात्रा में रक्त निकाला जाता है।इसके बाद इसमें से प्लेटलेट–समृद्ध प्लाज्मा निकालने के लिए इसे संसाधित किया जाता है। अब शरीर के एक हिस्से से निकाले गए इस खून को चेहरे पर इंजेक्ट किया जाता है।इंजेक्शन की सुइयां त्वचा में छोटे–छोटे छेद करती हैं, जिससे त्वचा नए कोलेजन और इलास्टिन के साथ खुद को स्वस्थ बनाती है।वैम्पायर फेशियल के जरिए मिलते हैं ये मुख्य फायदेवैम्पायर

फेशियल कोलेजन उत्पादन को उत्तेजित करता है, जो त्वचा की बनावट और टोन में सुधार कर सकता है। इस प्रक्रिया के जरिए चेहरे पर दिखने वाली महीन रेखाएं और झुर्रियां ठीक हो जाती हैं।जिन लोगों को मुंहासों की समस्या होती है, उन्हें वैम्पायर फेशियल के जरिए मदद मिल सकती है। यह फेशियल ग्राहक के खून से होता है, इसलिए इसे एलर्जी प्रतिक्रियाओं के न्यूनतम जोखिम के साथ एक प्राकृतिक उपचार माना जाता है।वैम्पायर फेशियल फायदों के साथ–साथ कुछ नकारात्मक प्रभाव भी होते हैं। इस फेशियल के बाद आपको लालपन और सूजन का अनुभव हो सकता है।इंजेक्शन वाली जगह पर हल्की सूजन आना आम है और यह कुछ दिनों में कम हो जाती है। इसके अलावा कुछ लोगों को असुविधा और मुंहासें भी हो सकते हैं ये नुकसानवैम्पायर फेशियल के जवान बना सकती हैं।वैम्पायर फेशियल करवाने में लगती है इतनी लागतवैम्पायर फेशियल या पीआरपी थेरेपी की लागत स्थान, डॉक्टर और उपचार की सीमा जैसे कारकों के आधार पर अलग–अलग हो सकती है। हालांकि, इसकी कीमत 30,000 रुपये से लेकर 80,000 रुपये से भी अधिक हो सकती है।वैम्पायर फेशियल के दौरान कैसे सुनिश्चित करें अपनी सुरक्षा आपको वैम्पायर फेशियल करवाने के लिए बोर्ड–प्रमाणित त्वचा विशेषज्ञ के पास ही जाना चाहिए। इसके अलावा आप एक लाइसेंस प्राप्त चिकित्सक या नर्स से क्कक्रक्क फेशियल ले सकते हैं।ऐसे डॉक्टर कड़े प्रोटोकॉल और सुरक्षा मानकों का पालन करते हैं, जिसके कारण आपको चिंता करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।किसी पार्लर या बयूटीशियन से यह प्रक्रिया न करवाएं, नहीं तो स्वास्थ्य जोखिम बढ़ सकते हैं।आप अपनी खूबसूरती को बढ़ाने के लिए फेशियल कपिंग का भी सहारा ले सकते हैं।

अर्शदीप सिंह से नाराज दिखे रोहित शर्मा, जीते हुए मैच पर फेरा पानी

इंडिया वर्सेस श्रीलंका पहला वनडे टाइ होने के बाद भारतीय प्लेयर अर्शदीप सिंह फैंस के निशाने पर हैं। 47वें ओवर में जब टीम इंडिया के महज 1 रन की जरूरत थी तो उस वक्त अर्शदीप सिंह ने खराब शॉट खेलकर मैच टाई करा दिया। मैच के बाद सोशल मीडिया पर तो अर्शदीप सिंह के इस शॉट की आलोचना हुई ही, साथ ही मैच के बाद हाथ मिलाते हुए रोहित शर्मा ने उन्हें घूरते हुए नजर आए। बता दें कि, जब अर्शदीप सिंह बल्लेबाजी करने आए तो उस समय टीम को 14 गेंदों पर मा 1 रन की दरकार थी। उस समय वह बड़ा शॉट नही बनता था, अगर अर्शदीप सिंह टैप करके एक रन भी ले लेते तो भारत जीत जाता। मैच के बाद सोशल मीडिया पर अर्शदीप सिंह की खूब आलोचना हुई। इस दौरान एक ऐसी तस्वीर सामने आई जिसने हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींचा। मैच के बाद हाथ मिलाते हुए रोहित शर्मा अर्शदीप सिंह को गुस्से में घूरते हुए नजर आ रहे हैं, वहीं अर्शदीप सिंह की आंखें झुकी हुई हैं। इस दौरान कई फैंस ने तो ये भी कहा कि अर्शदीप सिंह धोनी की तरह विनिंग छक्का लगाकर हीरो बनने चले थे। हालांकि, वह हीरो की जगह जीरो जरूर बन गए। वहीं कुछ फैंस ने उनकी तुलना वेस्टइंडीज के शैनन ग्रेबियल से भी की।

इंडिया–श्रीलंका पहला वनडे मैच टाई, भारत की बल्लेबाज रहे फ्लाप

भारतीय टीम और श्रीलंका के बीच शुक्रवार को पहला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच टाई रहा। कप्तान रोहित शर्मा (58 रन) द्वारा दिलाई गई तेज शुरूआत के बावजूद भारतीय टीम और श्रीलंका के बीच शुक्रवार को पहला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच टाई रहा। श्रीलंका का शीर्ष क्रम भारत की सटीक गेंदबाजी के सामने चरमरा गया लेकिन सलामी बल्लेबाज पाथुम निसांका (56 रन) और निचले क्रम में दुनिथ वेलालागे (नाबाद 67 रन) के संयमित अर्धशतकों की मदद से मेजबान टीम ने आठ विकेट पर 230 रन बनाये।सके जवाब में पूरी भारतीय टीम श्रीलंका के स्पिनरों के सामने 47.5 ओवर में 230 रन के स्कोर पर सिमट गई जिससे मैच टाई रहा। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कोच अंशुमन गायकवाड़ की याद में भारतीय क्रिकेटर बांह पर काली पट्टी बांधकर खेले। गायकवाड़ का बुधवार को निधन हो गया। वह रक्त कैंसर से पीड़ित थे। श्रीलंका के स्पिनरों ने वानिंदु हसारंगा की अगुआई में रन गति पर लगाम कसते हुए लगातार अंतराल पर विकेट झटके। हसारंगा ने 58 रन देकर तीन, कप्तान चरिथ असालंका ने 30 रन देकर तीन और दुनिथ वेलालागे ने 39 रन देकर दो विकेट झटके। अकिला धनंजय ने 40 रन देकर एक विकेट प्राप्त किया। रोहित और शुभमन गिल (16 रन) ने पहले विकेट के लिए 76 गेंद में 75 रन की साझेदारी करके भारत को अच्छी शुरूआत कराई। लेकिन वेलालागे ने गिल को विकेटकीपर के हाथों कैच आउट कराकर भात का पहला विकेट झटका। पर एक ओवर बाद रोहित भी इसी गेंदबाज पर पगबाधा आउट होकर पवेलियन पहुंच गये। उन्होंने 47 गेंद में सात चौके और तीन छक्के जड़े। स्कोर में सात रन ही जुड़े थे कि वाशिंगटन सुंदर (05) अकिला धनजंय की गेंद पर पगबाधा आउट हो गये जिससे टीम का स्कोर तीन विकेट पर 87 रन हो गया। भारत ने 12 रन के अंदर तीन विकेट खो दिये। विराट कोहली (24 रन) और श्रेयस अय्यर (23 रन) ने चौथे विकेट के लिए 43 रन जोड़ लिये थे। पर वानिंदु हसारंगा की लेंथ गेंद को खेलने के लिए कोहली पीछे गये और पगबाधा आउट हो गए। अंपायर के ऊंगली उठाने के बाद कोहली ने रिव्यू लिया लेकिन यह बेकार हो गया। भारत का चौथा विकेट 130 रन पर गिरा और दो रन ही जुड़े थे कि असिथा फर्नांडो ने अय्यर की पारी भी समाप्त कर दी। इसके बाद केएल राहुल (31 रन) और अक्षर पटेल (33 रन) छठे विकेट के लिए 57 रन की अर्धशतकीय साझेदारी निभाई। 2019 के बाद अपना पहला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे शिवम दुबे ने 24 गेंद में 25 रन की पारी खेली लेकिन टीम को जीत तक नहीं ले जा सके। भारत ने 230 रन के स्कोर पर दो विकेट गंवा दिये। इससे पहले निसांका ने 75 गेंद में नौ चौके से 56 रन बनाये जबकि वेलालागे ने 65 गेंद में सात चौके और दो छक्के जड़कर 67 रन बनाये।

पेशेवर फुटबालर नहीं बनना चाहते थे सुनील छेत्री, आज मना रहे हैं 40वां जन्मदिन

आज के दिन यानी की 03 अगस्त को भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री अपना 40वां जन्मदिन मना रहे हैं। आज के दिन यानी की 03 अगस्त को भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री अपना 40वां जन्मदिन मना रहे हैं। उनकी गिनती भारतीय फुटबॉल के सबसे सफल खिलाड़ियों में होती है। वह देश के लिए सबसे ज्यादा गोल करने वाले भी खिलाड़ी हैं। साल 2007 में पाकिस्तान के खिलाफ उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत की थी। हालांकि सुनील छेत्री ने अपने करियर में कई मुश्किलों का सामना किया है। लेकिन उन्होंने मुश्किल से भी मुश्किल परिस्थितियों में हार नहीं मानी और अपना खेल जारी रखा। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर सुनील छेत्री के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में... तेलंगाना में 03 अगस्त 1984 को सुनील छेत्री का जन्म हुआ था। बता दें कि सुनील छेत्री कभी भी पेशेवर फुटबॉलर नहीं बनना चाहते थे। यह बात खुद छेत्री ने बताया था। उन्होंने बताया था कि वह शौक के लिए फुटबॉल खेलते थे। जिससे कि उनका अच्छे कॉलेज में स्पोर्ट्स कोटे से एडमिशन हो जाए। वह सैनिक परिवार से ताल्लुक रखते थे। छेत्री के पिता आर्मी में थे, इस कारण उनको देश के अलग–अलग हिस्सों में रहने का मौका मिला। जिस खेल को वह शौकिया तौर पर खेलते थे, तब से पसंद करती थीं, जब वह महज 15 साल की थीं। जब कोच की बात से छेत्री को लगा धक्का

आपको बता दें कि साल 2022 में सुनील छेत्री को छेत्री उसी खेल के कोच ने उनको फुटबॉलर बनने के लिए प्रेरित किया था। परिवार और शादी बहुत कम लोगों को इस बात की जानकारी की है कि छेत्री के माता–पिता भी फुटबॉलर रह चुके हैं। उनकी मां ने नेपाल के लिए फुटबॉल खेला है और पिता भारतीय सेना की टीम में फुटबॉल खेलते थे। सुनील छेत्री ने सोनम भट्टाचार्य से शादी रचाई। बता दें कि सुनील छेत्री के कोच की बेटी सोनम हैं। वह छेत्री को पुर्तगाल के क्लब स्पोर्टिंग लिस्बन से जुड़ने का मौका मिला। लेकिन इस दौरान छेत्री के प्रदर्शन को देखते हुए उनकी टीम के हेड कोच ने कहा था कि वह टॉप टीम में जगह बनाने के लायक नहीं हैं। इसलिए वह टीम बी में चले जाएं। कोच की इस बात से सुनील छेत्री को काफी धक्का पहुंचा। जिस कारण वह 3 साल का कॉन्ट्रैक्ट होने के बाद भी 9 महीने में भारत वापस आ गए। हालांकि आज वह किस मुकाम पर हैं, यह पूरी दुनिया जानती है।अपने नाम किया सैफ चौंपियनशिप का खिताब सुनील छेत्री ने भारतीय टीम ने सैफ चौंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया। इस दौरान उन्होंने बेंगलुरु में सैफ चौंपियनशिप के फाइनल में भारत ने कुवैत को पेनल्टी शूट आउट में शिकस्त दी थी। भारत ने 9वीं बार सैफ चौंपियनशिप के खिताब पर अपना कब्जा जमाया। उन्होंने अपने करियर में अब तक 142 इंटरनेशनल मैच खेले हैं। इस दौरान छेत्री ने 93 गोल किए। सुनील छेत्री, अर्जेंटीना के दिग्गज लियोनल मेसी और पुर्तगाल के स्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बाद तीसरे गोल स्कोरर हैं।

मनु भाकर पदकों की हैट्रिक लगाने से चूकी

मनु भाकर ने व्यक्तिगत 10 मीटर एयर पिस्टल में कांस्य पदक जीतने के बाद सरबजोत सिंह के साथ मिलकर मिश्रित टीम वर्ग में भी कांस्य पदक जीता।भारतीय निशानेबाज मनु भाकर पेरिस ओलंपिक खेलों की 25 मीटर महिला स्पोर्ट्स पिस्टल निशानेबाजी स्पर्धा में शनिवार को यहां चौथे स्थान पर रहते हुए पदक से चूक गयी।। बाइस साल मनु ने आठ महिलाओं के फाइनल में 28 का स्कोर किया और इस खेलों में पदकों की हैट्रिक पूरी करने से चूक गईं। वह शूट–ऑफ में हंगरी की कांस्य पदक विजेता वेरोनिका मेजर से हार गईं। इससे पहले उन्होंने गुरुवार को प्रिसिजन में 294 और रेपिड में 296 अंक के साथ कुल 590 अंक जुटाकर क्वालीफिकेशन में दूसरा स्थान हासिल करते हुए फाइनल में प्रवेश किया था। मनु भाकर ने व्यक्तिगत 10 मीटर एयर पिस्टल में कांस्य पदक जीतने के बाद सरबजोत सिंह के साथ मिलकर मिश्रित टीम वर्ग में भी कांस्य पदक जीता। वह एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनीं।

मानसून में सिर की खुजली से हो गए हैं परेशान ? इन 5 घरेलू नुस्खों को अपनाएं

मानसून में कई कारणों से सिर की खुजली बढ़ सकती है।पहला, यही है कि इस मौसम में नम वातावरण मालासेजिया जैसे कवक के विकास को बढ़ावा देता है, जिससे डैंड्रफ और खुजली हो सकती है।दूसरा कारण हो सकता है कि अतिरिक्त नमी, गंदगी और तेल का जमाव भी सिर पर खुजली बढ़ा सकता है।इसके अतिरिक्त शुष्क स्कैल्प भी इसके लिए जिम्मेदार हो सकता है।आइए इस समस्या के लिए प्रभावी घरेलू नुस्खे जानते हैं।एलोवेरा का करें इस्तेमाल

एलोवेरा मॉइश्चराइजिंग गुणों से भरपूर होता है और ताजा एलोवेरा जेल को अपने सिर पर लगाने से खुजली और सूजन को कम करने में मदद मिल सकती है।लाभ के लिए एक एलोवेरा की पत्ती को बीच में से काटकर उसके जेल को स्कैल्प पर लगाएं। 20 से 30 मिनट के बाद सिर को सौम्य शैंपू से साफ कर लें।यहां जानिए बालों पर एलोवेरा जेल के विभिन्न इस्तेमाल।टी ट्री तेल भी कर सकता है मददटी ट्री तेल में शक्तिशाली एंटी–फंगल और एंटी–बैक्टीरियल गुण होते हैं,

जो इसे सिर की खुजली के लिए एक बेहतरीन उपाय बनाता है।लाभ के लिए नारियल या जैतून के तेल जैसे किसी वाहक तेल में टी ट्री तेल की कुछ बूंदें मिलाएं और इस मिश्रण को अपने सिर पर लगाकर हल्के हाथों से मालिश करें।इसे रातभर या कम से कम 30 मिनट के लिए छोड़ने के बाद शैंपू से सिर को साफ कर लें।सेब का सिरका है लाभदायकसेब का सिरका एंटी–माइक्रोबियल, एंटी–इंफ्लेमेटरी और एंटी–फंगल गुणों से युक्त होता है, जो सिर की खुजली को कम करने में मदद कर सकते हैं।लाभ के लिए सेब के सिरके और पानी की बराबर मात्रा को एक स्प्रे बोतल में डालें। इसके बाद इसे अच्छी तरह मिलाकर स्टोर कर लें, फिर जब भी सिर में खुजली हो तो इस मिश्रण का इस्तेमाल करें।हालांकि, इस मिश्रण के इस्तेमाल से पहले त्वचा पर पैच टेस्ट जरूर करें।

नीम के पत्तियां भी हैं प्रभावी

नीम की पत्तियां एंटी–बैक्टीरियल और एंटी–फंगल गुणों से भरपूर होती हैं, जो सिर की खुजली को कम कर सकते हैं।लाभ के लिए नीम की कुछ पत्तियों को पानी में लगभग 15 मिनट तक उबालें। इसके बाद मिश्रण को कमरे के तापमान पर ठंडा करें और इसे छानकर एक बाल्टी में डालें।शैंपू करने के बाद अपने सिर को धोने के लिए

इसी नमी युक्त पानी का इस्तेमाल करें।यहां जानिए डैंड्रफ से राहत के लिए नीम के इस्तेमाल।

प्याज का रस लगाएं

प्याज के रस में एंटी–बैक्टीरियल गुण होते हैं, जो स्कैल्प के संक्रमण का इलाज और खुजली को कम करने में मदद कर सकते हैं।लाभ के लिए प्याज को एक ब्लेंडर में डालकर अच्छे से ब्लेंड करें, फिर इसके रस को रूई की मदद से अपने सिर पर लगाएं।

खूबसूरती बढ़ाने के लिए करवा रही हैं वैम्पायर फेशियल? जान लीजिए इससे जुड़ी सभी जरूरी बातें

बॉलीवुड और हॉलीवुड की कई मशहूर अभिनेत्रियां इन दिनों अपनी त्वचा को जवान बनाए रखने के लिए वैम्पायर फेशियल करवा रही हैं।यह सुनने में अजीब लगता है, लेकिन इसके जरिए बढ़ती उम्र के लक्षणों को कम किया जा सकता है। इस फेशियल में त्वचा की देखभाल के लिए खून का इस्तेमाल किया जाता है।इसके कई चमत्कारी फायदे होते हैं, लेकिन इसके कुछ हानिकारक प्रभाव भी हो सकते हैं। आइए वैम्पायर फेशियल के विषय में विस्तार से जानते हैं।

क्या होता है वैम्पायर फेशियल?

वैम्पायर फेशियल को पीआरपी फेशियल भी कहा जाता है। यह एक कॉस्मेटिक प्रक्रिया है, जिसमें ग्राहक के शरीर से थोड़ी मात्रा में रक्त निकाला जाता है।इसके बाद इसमें से प्लेटलेट–समृद्ध प्लाज्मा निकालने के लिए इसे संसाधित किया जाता है। अब शरीर के एक हिस्से से निकाले गए इस खून को चेहरे पर इंजेक्ट किया जाता है।इंजेक्शन की सुइयां त्वचा में छोटे–छोटे छेद करती हैं, जिससे त्वचा नए कोलेजन और इलास्टिन के साथ खुद को स्वस्थ बनाती है।

वैम्पायर फेशियल के जरिए मिलते हैं ये मुख्य फायदे

वैम्पायर फेशियल कोलेजन उत्पादन को उत्तेजित करता है, जो त्वचा की बनावट और टोन में सुधार कर सकता है। इस प्रक्रिया के जरिए चेहरे पर दिखने वाली महीन रेखाएं और झुर्रियां ठीक हो जाती हैं।जिन लोगों को मुंहासों की समस्या होती है, उन्हें वैम्पायर फेशियल के जरिए मदद मिल सकती है। यह फेशियल ग्राहक के खून से होता है, इसलिए इसे एलर्जी प्रतिक्रियाओं के न्यूनतम जोखिम के साथ एक प्राकृतिक उपचार माना जाता है।

वैम्पायर फेशियल से हो सकते हैं ये नुकसान

वैम्पायर फेशियल के फायदों के साथ–साथ कुछ नकारात्मक प्रभाव भी होते हैं। इस फेशियल के बाद आपको लालपन और सूजन का अनुभव हो सकता है।इंजेक्शन वाली जगह पर हल्की सूजन आना आम है और यह कुछ दिनों में कम हो जाती है। इसके अलावा कुछ लोगों को असुविधा और मुंहासें भी हो सकते हैं।यह इंजेक्शन द्वारा होने वाली प्रक्रिया है, जिससे एचआईवी हो सकता है।आप

रेड लाइट थेरेपी के जरिए भी त्वचा को जवान बना सकती हैं।

वैम्पायर फेशियल करवाने में लगती है इतनी लागत

वैम्पायर फेशियल या पीआरपी थेरेपी की लागत स्थान, डॉक्टर और उपचार की सीमा जैसे कारकों के आधार पर अलग–अलग हो सकती है। हालांकि, इसकी कीमत 30,000 रुपये से लेकर 80,000 रुपये से भी अधिक हो सकती है।

वैम्पायर फेशियल के दौरान कैसे सुनिश्चित करें अपनी सुरक्षा

आपको वैम्पायर फेशियल करवाने के लिए बोर्ड–प्रमाणित त्वचा विशेषज्ञ के पास ही जाना चाहिए। इसके अलावा आप एक लाइसेंस प्राप्त चिकित्सक या नर्स से क्कक्रक्क फेशियल ले सकते हैं।ऐसे डॉक्टर कड़े प्रोटोकॉल और सुरक्षा मानकों का पालन करते हैं, जिसके कारण आपको चिंता करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

अक्षय कुमार की फिल्म का ट्रेलर हुआ रिलीज, दोस्तों के फोन में छुपे राज से उठेगा पर्दा

पिछले काफी समय से अक्षय कुमार एक अदद हिट के लिए तरस रहे हैं। उनकी हाल–फिलहाल में आई फिल्म सरफिरा भी बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो गई और इसकी असफलता पर खुद अक्षय ने भी निराशा जाहिर की।हालांकि, फिल्म में अक्षय के अभिनय की दर्शकों के साथ–साथ समीक्षकों ने भी खूब तारीफ की थी।अब अक्षय फिल्म खेल खेल में लेकर आ रहे हैं, जिसका ट्रेलर रिलीज हो गया है।खेल–खेल में ट्रेलर की शुरुआत अच्छी है। अक्षय के अलावा फिल्म में फरदीन खान, एमी विर्क, आदित्य सील, वाणी कपूर, तापसी पन्नू और प्रज्ञा जायसवाल हैं, जो एक–दूसरे के दोस्त हैं।ऐसे दोस्त, जो मोबाइल में एक गेम खेलते हैं। ऐसा खेल, जिससे दोस्तों के बीच तालमेल और छिपे हुए राज सामने आते हैं। इसी खेल के आस–पास इन दोस्तों की जिंदगी और उनके निजी व पेशेवर रिश्तों को दिखाया गया है।फिल्म में कॉमेडी का तड़का लगाया गया है।फिल्म में सबसे ज्यादा वाहवाही अक्षय लूट रहे हैं। अक्षय लंबे समय बाद कॉमेडी करते नजर आ रहे हैं और उनकी कॉमिक टाइमिंग देख दर्शक एक बार फिर उनके कायल हो गए हैं।एक यूजर ने लिखा, कॉमेडी किंग की वापसी। एक ने लिखा, असली मजा तो अब आएगी। एक ने लिखा, कॉमेडी के मामले में अक्षय का कोई तोड़ नहीं है।एक ने लिखा, बॉक्स ऑफिस पर अब 100 प्रतिशत धमाकेदार वापसी होगी अक्षय की।खेल खेल में 15 अगस्त को सिनेमाघरों का रुख करेगी। हालांकि, इस दिन यह अकेले सिनेमाघरों में दस्तक नहीं दे रही है।फिल्म स्त्री का दूसरा भाग स्त्री 2 भी 15 अगस्त को सिनेमाघरों में आएगा। इसके अलावा जॉन अब्राहम की वेदा भी इसी दिन सिनेमाघरों में रिलीज होगी।दूसरी ओर एक्शन थ्रिलर पैन इंडिया फिल्म डबल इस्मार्ट भी काफी चर्चा में है। यह भी 15 अगस्त को सिनेमाघरों का दरवाजा खटखटाएगी। संजय दत्त भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। अक्षय की इस साल स्काई फोर्स और सिंघम अगेन भी रिलीज के लिए प्रस्तावित हैं। इन तीनों फिल्मों की शूटिंग पूरी हो चुकी है। हालांकि, पहले टिकट खिड़की पर परीक्षा खेल खेल में की होगी।इसके अलावा

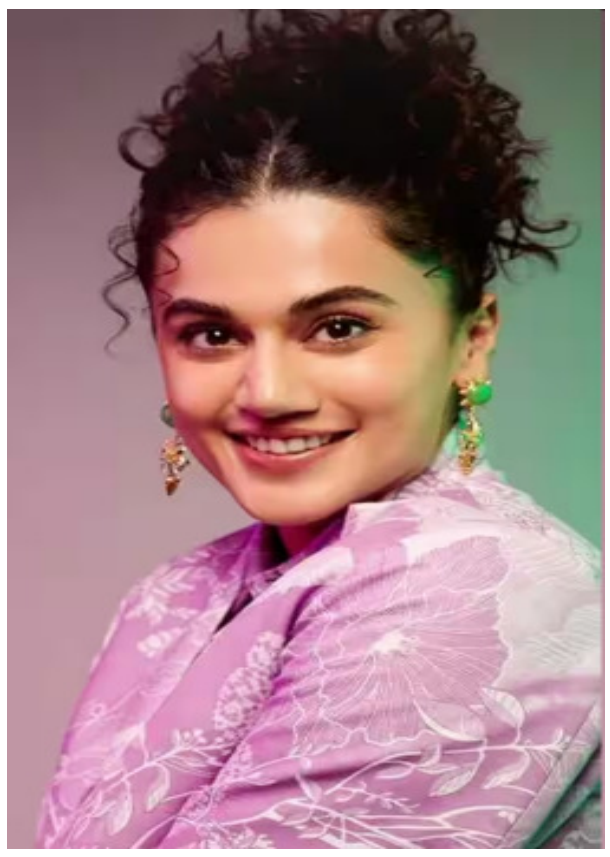

हेरा फेरी 3, वेलकम टू द जंगल समेत अक्षय की 6 और फिल्में दर्शकों के बीच आएंगी।उधर तापसी, प्रतीक गांधी के साथ फिल्म वो लड़की है कहां में नजर आएंगी। फिर आई हसीन दिलरुबा भी उनकी आगामी चर्चित फिल्मों में शुमार है।

श्रद्धा कपूर की स्त्री 2 का दूसरा गाना आई नहीं जारी, पवन सिंह की आवाज में लगा भोजपुरिया तड़का

भोजपुरी गानों का खुमार बॉलीवुड में भी कम नहीं है। कई बॉलीवुड सेलेब्स को भोजपुरी गानों की ध्ुन पर नाचते हुए देखा गया है। अब मच अवेटेड फिल्म स्त्री 2 में भोजपुरी गाने का तड़का लगा है। अमर कौशिक निर्देशित स्त्री 2 में सिंगर पवन सिंह ने गाना गाया है, जो अब रिलीज हो गया है।

6 साल बाद स्त्री का सीक्वल बड़े पर्दे पर आग लगाने वाला है। फिल्म में श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की जोड़ी फिर से साथ में नजर आएगी। कुछ समय पहले ही स्त्री 2 का ट्रेलर जारी हुआ था। फिर फिल्म का आइटम नंबर आज की रात आउट हुआ था। तमन्ना भाटिया के कातिलाना डांस के बाद अब भोजपुरी गाने ने धमाल मचा दिया है।दिनेश विजन निर्मित फिल्म स्त्री 2 का दूसरा गाना आई नहीं रिलीज हो गया है। गाना आउट होते ही सोशल मीडिया पर छा गया है। श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव ने खेतों में तू आई नहीं गाने की एक–एक बीट पर अपने जलवे दिखाये हैं। गाने में पंकज त्रिपाठी के साथ अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना भी हैं। इस मजेदार गाने में कॉमेडी भी है और हॉरर भी। पंकज त्रिपाठी ने जगह–जगह कॉमेडी का तड़का लगाया है और आखिर में स्त्री का डरावना पल दिखा।

एक दिन के अंदर स्त्री 2 के इस गाने को मिलियन व्यूज मिल गये हैं। खबर लिखे जाने तक स्त्री 2 के गाने आई नहीं को यूट्यूब पर 5.3 मिलियन लोगों ने सुन लिया है। गाने को भोजपुरी सिंह पवन सिंह ने सिमरन चौधरी, दिव्या कुमार के साथ मिलकर गाया है। म्यूजिक कंपोजर सचिन और जिगर हैं। गाने की लिरिक्स अमिताभ भट्टाचार्या ने लिखी हैं। इस बार चंदेरी में स्त्री नहीं बल्कि सरकटे का आतंक होगा। ट्रेलर में दिखाया गया था कि चंदेरी अब सिरकटे के आतंक से खुद को बचाएगी। फिल्म में श्रद्धा कपूर,

राजकुमार राव, पंकज त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना लीड रोल में हैं। यह हॉरर–कॉमेडी 15 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

विक्की कौशल की फिल्म बैड न्यूज बनी 100 करोड़ी, निर्माताओं ने जाहिर की खुशी

विक्की कौशल और तृप्ति डिमरी की फिल्म बैड न्यूज को शुरुआत से दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है।कॉमेडी के साथ रोमांस के तड़के से भरपूर इस फिल्म में एमी विर्क भी मुख्य भूमिका में हैं।जहां घरेलू बॉक्स ऑफिस पर बैड न्यूज की कमाई 60 करोड़ रुपये की ओर है तो वहीं दुनियाभर में इस फिल्म ने 100 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा पार कर लिया है।निर्माताओं ने एक पोस्टर साझा कर खुशी जाहिर की है।धर्मा प्रोडक्शंस ने इस खबर की जानकारी देते हुए लिखा, आपका प्यार लाखों में एक नहीं, अरबों में एक है बहुत–बहुत धन्यवाद।बैड न्यूज का निर्देशन आनंद तिवारी ने किया है। करण जौहर इस फिल्म के निर्माता हैं।नेहा धूपिया, शीबा चड्ढा, नेहा शर्मा और अनन्या पांडे भी इस फिल्म का अहम हिस्सा हैं।बता दें कि बैड न्यूज की एक टिकट पर दूसरी मुफ्त मिल रही है। टिकट बुक करने के लिए आपको बैडन्यूज कोड का इस्तेमाल करना होगा।श्बैड न्यूजश्य अपने अलग कॉन्सेप्ट और हिट गानों के साथ ही विक्की–तृप्ति की रोमांटिक केमिस्ट्री की वजह से दर्शको को सिनेमाघरों तक खींचने में कामयाब रही है. फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स से पॉजिटिव रिव्यू मिला है जिसके चलते इसने अच्छा कलेक्शन भी किया है. हालांकि अब फिल्म के लिए कमाई करना मुश्किल हो सकता है. दरअसल शुक्रवार, 2 अग्सत को सिनेमाघरों में अजय देवगन–तबू की रोमांटिक–थ्रिलर औरों में कहां दम था और जाह्नवी कपूर की सस्पेंस थ्रिलर उलझ रिलीज हो रही है. दोनों ही फिल्मों का काफी बज है. जिसे देखते हुए लग रहा है कि श्बैड न्यूजश्य के लिए अब बॉक्स ऑफिस पर टिके रहना मुश्किल हो सकता है. फिलहाल देखने वाली बात होगी की अजय और जाह्नवी की लेटेस्ट रिलीज फिल्मों के आगे श्बैड न्यूजश्य कितना कलेक्शन कर पाती है.

कल्कि 2898 एडी का जलवा बरकरार, 640 करोड़ से रह गई बस इतनी दूर

साल 2024 का फर्स्ट हाफ खत्म हो चुका है और इस दौरान कई फिल्में रिलीज हुई. इनमें से कई हिट रही तो कई बॉक्स ऑफिस पर डिजास्टर साबित हुई. हालांकि इस साल जिस फिल्म ने सबसे ज्यादा सक्सेस एंजॉय की वो प्रभास की श्कल्कि 2898 एडी रही. इस फिल्म का रिलीज से पहले ही जबरदस्त माहौल बन चुका था और सिनेमाघरों मे दस्तक देने के बाद तो इसने रिकॉर्ड ही तोड़ दिया. फिल्म को रिलीज हुए एक महीने से ज्यादा हो गया है लेकिन ये बॉक्स ऑफिस से हटने का नाम नहीं ले रही है. फिल्म अब भी अच्छी–खासी कमाई कर रही है. चलिए यहां जानते हैं कल्कि 2898 एडी ने रिलीज के 36वें दिन कितना कलेक्शन किया है कल्कि 2898 एडीश्य 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. तब से ये फिल्म दर्शकों की फेवरेट बनी हुई है. फिल्म ने रिलीज के पहले दिन 95.3 करोड़ के कलेक्शन के साथ रिकॉर्ड तोड़ ओपनिंग की थी और फिर एक महीने के दौरान कल्कि 2898 एडी ने ना केवल तमाम रिकॉर्ड अपने नाम किए बल्कि अपने बजट से कई गुना ज्यादा कमाई भी कर ली. फिल्म का क्रेज एक महीने बाद भी कम नहीं हो रहा है और इस साइंस फिक्शन को देखने के लिए सिनेमाघरों में खूब भीड़ पहुंच रही है जिसके चलते श्कल्कि 2898 एडीश्य पांचवें हफ्ते में भी खूब कमाई कर रही है. हालांकि अब इसका कलेक्शन करोड़ों से लाखों में जरूर सिमट गया है.

कल्कि 2898 एडीश्य की कमाई की बात करें तो फिल्म ने पहले हफ्ते में 414.85 करोड़, दूसरे हफ्ते में 128.5 करोड़, तीसरे हफ्ते में 56.1 करोड़ और चौथे हफ्ते में 24.4 करोड़ की कमाई की थी. वहीं रिलीज के पांचवें हफ्ते के पांचवे शुक्रवार 1.25 करोड़, पांचवें शनिवार 2.9 करोड़, पांचवें संडे 4 करोड़, पांचवें मंडे 1.05 करोड़, पांचवें मंगलवार 95 लाख और पांचवें बुधवार भी 95 लाख का कलेक्शन किया वहीं अब फिल्म की रिलीज के 36वें जिन यानी गुरुवार की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं.सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक कल्कि 2898 एडी ने रिलीज के 36वें दिन यानी पांचवें गुरुवार को 95 करोड़ की कमाई की है. इसी के साथ कल्कि 2898 एडीश्य का 36 दिनों का कुल कारोबार 635.90 करोड़ रुपये हो गया है.श्कल्कि 2898 एडीश्य एक महीने से ज्यादा समय से बॉक्स ऑफिस पर राज कर रही है. इस

दौरान तमाम फिल्में आई और चली गई लेकिन 2898 एडी के सिंहासन को कोई नहीं हिला सका. हालांकि शुक्रवार, 2 अगस्त को सिनेमाघरों में अजय देवगन–तबू की औरों में कहां दम था और जाह्नवी कपूर की उलझ रिलीज हो रही है. इन लेटेस्ट फिल्मों के चलते कल्कि 2898 एडी की कमाई पर ब्रेक लग सकता है क्योंकि दोनों ही फिल्मों का काफी बज देखा जा रहा है. अब देखने वाली बात होगी कि कल्कि 2898 एडी छठे हफ्ते में बॉक्स ऑफिस पर कैसा परफॉर्म करती है.

व्हाइट आफ शोल्डर गाउन में तृप्ति डिमरी ने शेयर किया हाट लुक, फोटोज ने इंटरनेट पर मचाया तहलका

इन दिनों तृप्ति डिमरी अपनी फिल्म बैड न्यूज को लेकर चर्चाओं में बनी हुई हैं। ये फिल्म हाल ही में रिलीज हुई है और इस फिल्म में विक्की कौशल के साथ तृप्ति की केमिस्ट्री को लोग काफी ज्यादा पसंद कर रहे हैं। अब एक बार फिर से अभिनेत्री चर्चाओं में आ गई हैं। हाल ही में तृप्ति डिमरी ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं, जिसमें वो काफी ज्यादा स्टनिंग नजर आ रही हैं।भाभी 2 के नाम से लोगों के बीच सुर्खियों में बटौरने वाली नेशनल क्रश तृप्ति डिमरी आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपनी दमदार एक्टिंग से लोगों के बीच अपनी खास पहचान बनाई है।इन दिनों एक्ट्रेस अपनी फिल्म बैड न्यूज को लेकर काफी चर्चाओं में हैं। इसी बीच हाल ही में तृप्ति डिमरी ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं।तृप्ति डिमरी जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर

पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल लहोने लगती हैं। फैंस भी उनके हर एक लुक को देखकर तारीफ करते नहीं थकते हैं।इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी ने व्हाइट कलर का फुल स्लीव्स बॉडीकॉन गाउन पहना हुआ है, जिसमें वो काफी ज्यादा ग्लैमरस नजर आ रही हैं।गले में नेकलेस, ओपन हेयर को स्टाइल देकर और लाइट मेकअप कर के अभिनेत्री ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा करती हैं तो अक्सर सोशल मीडिया का तापमान बढ़ जाता है। साथ ही फैंस भी उनके हर एक लुक को देखकर लाइक्स और कॉमेंट्स करने से नहीं रोक पाते हैं। हालांकि इन तस्वीरों में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक यूजर ने फोटोज पर कॉमेंट करते हुए सो ब्यूटिफुल। वहीं दूसरे यूजर ने कॉमेंट करते हुए सो एलिगेंट लिखा है। बता दें कि तृप्ति डिमरी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

मैं गर्व से खुद को पहाड़न कहती हूं– रुबीना दिलैक

अभिनेत्री रुबीना दिलैक ने कहा कि वह गर्व से खुद को पहाड़न कहती हैं और उन्हें अपनी परंपराओं पर नाज है। शिमला की रहने वाली रुबीना ने इंस्टाग्राम पर अपने गृहनगर में हुई एक शादी की तस्वीरें शेयर कर पहाड़ी परंपरा से जुड़ाव की कहानी साझा की। तस्वीरों में उन्हें अपने परिवार के साथ पारंपरिक हिमाचली डांस करते हुए देखा जा सकता है।

अपनी जड़ों पर गर्व करते हुए रुबीना ने लिखा, मेरा हमेशा अपनी परंपरा और संस्कृति से जुड़ाव रहा है, और मैं गर्व से खुद को पहाड़न कहती हूं।अभिनेत्री ने पारिवारिक समारोह से कुछ क्लोज–अप तस्वीरें भी शेयर कीं। इसके लिए रुबीना ने कैप्शन में लिखा, जुलाई में शादी। रुबीना ने अभिनेता अभिनव शुक्ला से शादी की है। 34 वर्षीय अभिनेत्री दो बच्चों की मां हैं। उन्होंने ब्यूटी कॉन्टेस्ट से ग्लैमर की दुनिया में अपनी यात्रा शुरू की। वह दो स्थानीय ब्यूटी कॉन्टेस्ट भी जीत चुकीं हैं। उन्होंने 2006 में मिस शिमला का खिताब अपने नाम किया था। रुबीना ने टीवी में छोटी बहू से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की, जो उनके लिए एक सफल शो साबित हुआ। इसके बाद वह सास बिना ससुराल, पुनर्विवाह – एक नई उम्मीद, देवों के देव...महादेव और जीनी और जूजू जैसे शो में काम करती हुई नजर आईं।छोटी बहू के बाद उनका दूसरा सबसे हिट शो शक्ति अस्तित्व के एहसास की रहा। इसमें उन्होंने विवियन डीसेना के साथ एक ट्रांस महिला का किरदार निभाया था। अभिनेत्री ने बिग बॉस के 14वें सीजन में भाग लिया जहां वह विजेता बनकर उभरीं। रुबीना ने फियर फैक्टररू खतरों के खिलाड़ी के 12वें सीजन और झलक दिखला जा 10 में भी हिस्सा लिया। 2022 में उन्होंने अर्ध से अपनी फिल्मी यात्रा शुरू की, जिसमें राजपाल यादव और हितेन तेजवानी जैसे मंझे कलाकार उनके साथ थे।

जूनियर एनटीआर–जाह्नवी कपूर की जबरदस्त केमिस्ट्री पोस्टर संग देवरा पार्ट 1 के दूसरे गाने का एलान

एनटीआर की पैन इंडियन फिल्म देवरारू पार्ट 1 का पहला सिंगल, फियर सॉन्ग प्लेलिस्ट पर छा हुआ है. यह गाना लोगों के बीच काफी पॉपुलर हो गया है. इस गाने पर सिंगर अनिरुद्ध रविचंदर ने शानदार काम किया है. सिंगल की पॉपुलैरिटी को देखते हुए मेकर्स ने सेकेंड सिंगल का एलान किया है. इसके लिए उन्होंने सोशल मीडिया का सहारा लिया है. जूनियर एनटीआर और जाह्नवी कपूर ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर देवरारू पार्ट 1 का नया पोस्टर शेयर किया है और फिल्म के सेकेंड सॉन्ग का एलान किया है. पोस्टर में जूनियर एनटीआर और जाह्नवी कपूर के बीच जबरदस्त केमिस्ट्री देखी जा सकती है. ऐसा लग रहा है कि यह गाना एक हरे–भरे जंगल में शूट किया गया है. इस पोस्टर से यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि आने वाला सेकेंड सॉन्ग रोमांटिक होगा. फिल्म का नया पोस्टर साझा करते हुए जाह्नवी कपूर ने कैप्शन में गाने की रिलीज डेट के बारे में खुलासा किया है. उन्होंने समुद्र की लहर और लाल दिल वाले इमोजी के साथ कैप्शन में लिखा है, मोस्ट अवेटेड देवरा सेकेंड सिंगल 5 अगस्त को आ रहा है.देवरारू पार्ट 1 जाह्नवी कपूर की टॉलीवुड डेब्यू फिल्म है. फिल्म को डायरेक्ट कोराताला शिवा ने किया है. इस फिल्म में जूनियर एनटीआर डबल रोल में नजर आएंगे. उन्होंने फिल्म में पिता और पुत्र दोनों की भूमिका निभाई है. वहीं, बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान विलेन के किरदार में नजर आएंगे. देवरारू पार्ट 1 27 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है.

धनुष की रायन ने बक्स अफिस पर उड़ाया गर्दा, वर्ल्डवाइड 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा किया पार

तमिल फिल्मों के सुपरस्टार धनुष इन दिनों अपनी एडल्ट कैटेगरी वाली मारकट से लबरेज फिल्म रायन से चर्चा में हैं. फिल्म रायन बीती 26 जुलाई को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुई थी. फिल्म रायन ने एक हफ्ते में वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार कर लिया है. आज 2 अगस्त को रायन अपनी रिलीज के 8वें दिन में चल रही है. इस बीच फिल्म रायन को लेकर गुडन्यूज आई है. फिल्म रायन को ऑस्कर लाइब्रेरी में जगह मिली है.फिल्म रायन के मेकर्स सन पिक्चर्स ने अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल पर धनुष के फैंस के लिए यह गुडन्यूज शेयर की है. इस गुडन्यूज को शेयर कर सन पिक्चर्स ने लिखा है, रायन स्क्रीनप्ले को अकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंस में की लाइब्रेरी में जगह मिली है. बता दें, इससे पहले कई फिल्मों को ऑस्कर की लाइब्रेरी में जगह मिल चुकी हैं.रायन ने 16.50 करोड़ रु. (ग्रॉस) से खाता खोला था. दूसरे दिन 16.75 करोड़ रु., तीसरे दिन 18.75 करोड़ रु., चौथे दिन 7 करोड़ रु., पांचवें दिन 5.75 करोड़, छठे दिन 5 करोड़ रु, सातवें दिन 4.25 करोड़ रु कमाए. रायन का एक हफ्ते का कुल ग्रॉस कलेक्शन 74 करोड़ रुपये का हो चुका है. रायन ने तमिल में 49 करोड़ रु., आंध्र प्रदेशध्तेलंगाना में 11 करोड़ रु., कर्नाटक में 7 करोड़ रु., केरल में 4.50 करोड़, इसके अलावा पूरे भारत में 2.50 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन किया है. वहीं, फिल्म ने वर्ल्डवाइड 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा छू लिया.रायन से पहले कई इंडियन फिल्में ऑस्कर लाइब्रेरी में जगह बना चुकी हैं।

नगर पंचायत शोहरतगढ़ के वार्ड का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–

नगर पंचायत, शोहरतगढ़ के वार्ड नं0–2 अटल नगर (छतहरा) में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के अन्तर्गत बने आवास का जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर द्वारा निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के लाभार्थी से जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर द्वारा वार्ता की गयी वार्ता के दौरान जानकारी प्राप्त की गयी की किसी प्रकार की कोई समस्या तो नही जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर ने परियोजना अधिकारी डूडा को निर्देश दिया कि प्रधानमंत्री आवास शहरी के लाभार्थियें को समय से किश्त की धनराशि प्रेषित करे इसके साथ गुणवत्ता का विशेष ध्यान दिया जाये किसी को भी अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाये जिलाधिकारी को स्थानीय लोगो द्वारा अवगत कराया गया कि साफ–सफाई नही होता है जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए सफाई–सफाई व्यवस्था ठीक कराये जाने के निर्देश दिए इस अवसर पर उपजिलाधिकारी (न्यायिक) शोहरतगढ़ राहुल सिंह, परियोजना अधिकारी डूडा सुनीता सिंह, उपस्थित थे।

जिलाधिकारी ने किया सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, शोहरतगढ़ का औचक निरीक्षण

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–

जिले के शोहरतगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का जिलाधिकारी ने औचक निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर द्वारा औषधिक वैक्सीन भण्डारण कक्षा, औषधि भण्डारण कक्ष एवं औषधि वितरण कक्ष, प्रसव कक्ष, ओ0टी0 आदि को देखा गया औषधि भण्डारण कक्ष में दवाओ का रखरखाव सही न होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुत सही कराने का निर्देश दिया जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत प्रसव पश्चात दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि के बारे में बैम मालजी शर्मा के पास सही जानकारी न होने पर कडी नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिया कि सभी लाभार्थियो की पूरी जानकारी लेकर उनके खाते में धनराशि प्रेषित कराना सुनिश्चित करे निरीक्षण के दौरान संबधित उपजिलाधिकारी न्यायिक राहुल सिंह, संबधित डाक्टर व अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

सम्पूर्ण समाधान कार्यक्रम का हुआ आयोजन

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–

शासन के मंशा के अनुरूप प्रत्येक माह के प्रथम एवं तीसरे शनिवार को सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस का आयोजन किया जाता है इसी कड़ी में आज तहसील शोहरतगढ़ में आयोजित सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस के आयोजन के अवसर पर राजस्व, विकास, शिक्षा, पूर्ति एवं अन्य विभागों के शिकायतों की सुनवाई जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर, उपजिलाधिकारी शोहरतगढ़ चन्द्रभान सिंह तथा पुलिस विभाग से सम्बंधित शिकायतों की सुनवाई पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह द्वारा किया गया

जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर द्वारा तहसील समाधान दिवस में पिछले समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों के आख्या का अवलोकन किया गया। अवलोकन के पश्चात जिलाधिकारी द्वारा तत्काल जिला स्तरीय टीम बनाकर मौके का जांच कराने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि भूमि से संबधित विवाद मौके पर जाकर निरीक्षण कर निस्तारण कराये। जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस शोहरतगढ़ में उपस्थित सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि तहसील समाधान दिवस में प्राप्त हो रही शिकायतों एवं आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों का समय से एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाये। इसके साथ ही शिकायतकर्ता एवं विपक्षी दोनों के समक्ष जांच कर कार्यवाही किया जाये। जिलाधिकारी ने कानूनगो एवं लेखपालों को निर्देश दिया कि भूमि संपत्ति रजिस्टर एवं भूमि विवाद रजिस्टर अवश्य बना ले। किसी भी विभाग का तहसील दिवस का कोई भी प्रकरण लम्बित नही होना चाहिए यदि किसी भी विभाग का प्रकरण लम्बित पाया जायेगा तो सम्बन्धित के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी। लेखपाल एवं कानूनगो मौके पर जाकर शिकायत के निस्तारण से पूर्व निरीक्षण कर उसके बाद की आख्या लगायेगे इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नही होनी चाहिए। सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस के आयोजन के अवसर पर कुल 113 प्रार्थना पत्र प्रस्तुत हुए जिसमें राजस्व–89, पुलिस विभाग से सम्बन्धित–04, विकास–05, विद्युत–05, लो0नि0वि0–03, शिक्षा–01, पशुपालन–02, नहर–02 तथा नगर पंचायत–02 प्रार्थना–पत्र प्रस्तुत हुए। राजस्व के 08 प्रार्थना–पत्रों को निस्तारण करा दिया गया। तहसील दिवस में प्राप्त शेष शिकायती प्रार्थना पत्रों को तीन दिवस के अन्दर शत–प्रतिशत निस्तारण की कार्यवाही सम्बन्धित विभाग के अधिकारी को सुनिश्चित करने हेतु निर्र्देशित किया गया।

सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस कार्यक्रम के इस अवसर पर डीएफओ पुष्प कुमार के0, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 रजत कुमार चौरसिया, पी0डी0 नागेन्द्र मोहन राम त्रिपाठी, डीडीओ गोपाल प्रसाद कुशवाहा, उपकृषि निदेशक अरविन्द कुमार विश्वकर्मा, जिला विद्यालय निरीक्षक सोमारू प्रधान, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी देवेन्द्र कुमार पाण्डेय, डीएसओ देवेन्द्र प्रताप सिंह, तहसीलदार शोहरतगढ़, तहसील शोहरतगढ़ क्षेत्र के अन्तर्गत समस्त थानाध्यक्ष एवं खण्ड विकास अधिकारी तथा अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मनरेगा में भर्ष्टाचार का बड़ा खेल, मृतक भी कार्य कर ले रहे भुगतान

ग्राम सभा के जिम्मेदारों ने मृतक को भी बनाया मजदूर खाते में भेजे पैसे परिजन अनजान।

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–

जिले का खुनियांव ब्लॉक भर्ष्टाचार के मामले में हमेशा सुर्खियों में बना रहता है विकास खंड अंतर्गत एक ग्राम सभा मे मनरेगा में बड़ा खेल सामने आया जब यहा एक मृतक व्यक्ति के खाते में मनरेगा के पैसा आया और परिजनों को इसकी भनक तक नही लगी ग्राम सभा के जिम्मेदारों ने किस तरह एक मृतक को मजदूर बनाकर कार्य स्थल पर खड़ा कर दिया इस बात पर शायद ही विश्वास किया जा सके लेकिन यह बात 16 आने सच है. कि सिद्धार्थनगर जिले मे कई वर्ष पहले मर चुके लोग मनरेगा योजना के तहत कराये जा रहे कामो को करने के लिए मजदूरी करने आते है, रोजगार सेवक मृतक की काम करने के दौरान की फोटो क्लिक करके सरकारी पोर्टल पर अपलोड करता है और बाकायदा 14 दिनों के काम की हाजिरी भी लगाता है. जिस दिन मृतक मजदूर काम पर नहीं आया तो अनुपस्थिति भी पोर्टल पर अंकित करता है. यह हम नहीं कह रहे हैं. बल्कि सरकारी कार्यालय द्वारा जारी किया गया मृतक जगमोहन के मनरेगा कार्ड मे साफ साफ अंकित है. पुरे मामले का खुलासा तब हुआ जब जगमोहन के मरने के साढ़े तीन साल बाद इसी जून मे की गई मजदूरी का पैसा उसके बैक खाते मे आ गया, और उसे निकालने के लिए रोजगार सेवक जगमोहन के घर पहुंच गई और मृत मजदूर की बैंक पासबुक मांगने लगी. परिजनों द्वारा न दिये जाने पर धमकी भी देने लगी. उसके बाद जब परिजनों ने जानकारी की तो पता चला कि मनरेगा मे साढ़े तीन वर्ष पहले मृत हुए घर के मुखिया ने अभी मजदूरी कि है जिसका पैसा बैक खाते मे आया है. उसी पैसे को निकालने के लिए रोजगार सेवक बैंक पासबुक मांग रहे है. इस तरह मनरेगा योजना के तहत किये जा रहे भ्रस्टाचार के मामले का खुलासा हो गया कि ग्राम प्रधान, सचिव, व रोजगार सेवक किस तरह मनरेगा योजना मे भ्रस्टाचार कर रहे है. हलाकि इस मामले को लेकर जब हमने मुख्य विकास अधिकारी जयेंन्द्र कुमार से बात की तो उन्होंने बताया कि इस मामले मे डीसी मनरेगा को विधिक कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया है. दोषियों के खिलाफ विधिक कार्यवाही कि जायेगी।

पुलिस विभाग का त्रिनेत्र पोल पर लटक कर तोड़ रहा दम।

अपनी बदहाली को बयां करता जोगिया चौक पर लटकता कैमरा।

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–

एक तरफ प्रदेश सरकार अपराध खत्म करने और सुरक्षा देने की बात कर रही है पूइस विभाग को ऐसी सुबिधाओं से लैस कर रही है जिससे पीड़ितों को न्याय और उनकी समस्या का समाधान हो सके समय समय पर पुलिस विभाग को अपराधियो को पकड़ने के लिए अभियान चलाकर ट्रेनिंग भी दिया जाता है अपराध के संबंध में विभाग द्वारा बॉथक भी किया जाता है इन सबके साथ साथ अपराधियो को पकड़ने के सुरक्षा के उपकरण का भी प्रयोग किया जाता है जिससे उनको पकड़ने में आसानी हो बड़े शहरों में जगह जगह कैमरे लगे है बाजारो में चौराहों पर भीड़ भाड़ वाली जगहों पर ताकि लोगो को सुरक्षा प्रदान किया जा सके सरकार पुलिस विभाग को हाईटेक बनाने में लगी है वही दूसरी तरफ पुलिस विभाग अपनी जिम्मेदारियों को इस तरह से निभा रही है जिसका कोई जवाब नही जिले में पुलिस काम तो कर रही है भले ही समस्या का निस्तारण करने में समय लगे जब पुलिस के सुरक्षा के उपकरण होने के बाद भी उसकी देख रेख नही होगी तब सुरक्षा का दावा करने बेकार है।

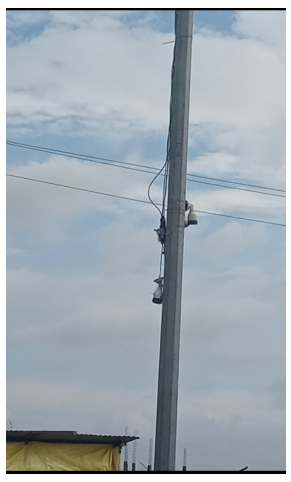

बताते चले कि जिले के जोगिया कोतवाली से चंद दूरी पर जोगिया चौक है जो ब्लॉक और बांसी मार्ग को जोड़ती है यहाँ पोल पर सुरक्षा की दृष्टि से चार कैमरे लगे है लेकिन कैमरों की हालत देख कर इस बात का अंदाजा लगाया जा सकता है कि जोगिया पुलिस की नजर से सुरक्षा कितनी जरूरत है या ये भी कह सकते है कि इन कैमरों की जरूरत शायद पुलिस को नही है तभी ये कैमरे पोल पर लटक कर अपनी जिम्मेदारी का एहसास करवा रहे है जोगिया चौक पर आए दिन कोई न कोई मार्ग दुर्घटना हो जाती है कभी कभी दुर्घटना में शामिल वाहन भाग जाने से पकड़ में नही आता है और पुलिस के हाथ खाली रहते है लेकिन अगर ये कैमरे अपनी ड्यूटी करते तो पुलिस को काफी हद तक सहूलियत मिलती और लोगो की सुरक्षा भी होती इन रास्तों से बड़े बड़े नेता, मंत्री, प्रशासनिक अधिकारियों की गाड़ियां गुजरती है लेकिन किसी का ध्यान इस तरफ नही गया अब पुलिस इन कैमरों को सही करवा कर इनका उपयोग करेगी या ये कैमरे ऐसे ही लटक कर अपना दम तोड़ देंगे ये तो समय ही बताएगा।

चोरो ने खोली पुलिस गश्त की पोल, ले उड़े खेत पर लगा पम्पिंग सेट।

सिद्धार्थनगर– जिले के जोगिया कोतवाली अंतर्गत ग्राम सभा पलिया टेकधर के टोला पलिया निद्धि में चोरों ने हाथ साफ कर लिया चोरी की घटना होती रहती है लेकिन सुरक्षा में तैनात लोगो को पता भी नही चलता मामला जोगिया कोतवाली के पलिया टेकधर के पलिया निद्धि का है जहाँ रहने वाले ओम प्रकाश मिश्रा पुत्र दीना मिश्र ने थाना कोतवाली में अपने पम्प सेट की चोरी का प्रार्थना पत्र दिया है उन्होंने बताया कि खेत की सिंचाई के लिए पम्प सेट खेत के बोर पर लगा था काम खत्म होने के बाद घर चले आये वर्षो से इसी तरह पम्प सेट खेत पर ही रहता था आज सुबह जब घूमते हुए खेत पर गए तो पम्प सेट गायब था आस पास लोगो से पूछा लेकिन किसी को पता नही चोरी की जानकारी 112 पर पुलिस को दी गई मौके पर पहुँचे पुलिस ने प्रार्थना पत्र थाने पर देने को कहा पीड़ित ने प्रार्थना पत्र थाने पर दिया लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नही हुई।मजे की बात तो ये है कि पुलिस विभाग के लाख दावे के बाद भी चोरो के हौसले इतने बुलंद है कि पुलिस को चकमा दे ही देते है पुलिस विभाग क्षेत्रो में गश्त करने की बात करती है अपने कार्यो को इतनी गंभीरता से पूर्ण करती है कि उच्च अधिकारी की रैंक में प्रथम आते है लेकिन इन सब के बाद भी चोर अपना काम करके निकल जाती है और पुलिस गश्त करती ही रहती है सही मायने में पुलिस के गश्त की पोल चोरो ने खोल दी।

आर्थिक और सामाजिक रूप से कमजोर परिवार की बेटियों का भविष्य सवार रही है सरकार

प्रयागराज जिले में 65,145 बेटियों को को मिला योजना का लाभ

जनपद में 10 करोड़ 34 लाख से अधिक की धनराशि की दी गई मदद

प्रयागराज (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार आर्थिक रूप से कमजोर परिवार की बेटियों की शिक्षा और उनके भविष्य को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है । इसी उद्देश्य के लिए सरकार द्वारा शुरू की गई मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना से समाज में बेटियों को उनका उचित स्थान मिल रहा है । कुंभ नगरी प्रयागराज ने लाभार्थियों को लाभ दिलाने के विषय में अव्वल स्थान हासिल किया है।

आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों की शिक्षा और उनके सुनहरे भविष्य को संवारने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शुरू की गई मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना में संगम नगरी प्रयागराज ने अहम स्थान हासिल किया है। प्रयागराज के जिला प्रोबेशन अधिकारी सर्वजीत सिंह के मुताबिक जनपद में इस योजना से 65,145 बेटियों को मदद मिली है । निरंतर इस योजना के लाभार्थियों का दायरा बढ़ता जा रहा है । वित्तीय वर्ष 2022–23 में यहां 59, 635 बेटियों को इस योजना का लाभ मिला है। इस तरह इस वर्ष पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 7,510 बेटियों को इससे मदद मिली है। इसी तरह वित्तीय वर्ष 2019–20 से 2021–22 में प्रयागराज में 54,809 को इस योजना का लाभ मिला था । इस प्रकार प्रयागराज में इस साल सबसे अधिक लाभार्थी इस योजना से आच्छादित हुए हैं।

प्रदेश की योगी सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना में सामाजिक और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की कन्याओं के जन्म से लेकर उनकी शादी तक का पूरा खर्च राज्य सरकार उठाती है ।

इस योजना में कन्याओं को ध्25,000 की आर्थिक मदद मिलती है। प्रयागराज के जिला प्रोबेशन अधिकारी सर्वजीत सिंह बताते हैं कि इस योजना के तहत सरकार पात्र परिवार की दो बेटियों को आर्थिक सहायता प्रदान करती है। पहली किस्त लड़की के जन्म के समय दी जाती है। दूसरी किस्त लड़की के टीकाकरण के लिए दी जाती है। नवजात बालिकाओं, जिनका जन्म 1 अप्रैल 2019 या उसके बाद हुआ है, उन्हें 2000 एक मुश्त धनराशि दी जाएगी। द्वितीय श्रेणी में वो बालिकाए शामिल हैं, जिनका एक वर्ष के भीतर पूर्ण टीकाकरण हो चुका है और उनका जन्म 01अप्रैल 2018 से पहले न हुआ हो। इन्हें 1000 की ध् ानराशि दी जाती है । सरकार कन्या के जन्म के समय 2001 वर्ष का टीकाकरण होने पर ध् 1000 ,पहली कक्षा में दाखिला होने पर ध्2000, छठवीं में ध्2000 ,नवी कक्षा में ध्3000 देती है। इसी तरह सरकार की तरफ से दसवीं 12 वीं की पढ़ाई या डिप्लोमा के लिए ध्5000 लाभार्थी के खाते मे भेजे जाते हैं। अब तक इस योजना में सरकार की तरफ से इन बेटियों को 10 करोड़, 34 लाख , 76 हजार रुपए से अधिक की मदद दी जा चुकी है।

समूचे जनपद की विद्युत व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त– कांग्रेस

प्रयागराज (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आवाहन पर पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आज शहर कांग्रेस कमेटी प्रयागराज के शहर अध्यक्ष प्रदीप कुमार मिश्रा अंशुमन के नेतृत्व में प्रयागराज के शहरी क्षेत्र के पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के मुख्य अभियंता कार्यालय पर धरना एवं प्रदर्शन का कार्यक्रम संपन्न हुआ।

इसी परिपेक्ष्य को लेकर शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रदीप मिश्र अंशुमन ने अपने वक्तव्य में कहा कि आज प्रयागराज शहर ही नहीं बल्कि समूचे ग्रामीण क्षेत्रों में भी विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था पूरी तरह से दयनीय दशा और हालात में पहुंच गई है। विद्युत आपूर्ति की लगातार की जा रही कटौती से आम जनमानस काफी अधिक परेशान और हैरान हो गया है। विद्युत आपूर्ति की लगातार कटौती के कारण वश क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति का भी संकट पैदा हो जाता है और विद्युत आपूर्ति की कटौती के लिए जब हम क्षेत्रीय कांग्रेस जन या क्षेत्रीय नागरिक गण उपखंड अधिकारियो से उनके सी यू जी मोबाईल नंबरों पर संपर्क करने का प्रयास करते हैं तो अधिकांशतः जिम्मेदार क्षेत्रीय अधिकारियों के मोबाईल नंबर बंद मिलते हैं। अथवा जिम्मेदार क्षेत्रीय अधिकारियों के मोबाईल फोन नही उठाए जाते हैं। जो पूरी तरह से जनमानस के हित के विपरीत है।

कांग्रेस जनों ने ज्ञापन सौंपते हुए मांग किया है कि शहर और ग्रामीण क्षेत्रों के उप खंडों में तैनात जिम्मेदार अधिकारियों सहित सभी तरह के विभागीय सी यू जी मोबाईल नंबर को हर समय उठाए जाने के प्रति अविलंब ही आदेश जारी किया जाना चाहिए। साथ ही उपखंड अधिकारी गण के अधीन में सब स्टेशनों पर के भी सी यू जी मोबाईल नंबर को भी सार्वजनिक किया जाना चाहिए।

इस धरना प्रदर्शन कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रदीप मिश्र अंशुमन, लल्लन पटेल, दिवाकर भारतीय, प्रवीण सिंह भोले, इशरत अली चाँद, विनय पांडेय, नयन कुशवाहा, विवेक पांडेय, अजेंद्र गौड़, इस्तियाक अहमद, जितेन्द्र नायक, अनिल कुशवाहा, जावेद उर्फी, अंजुम नाज, इरशाद उल्ला, अब्दुल कलाम आजाद, हसीन, राकेश श्रीवास्तव, रमेश जायसवाल,रमेश यादव, पूनम यादव,रचना पांडेय, नफीस कुरैशी, विशाल सोनकर, अल्तमश, जीशान अहमद आदि लोग शामिल रहे हैं।

डीएम ने तहसील सदर का किया औचक निरीक्षण, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

प्रयागराज (आरएनएस)। जिलाधिकारी नवनीत सिंह चहल ने शनिवार को तहसील सदर का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने उपजिलाधिकारी न्यायिक कक्ष, उपजिलाधिकारी कक्ष, तहसीलदार कक्ष, रजिस्टार, कानूनगों कक्ष, कम्प्यूटर कक्ष, ई–डिस्ट्रिक कक्ष, आपूर्ति कक्ष एवं विशेष भूमि अध्याप्ति कक्ष का निरीक्षण करते हुए वहां पर फाइलों के रख–रखाव, साफ–सफाई, उपस्थिति पंजिका सहित अन्य अभिलेखों का निरीक्षण करते हुए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने उपजिलाधिकारी सदर एवं तहसीलदार सदर को तहसील परिसर का निरीक्षण करते हुए कर्मचारियों की समय से उपस्थिति एवं लम्बित प्रकरणों का समय से निस्तारण सुनिश्चित कराये जाने के लिए कहा है।जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी न्यायिक कक्ष, उपजिलाधिकारी कक्ष, तहसीलदार कक्ष का निरीक्षण करते हुए लम्बित मुकदमों के निस्तारण की प्रगति के बारे में जानकारी लेते हुए 3 वर्ष व 5 वर्ष से लम्बित मुकदमों की जानकारी लेते हुए उनके शीघ्र निस्तारण की कार्यवाही सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने रजिस्टार, कानूनगों कक्ष तथा कम्प्यूटर कक्ष का निरीक्षण करते हुए खतौनी, अमलदरामत समय से करने, ई–डिस्ट्रिक कक्ष का निरीक्षण करते हुए आय, जाति,

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।